■ ओम बिरला को पद से हटाने के लिए आज नोटिस देगा विपक्ष-7

■ भारत-अमेरिका समझौते से निर्यातकों को शुल्क मोर्चे पर मिलेगी निश्चितता-10

■ भारत ने सेशेल्स को 17.5 करोड़ डॉलर का आर्थिक पैकेज देने की घोषणा की-11

■ गेंदबाजों के कमाल से जिम्बाब्वे ने ओमान को आठ विकेट से हराया-12

आज का मौसम

23.0°
अधिकतम तापमान

10.0°
न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.55

सूर्यास्त 05.58

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| बरेली |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

■ लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर
■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

फाल्गुन कृष्ण पक्ष अष्टमी 07:27 उपरांत नवमी विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 10 फरवरी 2026, वर्ष 7, अंक 77, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

न्यूज ब्रीफ

छाती में संक्रमण के बाद शरद पवार अस्पताल में भर्ती, हालत स्थिर

पुणे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा)-शरदचंद्र पवार (शप) के प्रमुख शरद पवार को सोमवार को सीने में संक्रमण की शिकायत के बाद पुणे शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। 85 वर्षीय पवार का इलाज कर रहे चिकित्सकों ने बताया कि उनकी स्वास्थ्य स्थिति स्थिर है। राज्यसभा सदस्य पवार को सांस लेने में तकलीफ और लगातार खांसी की शिकायत के बाद पुणे जिले के बारामती कस्बे स्थित उनके आवास से अपराह्न में रूबी हॉल क्लीनिक लाया गया था। उन्होंने बताया कि अस्पताल में उनकी कई जांच हुईं और चिकित्सकों ने बताया कि फिलहाल उनका इलाज जनरल वार्ड में जारी है।

ईपीएफओ लांच करेगा नया एप, सीधे यूपीआई से निकाल पाएंगे पैसा

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के अंशधारक इस साल अप्रैल में पेश होने वाले एक नए मोबाइल एप्लिकेशन के जरिये यूपीआई (यूपीआई) भुगतान गेटवे का उपयोग करके अपने पीएफ का पैसा सीधे बैंक खातों में पा सकेंगे। एक शीर्ष सूत्र ने बताया कि श्रम मंत्रालय एक ऐसी परियोजना पर काम कर रहा है, जिसके तहत ईपीएफ का एक निश्चित हिस्सा सुरक्षित कर दिया जाएगा, जबकि एक बड़ा हिस्सा यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के जरिये बैंक खाते के माध्यम से निकासी के लिए उपलब्ध होगा।

मंदिर की छत गिरने से तीन लड़कियों की मौत छह अन्य घायल

मुरैना। मध्यप्रदेश में मुरैना जिले के अहरौली गांव में सोमवार दोपहर माता मंदिर की छत गिरने से तीन बालिकाओं की मौत हो गई, जबकि छह अन्य घायल हो गए। दोपहर करीब दो बजे जब मंदिर में गुंबद निर्माण के लिए पुरानी छत तोड़ी जा रही थी तब छत की पटिया (निर्माण संबंधी एक प्रकार का सहारा) अचानक गिर गयी और नीचे बैठी बच्चियां मलबे में दब गईं। पुलिस के अनुसार सभी घायलों को कैलारस के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सतीश गौड अपनी पत्नी के साथ मंदिर में प्रसाद चढ़ाने आए थे तथा उन्होंने प्रसाद देने के लिए कुछ बच्चियों को मंदिर के अंदर बुला लिया, इसी दौरान यह हादसा हो गया।

बजट सत्र के पहले दिन राज्यपाल के अभिभाषण पर सदन में हंगामा

सपा विधायकों ने वेल में पहुंचकर की नारेबाजी, अभिभाषण के दौरान दो बार रुकीं आनंदीबेन, बोलीं-सपा सरकार में रही शून्य उपलब्धि

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः विधानमंडल के बजट सत्र की शुरुआत सोमवार को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के अभिभाषण से हुई, पहले ही दिन सदन में जोरदार हंगामा देखने को मिला। सपा विधायकों ने महंगाई, बेरोजगारी, एसआईआर व यूजीसी जैसे मुद्दों को लेकर नारेबाजी की और वेल में आकर विरोध प्रदर्शन किया।

इसके बाद वित्त मंत्री ने पहली बार सरकार की आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट पेश की। बाद में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कार्यवाही को मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। राज्यपाल ने जैसे ही संयुक्त अधिवेशन में

अभिभाषण पढ़तीं राज्यपाल आनंदीबेन।

विधान भवन के सामने तख्तियां दिखाकर विरोध-प्रदर्शन करते विपक्षी।

अपना अभिभाषण शुरू किया, सपा विधायक नारे लगाते हुए वेल में पहुंच गए। उन्होंने राज्यपाल वापस जाओ जैसे नारे लगाए। हंगामा बढ़ता देख राज्यपाल ने अपना भाषण कुछ देर के लिए रोका और विपक्षी सदस्यों से शांत रहने की अपील की। उन्होंने कहा, 'शांत हो जाइए, नहीं तो गला बैठ जाएगा'। उन्होंने यह भी कहा, सपा सरकार में विकास शून्य था। इसके बाद भी सपा सदस्य शांत नहीं हुए। राज्यपाल ने करीब 30 मिनट में अपना अभिभाषण पूरा किया। अभिभाषण में उन्होंने प्रदेश सरकार की उपलब्धियों और भावी योजनाओं का विस्तृत उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि उप्र ने पिछले वर्षों में 'बॉटलनेक स्टेट' की छवि से बाहर निकलकर 'ब्रेकथ्रू स्टेट' के रूप में नई पहचान बनाई है।

कानून-व्यवस्था, आर्थिक सशक्तिकरण, कृषि विकास, महिला सशक्तिकरण, अवसंरचना और जनकल्याण के क्षेत्रों में प्रदेश ने उल्लेखनीय प्रगति की है। राज्यपाल ने कहा कि कानून-व्यवस्था में सुधार से निवेश का माहौल मजबूत हुआ है और प्रदेश उद्योग, स्टार्टअप और रोजगार सृजन के लिए आकर्षक गंतव्य बन रहा है। सत्र के दौरान विधानसभा परिसर में भी सपा विधायकों ने प्रदर्शन किया।

अभिभाषण की मुख्य बातें

- उत्तर प्रदेश 'बॉटलनेक' से 'ब्रेकथ्रू' स्टेट बना
- कानून-व्यवस्था में सुधार से निवेश का माहौल मजबूत
- खाद्यान्न, गन्ना, चीनी, दुग्ध और आलू उत्पादन में प्रदेश अव्वल
- गन्ना किसानों को 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान
- 36 लाख से अधिक ग्रामीण आवासों का निर्माण
- 8.5 करोड़ से अधिक श्रमिकों का ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकरण
- ऊर्जा, एथेनॉल, सामाजिक सुरक्षा और डिजिटल योजनाओं में प्रदेश अग्रणी
- शिक्षा, अवसंरचना और रोजगार सृजन पर विशेष जोर

डिजिटल फ्रॉड के जरिए 54 हजार करोड़ का गबन डकैती के समान

शीर्ष कोर्ट का एसओपी बनाने के निर्देश, कहा-यह राशि कई छोटे राज्यों के बजट से अधिक

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल धोखाधड़ी के जरिए 54 हजार करोड़ रुपये के गबन को पूरी तरह से लूट और डकैती करार देते हुए सोमवार को केंद्र सरकार को ऐसे मामलों से निपटने के लिए आरबीआई, बैंकों और दूरसंचार विभाग जैसे हितधारकों के साथ चर्चा करके मानक संचालन प्रक्रिया बनाने का निर्देश दिया। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति एन.वी. अंजारिया की पीठ ने कहा कि डिजिटल धोखाधड़ी के जरिए गबन की गई धनराशि कई छोटे राज्यों के बजट से अधिक है।

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा- बैंक अधिकारियों की मिलीभगत या लापरवाही हो सकती है ऐसे अपराधों के पीछे

अदालत ने पाया कि इस तरह के अपराध बैंक अधिकारियों की मिलीभगत या उनकी लापरवाही के कारण हो सकते हैं। शीर्ष अदालत ने आरबीआई और बैंकों की ओर से समय पर कार्रवाई किए जाने की आवश्यकता पर जोर दिया। अदालत ने कई नए निर्देश जारी करते हुए गृह मंत्रालय से कहा कि वह आरबीआई की मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तथा दूरसंचार विभाग की इसी तरह की एसओपी या निर्णयों पर विचार करे और ऐसे अपराधों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए चार सप्ताह में एक एमओयू का मसौदा तैयार करे। पीठ को बताया गया कि आरबीआई ने साइबर धोखाधड़ी को रोकने के लिए डेबिट कार्ड को अस्थायी रूप से रोकने के संबंध में बैंकों की ओर से की जाने वाली कार्रवाई निर्दिष्ट करते हुए एक एसओपी तैयार की है। अदालत ने सीबीआई को डिजिटल अरेस्ट के मामलों की पहचान करने का निर्देश दिया और गुजरात तथा दिल्ली सरकारों से कहा कि वे इन मामलों में जांच के लिए सीबीआई को आवश्यक स्वीकृति प्रदान करें। कोर्ट ने आरबीआई, दूरसंचार विभाग और अन्य संबंधित पक्षों को संयुक्त रूप से एक बैठक कर डिजिटल अरेस्ट मामलों में मुआवजा प्रदान करने के लिए एक ढांचा तैयार करने का निर्देश भी दिया। कोर्ट ने कहा कि डिजिटल अरेस्ट के शिकार लोगों को मुआवजा देने के मामलों में व्यावहारिक व उदार दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है।

(बैंक जनता के पैसे की ट्रस्टी : पेज 7)

गृह मंत्रालय ने अंतर-मंत्रालयी समिति गठित की

नई दिल्ली। गृह मंत्रालय ने सुप्रीम कोर्ट को अवगत कराया है कि डिजिटल अरेस्ट की बढ़ती घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से प्रणालीगत खामियों को दूर करने और साइबर अपराध के पीड़ितों की सुरक्षा तत्काल सुनिश्चित करने के लिए एक उच्चस्तरीय अंतर-विभागीय समिति (आईडीसी) का गठन किया है। गृह मंत्रालय द्वारा 12 जनवरी को दाखिल स्थिति रिपोर्ट में बताया गया कि भोलेभाले नागरिकों से धन की ठगी के लिए जाली दस्तावेजों और डिजिटल अरेस्ट जैसे हथकंडों का इस्तेमाल करने वाले अंतर्राष्ट्रीय गिरोहों के खात्मे के लिए सीबीआई, रिजर्व बैंक, दूरसंचार विभाग और सूचना प्रौद्योगिकी से जुड़े प्रमुख मंत्रालयों की भागीदारी के साथ एक बहु-एजेंसी अभियान चलाया जा रहा है। पीठ के निर्देशों पर कार्रवाई करते हुए सीबीआई ने दिल्ली के एक हाई-प्रोफाइल धोखाधड़ी मामले की जांच आधिकारिक रूप से अपने हाथ में ले ली है, जिसमें 76 साल की एक पेंशनर से डिजिटल अरेस्ट धोखाधड़ी के जरिये 1.64 करोड़ रुपये ठग लिये गए थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि फर्जी लोगों ने उसे जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल करके धमकाया था। सीबीआई ने बताया कि ऐसी ठगी संगठित और अंतर्राष्ट्रीय साइबर अपराध गिरोहों द्वारा की जाती है।

एसआईआर में किसी भी प्रकार की बाधा बर्दाश्त नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

- ममता की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट की चेतावनी, बंगाल सरकार से पूछे कई सवाल
- कोर्ट ने कहा- सभी राज्य सरकारें संशोधन प्रक्रिया में सहयोग करें

शीर्ष कोर्ट ने सोमवार को कहा कि वह मतदाता सूचियों के एसआईआर में किसी को भी बाधा डालने की अनुमति नहीं देगा। सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने कहा कि वह इस मामले में आवश्यक आदेश या स्पष्टीकरण जारी करेगी। पीठ ने बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया को लेकर दायर याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। इनमें राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की याचिका भी शामिल है, जिसमें एसआईआर अभ्यास के दौरान मतदाता सूची से लोगों के नाम हटाए जाने की आशंका जाहिर की गई है।

पीठ ने कहा, हम किसी को भी एसआईआर प्रक्रिया में बाधा डालने की अनुमति नहीं देंगे। राज्यों को यह बात स्पष्ट हो जानी चाहिए। शीर्ष अदालत ने निर्वाचन आयोग की ओर से दाखिल हलफनामे का संज्ञान लिया, जिसमें कुछ उपद्रवियों पर एसआईआर संबंधी नोटिस को जलाने का आरोप लगाया गया है। उसने पश्चिम बंगाल के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को इस संबंध में हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। निर्वाचन आयोग ने कहा कि उपद्रवियों के खिलाफ अभी तक कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है। केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, यह संदेश जाना चाहिए कि भारत का संविधान सभी राज्यों पर लागू होता है। शीर्ष अदालत ने पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से निर्वाचन आयोग को ग्रुप-बी के 8,505 अधिकारियों की सूची उपलब्ध कराए जाने का संज्ञान लिया। उसने कहा कि इन अधिकारियों को एसआईआर प्रक्रिया में प्रशिक्षित और नियोजित किया जा सकता है।

पुनरीक्षण का अंतिम निर्णय मतदाता सूची अधिकारियों द्वारा ही लिया जाएगा : पीठ

पीठ ने स्पष्ट किया कि मतदाता सूची में संशोधन के सिलसिले में अंतिम निर्णय हमेशा मतदाता सूची अधिकारियों द्वारा ही लिया जाएगा। उसने कहा कि इन 8,505 अधिकारियों की नियुक्ति का तरीका और कामकाज निर्वाचन आयोग द्वारा तय किया जाएगा। सुनवाई के दौरान ममता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान ने एसआईआर प्रक्रिया में सूक्ष्म पर्यवेक्षकों की नियुक्ति और बड़े पैमाने पर योग्य मतदाताओं के नाम हटाए जाने को लेकर आशंकाएं व्यक्त कीं। दीवान ने पीठ से कहा, हम नहीं चाहते कि मतदाता सूची से बड़े पैमाने पर लोगों के नाम हटाए जाएं।

मणिपुर में फिर हिंसा, उपद्रवियों ने कई घर फूंके

इंफाल, एजेंसी

मणिपुर के उखरुल जिले में सोमवार दोपहर हथियारबंद बदमाशों द्वारा लिटान सारेइखोंग गांव में कई घरों में आग लगा दी, इसके बाद यहां एकाएक फिर हिंसा भड़क उठी। पहाड़ी गांव के आसपास सशस्त्र समूहों ने हवा में कई गोलियां भी चलाईं, जिससे निवासी जरूरी सामान लेकर पड़ोसी कांगपोकपी जिले के सुरक्षित इलाकों में भागने को मजबूर हो गए।

तांगखुल में रहने वाले कई ग्रामीणों के भी इलाका छोड़ने की खबर है। इस इलाके में हिंसा की शुरुआत शनिवार रात को लिटान गांव में तंगखुल नागा समुदाय के एक सदस्य पर सात से आठ लोगों द्वारा हमला किए जाने के बाद हुई।

- हथियारबंदों ने फायरिंग व बमबारी की जवान तैनात, तांगखुल में कई ग्रामीणों के अपना इलाका छोड़ा

पीड़ित पक्ष व लिटान सारेइखोंग के मुखिया के बीच मामला सुलझ गया था और दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से पारंपरिक तरीकों से मामले को सुलझाने का फैसला किया था। अधिकारियों ने बताया कि रविवार को एक बैठक भी तय की गई थी। हालांकि, बैठक नहीं हो सकी। इसके बजाय, पास के सिकिबुंग गांव के कुछ ग्रामीणों ने लिटान सारेइखोंग के मुखिया के आवास पर हमला कर दिया। ग्रामीणों ने लिटान थाने के पास से गुजरते हुए कई गोलियां भी चलाईं। अधिकारियों ने बताया कि रविवार शाम को जिले के लिटान गांव में दो आदिवासी समूहों ने पथराव किया, जिससे प्रशासन को निषेधाज्ञा लागू करनी पड़ी। बताया कि मध्यरात्रि के आसपास लिटान सारेइखोंग में तंगखुल नगा समुदाय के कई मकानों में कुकी उग्रवादियों ने आग लगा दी गई। पास के ही एक इलाके में कुकी समुदाय के कुछ लोगों के मकानों को भी जला दिया गया। तंगखुल मणिपुर की सबसे बड़ी नगा जनजाति है। लिटान सारेइखोंग कुकी बहुल गांव है।

पाकिस्तान का यू-टर्न भारत के साथ खेलेगा टी-20 विश्वकप

इस्लामाबाद/ढाका। पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ मुकाबले के बहिष्कार करने के फैसले पर यू-टर्न मार लिया है। अब दोनों के बीच टी-20 विश्व कप का मैच निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार होगा। भारत और पाकिस्तान के बीच मैच कोलंबो में 15 फरवरी को होना है। पाकिस्तान सरकार ने कहा, बहुपक्षीय बातचीत के नतीजों और दोस्त देशों के अनुरोध के बाद पाकिस्तान सरकार पाकिस्तान की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम को निर्देश देती है कि वह 15 फरवरी 2026 को आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप का अपना निर्धारित मैच खेलने मैदान पर उतरे।

(विस्तृत खेल पेज पर)

अयोध्या में धमाके की साजिश में शामिल आतंकी अब्दुल रहमान की फरीदाबाद जेल में हत्या

- नीमका जेल में बंद था रहमान सह-कैदी ने की हत्या

फरीदाबाद। अयोध्या में धमाका करने की साजिश में शामिल होने के आरोप में नीमका जेल में बंद 20-वर्षीय आरोपी अब्दुल रहमान की सोमवार को जेल परिसर के भीतर झड़प के बाद एक सह-कैदी ने हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, हाल में जम्मू-कश्मीर से इस जेल में स्थानांतरित किए गए अरुण चौधरी नामक एक कैदी ने इस वारदात को अंजाम दिया।

जेल के बैरक नंबर-3 के पास स्थित सुरक्षा वार्ड-3बी की चक्की नंबर-2 में रात करीब दो बजे हुई। पुलिस ने बताया कि तीखी बहस के दौरान चौधरी ने एक धारदार हथियार से रहमान पर हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि घटना के समय शोएब रियाज नामक तीसरा कैदी भी वहां मौजूद था। आरोपी ने डराया-धमकाया और जान से मारने की धमकी दी। जेल प्रशासन से प्राप्त शिकायत के आधार पर बल्लभगढ़ सदर थाने में आरोपी अरुण चौधरी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है। चौधरी के खिलाफ जम्मू व अमृतसर में हत्या तथा हत्या के प्रयास के आठ मामले पहले से ही दर्ज हैं। उप्र के फैजाबाद जिले के मिल्कीपुर निवासी अब्दुल रहमान जून 2025 से हिरासत में था। उसे पिछले साल मार्च में गुजरात एटीएस और हरियाणा के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) की संयुक्त टीम ने फरीदाबाद के पास पाली गांव से गिरफ्तार किया था।

संवाद से निकलेगा समाधान, कार्यवाही बाधित करने के बजाय मुद्दे उठाएं : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्यमंत्री ने कहा- हमारी सरकार का 10वां बजट कल होगा पेश

अमृत विचारः मुख्यमंत्री योगी ने सोमवार को बजट सत्र शुरू होने से पहले मीडियाकर्मियों से बातचीत में कहा कि सरकार संवाद के माध्यम से समस्याओं के समाधान में विश्वास करती है। उन्होंने सभी सदस्यों से अपील की कि किसी भी मुद्दे को कार्यवाही बाधित कर नहीं, बल्कि चर्चा के माध्यम से उठाएं।

योगी ने कहा कि उनकी सरकार का 11 फरवरी को वर्ष 2026-27 का सामान्य बजट प्रस्तुत किया जाएगा और उस पर सदन में चर्चा होगी। यह उनकी सरकार का 10वां बजट है। पहली बार कोई राज्य सरकार अपनी आर्थिक

उपलब्धियों को इस तरह आर्थिक सर्वेक्षण के रूप में सदन के सामने रख रही है। इससे जनप्रतिनिधियों और जनता को प्रदेश की आर्थिक प्रगति, प्रति व्यक्ति आय, रोजगार सृजन और वित्तीय प्रबंधन की जानकारी मिलेगी। विधानमंडल लोकतंत्र का महत्वपूर्ण स्तंभ है और यह संवाद से चलता है, न कि कार्यवाही बाधित करने से।

विधान भवन में स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन

मुख्यमंत्री ने सत्र से पहले विधानभवन में स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन किया। यह शिविर विधानसभा और विधान परिषद के सदस्यों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए लगाया गया है, जिसमें केजीएमयू के चिकित्सकों की टीम जांच कर रही है। योगी ने सदस्यों को सलाह दी कि तनावमुक्त रहकर संतुलित दिनचर्या अपनाएं, इससे बीमारियां दूर रहेंगी। इस दौरान विस अध्यक्ष सतीश महाना, दोनों उप मुख्यमंत्री मौजूद रहे।

परीक्षा पे चर्चा

दूसरे चरण में प्रधानमंत्री बोले- मोबाइल कुछ बच्चों के मालिक बन गए हैं जो उसके बिना खाना भी नहीं खा सकते

तकनीक के गुलाम न बनें, मार्गदर्शन के लिए हो एआई का प्रयोग

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को छात्रों को सलाह दी कि वे प्रौद्योगिकी को उन्हें गुलाम नहीं बनाने दें और एआई का उपयोग मार्गदर्शन और अपने काम में बेहतरी लाने के लिए किया जाना चाहिए, न कि सीखने के विकल्प के रूप में।

वार्षिक परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के नौवें संस्करण की दूसरी कड़ी में मोदी ने कहा कि मोबाइल फोन उन कुछ बच्चों के मालिक बन गए हैं, जो उनके या टेलीविजन स्क्रीन के बिना खाना भी नहीं खा सकते। उन्होंने कोयंबटूर, रायपुर, गुवाहाटी और

विद्यार्थियों से परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के तहत संवाद करते प्रधानमंत्री मोदी।

गुजरात के विद्यार्थियों से हुई बातचीत में कहा, हर युग में नई प्रौद्योगिकियों, चाहे कंप्यूटर हों या मोबाइल फोन, को लेकर चिंताएं रही हैं। लेकिन यह डर बेवजह है। आपको यह दृढ़ संकल्प लेना होगा कि हम प्रौद्योगिकी के गुलाम नहीं बनेंगे। प्रधानमंत्री ने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे एआई जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों से न डरें, बल्कि उनका उपयोग कौशल को निखारने के लिए करें। हमें प्रौद्योगिकी को समझना होगा, खुद का विस्तार करना होगा, उसमें उस प्रौद्योगिकी की ताकत को जोड़ना होगा, जो हमारे कामों में 'वैल्यू एडिशन' करें। काम का स्वरूप हमेशा बदलता रहेगा, जैसे परिवहन बैलगाड़ियों से हवाई जहाजों में परिवर्तित हुआ, लेकिन जीवन चलता रहा।

सिर्फ दूसरों की उपलब्धियों को देखने के बजाय सफलता के लिए उनके प्रयास देखें : मोदी

मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि दूसरों की केवल उपलब्धियों को ही नहीं देखना चाहिए, बल्कि सफलता के पीछे किए गए प्रयास और अनुशासन को भी देखना चाहिए। एक छात्र की पढ़ाई और रुचियों के बीच संतुलन बनाने संबंधी चिंता को दूर करने की कोशिश करते हुए, मोदी ने कहा कि दोनों ही उपयोगी हैं और एक दूसरे के पूरक हो सकते हैं। स्टार्टअप से संबंधित एक अन्य छात्र के प्रश्न का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि सबसे पहले इस बात पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए कि आप क्या करना चाहते हैं, चाहे वह प्रौद्योगिकी में नवाचार हो या ड्रोन या विद्युत प्रणालियों जैसे व्यावहारिक समाधान।

अमृत विचार

बरेली, मंगलवार, 10 फरवरी 2026

विधानसभा परिसर में सपा सदस्यों ने किया प्रदर्शन

अमृत विचार, लखनऊ : विधानभवन में बजट सत्र शुरू होने से पहले सोमवार को सपा के सभी विधायकों ने एसआईआर समेत विभिन्न मुद्दों को लेकर राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। इतना ही नहीं, वाराणसी में मणिकर्णिका घाट पर मंदिरों के तोड़फोड़ और राजमाता अहिल्याबाई के अपमान पर सपा एमएलसी आशुतोष सिन्हा साइकिल से विधानमंडल पहुंचे । साइकिल पर आगे उन्होंने राजमाता अहिल्याबाई का यह अपमान नहीं सहेगा हिन्दुस्तान, स्लोगन का पोस्टर लगा था।

सपा एमएलसी आशुतोष सिन्हा साइकिल से विधानसभा पहुंचे।

बॉटलनेक से ब्रेकथ्रू तक पहुंचा उत्तर प्रदेश : राज्यपाल

कानून-व्यवस्था, कृषि, अवसंरचना और जनकल्याण में बड़ी उपलब्धियां, आनंदीबेन पटेल ने कई राष्ट्रीय योजनाओं में प्रदेश को बताया नंबर वन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों के जरिए बड़ी संख्या में लोगों को लाभ पहुंचा

विधानसभा सत्र में भाग लेने के लिए जातीं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, साथ में विधानसभाध्यक्ष सतीश महाना और मुख्यमंत्री योगी।

अमृत विचार: विधानमंडल के बजट सत्र के पहले दिन दोनों सदनों के संयुक्त अधिवेशन में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने प्रदेश के विकास की व्यापक तस्वीर पेश की। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश ने बीते वर्षों में 'बॉटलनेक स्टेट' की छवि से निकलकर 'ब्रेकथ्रू स्टेट' के रूप में अपनी पहचान बनाई है। सुशासन, कानून-व्यवस्था, आर्थिक सशक्तिकरण, कृषि विस्तार, महिला सशक्तिकरण, अवसंरचना विकास और जनकल्याण के क्षेत्रों में प्रदेश ने ठोस उपलब्धियां हासिल की हैं।

राज्यपाल ने कहा कि कानून-व्यवस्था में सुधार के कारण प्रदेश में निवेश का माहौल मजबूत हुआ है और उत्तर प्रदेश उद्योग, व्यापार, स्टार्टअप और रोजगार सृजन के लिए आकर्षक गंतव्य बन रहा है। जीरो टॉलरेंस नीति के तहत संगठित अपराध पर सख्त कार्रवाई की गई है और माफिया तंत्र पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित हुआ है। उन्होंने बताया कि पुलिस व्यवस्था को मजबूत करने के लिए बड़े पैमाने पर भर्तियां, प्रोन्नतियां और संस्थागत सुधार किए गए हैं। त्वरित पुलिसिंग के लिए यूपी-112 का रिस्पॉन्स टाइम काफी कम हुआ है और सभी जिलों में साइबर क्राइम थाने स्थापित किए गए हैं।

राज्यपाल ने अवसंरचना क्षेत्र की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश में सड़क, परिवहन और लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में तेजी से काम हुआ है। हजारों किलोमीटर सड़कों का निर्माण और नवीनीकरण किया गया है, जिससे व्यापार, पर्यटन और निवेश को गति मिली है। कृषि क्षेत्र में प्रगति का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि खाद्यान्न उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और कृषि जीएसडीपी भी तेजी से बढ़ा है। गन्ना किसानों को रिकॉर्ड भुगतान, बागवानी क्षेत्र का विस्तार और पशुपालन योजनाओं से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है। ऊर्जा क्षेत्र में सुधारों का जिक्र करते हुए राज्यपाल ने कहा कि प्रदेश में शहरी क्षेत्रों को 24 घंटे और ग्रामीण क्षेत्रों को 19 घंटे बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। स्मार्ट और प्रीपेड मीटर लगाने का काम भी तेजी से चल रहा है। सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त किया गया है। आवास योजनाओं, श्रमिक कल्याण और सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों के जरिए बड़ी संख्या में लोगों को लाभ पहुंचा है।

राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में नई नियुक्तियां, आईसीटी लैब, स्मार्ट कक्षाएं और नए विश्वविद्यालयों की स्थापना से शिक्षा व्यवस्था मजबूत हुई है। आकांक्षात्मक जिलों में भी स्वास्थ्य, शिक्षा और पोषण के संकेतकों में सुधार हुआ है। उन्होंने बताया कि कई राष्ट्रीय योजनाओं के क्रियान्वयन में उत्तर प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। खाद्यान्न, गन्ना, दुग्ध, आम और आलू उत्पादन में प्रदेश अव्वल है। किसान सम्मान निधि, उज्ज्वला, आवास और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में भी प्रदेश अग्रणी रहा है। राज्यपाल ने कहा कि प्रशासनिक सुधारों, वित्तीय सुदृढ़ता और समावेशी विकास के जरिए उत्तर प्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हुआ है और 'विकसित भारत' की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक सुधार

- जीरो टॉलरेंस नीति से संगठित अपराध पर नियंत्रण
- बड़े पैमाने पर पुलिस भर्ती और संस्थागत सुधार
- सभी जिलों में साइबर क्राइम थाने स्थापित

अवसंरचना और ऊर्जा

- हजारों किलोमीटर सड़कों का निर्माण और नवीनीकरण
- शहरी क्षेत्रों में 24 घंटे और ग्रामीण क्षेत्रों में 19 घंटे बिजली आपूर्ति
- स्मार्ट और प्रीपेड मीटर योजना का विस्तार

कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था

- खाद्यान्न उत्पादन में बड़ी वृद्धि
- गन्ना किसानों को रिकॉर्ड भुगतान
- बागवानी और पशुपालन से बढ़ी ग्रामीण आय

सामाजिक सुरक्षा और शिक्षा

- स्वयं सहायता समूहों से महिला सशक्तिकरण
- आवास और श्रमिक योजनाओं का व्यापक लाभ
- नई नियुक्तियां, स्मार्ट कक्षाएं और नए विश्वविद्यालय स्थापित

दोगुने से अधिक हुई प्रदेश की अर्थव्यवस्था कृषि से उद्योग तक बहुआयामी विकास

वित्त मंत्री ने सदन में पहली बार पेश की योगी सरकार की आर्थिक समीक्षा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 13.30 लाख करोड़ से बढ़कर 30.25 लाख करोड़ पहुंची जीएसडीपी
- कृषि, उद्योग, सेवा, शिक्षा व सामाजिक सुरक्षा में हुए बड़े बदलाव

अमृत विचार: विधानसभा के बजट सत्र में वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने पहली बार प्रदेश की आर्थिक समीक्षा सदन के पटल पर रखी। इसमें प्रदेश की अर्थव्यवस्था, कृषि, उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा आदि सभी क्षेत्रों में व्यापक प्रगति का दावा किया गया है। खन्ना ने बताया कि वर्ष 2016–17 में 13.30 लाख करोड़ रुपये की अर्थव्यवस्था 2024–25 में बढ़कर 30.25 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गई है और 2025–26 में इसके 36 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है।

खन्ना ने बताया कि राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में प्रदेश का योगदान 8.6 प्रतिशत से बढ़कर 9.1 प्रतिशत हो गया है, जबकि प्रति व्यक्ति आय 54,564 रुपये से बढ़कर 1,09,844 रुपये तक पहुंच गई है। 2024–25 में प्रदेश की जीएसडीपी में कृषि का योगदान 25.8 प्रतिशत, उद्योग का 27.2 प्रतिशत और सेवा क्षेत्र का 47 प्रतिशत रहा। वहीं दुग्ध उत्पादन 290.52 लाख मीट्रिक टन से बढ़कर 388.15 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच गया है। अंडा उत्पादन भी 244 करोड़ से बढ़कर 611 करोड़ हो गया है। मत्स्य उत्पादन 6.3 लाख मीट्रिक टन से बढ़कर 13.31 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच गया है। जो 111 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्शाता है।

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना

कृषि बना ग्रामीण समृद्धि का आधार

समीक्षा में कृषि और संबद्ध क्षेत्रों को विकास की धुरी बताया गया है। वर्ष 2024–25 में प्रदेश का खाद्यान्न उत्पादन 737.4 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच गया। 2017–18 की तुलना में उत्पादन में 28.5 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई। कृषि का अर्थव्यवस्था में योगदान भी बढ़कर 24.9 प्रतिशत हो गया है। धान और गेहूं दोनों प्रमुख फसलों के उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि हुई है, जबकि दलहन और तिलहन के क्षेत्रफल में उल्लेखनीय बढ़ोतरी से फसल विविधीकरण को गति मिली है। सरकार ने पीएम-किसान, फसल बीमा, खेत तालाब, सोलर पंप और ऋण वितरण जैसी योजनाओं के माध्यम से किसानों को सहायता दी है।

स्वास्थ्य ढांचे में विस्तार

स्वास्थ्य क्षेत्र में मेडिकल कॉलेजों की संख्या 2017 के 36 से बढ़कर 2025 में 81 हो गई है। 54 जिलों में 170 मोबाइल मेडिकल यूनिट्स के माध्यम से 2.05 करोड़ मरीजों का इलाज किया गया है। टेलीमेडिसिन सेवा से 22 लाख से अधिक लोगों को परामर्श मिला है। वर्ष 2025–26 में स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए 46,728 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। संस्थागत प्रसव बढ़कर 96 प्रतिशत से अधिक हो गए हैं और बच्चों का टीकाकरण लगभग शत-प्रतिशत बताया गया है।

आर्थिक समीक्षा की प्रमुख उपलब्धियां

- जीएसडीपी 13.30 से बढ़कर 30.25 लाख करोड़ रुपये
- प्रति व्यक्ति आय दोगुनी होकर 1.09 लाख रुपये
- खाद्यान्न उत्पादन 737.4 लाख मीट्रिक टन
- कारखाने दोगुने से अधिक
- मेडिकल कॉलेज 36 से बढ़कर 81
- सामाजिक सुरक्षा पर 34,504 करोड़ रुपये खर्च
- 50 लाख करोड़ रुपये से अधिक निवेश प्रस्ताव
- निर्यात 1.86 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचा

विकसित यूपी 2047 के कृषि लक्ष्य

- फसल सघनता 193% से बढ़ाकर 250% करना
- किसानों की आय तीन गुना करने का लक्ष्य
- 30 लाख हेक्टेयर बंजर भूमि को खेती योग्य बनाना
- माइक्रो इरिगेशन और एआई आधारित कृषि को बढ़ावा
- बीज पार्क, कृषि वानिकी और फसल विविधीकरण पर जोर
- नवीकरणीय ऊर्जा और जलवायु अनुकूल खेती को प्रोत्साहन

औद्योगिक क्षेत्र बना विकास का इंजन

आर्थिक समीक्षा में बताया गया कि पंजीकृत कारखानों की संख्या 2016–17 के 14,169 से बढ़कर 2025–26 में 30,695 हो गई है। निर्यात 0.84 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 1.86 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। प्रदेश को 50 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

शिक्षा में निवेश से आधारभूत ढांचा मजबूत

प्रदेश में 2.62 लाख से अधिक विद्यालयों का नेटवर्क तैयार किया गया है। प्राथमिक शिक्षा का बजट 2016–17 के 32.91 हजार करोड़ रुपये से बढ़कर 2025–26 में 82.34 हजार करोड़ रुपये हो गया है।

सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का विस्तार

सामाजिक सुरक्षा योजनाओं पर खर्च बढ़ाकर 34,504 करोड़ रुपये किया गया है। वर्तमान में 67.5 लाख वृद्धजन और 22.89 लाख दिव्यांगजन पेंशन से लाभान्वित हो रहे हैं। कन्या सुमंगला योजना से 26.81 लाख बालिकाओं को लाभ मिला।

कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक सुधार

आर्थिक समीक्षा में कहा गया है कि संगठित अपराध के खिलाफ कार्रवाई, डिजिटल पुलिसिंग, सेफ सिटी और मिशन शक्ति जैसे अभियानों से कानून-व्यवस्था मजबूत हुई है और निवेश का माहौल बेहतर बना है।

ग्रामीण विकास और रोजगार

ग्रामीण विकास पर खर्च 2017–18 के 10,508 करोड़ रुपये से बढ़कर 2025–26 में 20,081 करोड़ रुपये हो गया है। वर्ष 2024–25 में 3363 लाख से अधिक मानव दिवस सृजित कर प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर रहा।

राज्यपाल का अभिभाषण सरकार की झूठी तारीफों का महोत्सव

अमृत विचार, लखनऊ : विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण को सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भ्रष्टाचार में डूबी सरकार की झूठी तारीफों का महोत्सव बताया है। उन्होंने कहा कि सरकारी कागजों पर हरियाली उगाने से जनता भ्रमित होने वाली नहीं है। भाजपा सरकार ने प्रदेश की जनता का विश्वास तोड़ने और परस्पर सद्भाव को नुकसान पहुंचाने का ही काम किया है। सपा प्रमुख ने सोमवार को जारी बयान में कहा कि राज्यपाल के अभिभाषण में आंकड़ों और जुमलों का ही प्रदर्शन है।

महिलाओं को प्रदेश में रोजाना अपमानित होना पड़ रहा है। हर रोज बच्चियों-महिलाओं से दुष्कर्म हो रहे है। महिला अपराध, फर्जी एनकाउण्टर और हिरासत में मौतों के मामले में प्रदेश अव्वल नम्बर पर है।

11 विधेयक बिना संशोधन बने कानून

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

विधान परिषद में 12 अधिनियमों की घोषणा

अमृत विचार, लखनऊ : विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण के बाद सोमवार को दोपहर में ठीक 12.30 बजे वंदेमातरम् के साथ विधान परिषद की कार्यवाही शुरू हुई। बजट सत्र के पहले दिन सभापति कुंवर मानवेन्द्र सिंह ने राज्यपाल के भाषण को प्रस्तुत किया। नेता सदन व उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या समेत अन्य सदस्यों के समक्ष सभापति ने सदन में तिथिवार कार्यक्रम संबन्धी कार्य-परामर्शदात्री समिति की संस्तुतियों को सदन की मेज पर रखा। इसके बाद प्रमुख सचिव विधान परिषद् ने 2026 में बने 12 अधिनियमों की क्रमवार घोषणा की। साथ ही सभापति ने मंगलवार 11 बजे तक सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी ।

अमृत विचार: विधान सभा की कार्यवाही सोमवार को राज्यपाल के अभिभाषण के साथ शुरू होने के बाद सदन पटल पर चार अध्यादेश रखे गए। जानकारी दी गई कि पिछली बार विधान सभा से पारित 11 विधेयक विधान परिषद से बिना किसी संशोधन के वापस आने के साथ राज्यपाल की स्वीकृति से अब कानून बन चुके हैं।

कार्यवाही के दौरान उच्च शिक्षा राज्य मंत्री ने उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) अध्यादेश, 2026 तथा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) अध्यादेश, 2026 को सदन पटल पर रखा। इसके बाद नगर विकास मंत्री द्वारा उत्तर प्रदेश नगर निगम (संशोधन) अध्यादेश, 2026 और उत्तर प्रदेश नगर पालिका (संशोधन) अध्यादेश, 2026 सदन में प्रस्तुत किए गए। सदन को यह सूचना भी दी गई कि दिसंबर 2025 में विधान सभा से पारित 11 विधेयक बिना किसी संशोधन के विधान परिषद से वापस प्राप्त हुए हैं। इनमें ग्रामीण आबादी अभिलेख विधेयक, शिक्षा सेवा चयन आयोग संशोधन विधेयक, निजी विश्वविद्यालयों से संबंधित संशोधन विधेयक, नगर निगम संशोधन, गन्ना उपकर, पेंशन की हकदारी एवं विधिमान्यकरण, सुगम व्यापार तथा दुकान एवं वाणिज्य अधिष्ठान संशोधन विधेयक शामिल हैं।

विधान सभा के प्रमुख सचिव प्रदीप कुमार दुबे ने बताया कि इन विधेयकों को राज्यपाल की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है और वे वर्ष 2026 के अधिनियम के रूप में प्रभावी हो गए हैं। कार्यसूची के अनुसार, सदस्यों की गिरफ्तारी, निरोध या रिहाई से संबंधित कोई सूचना सदन को नहीं दी गई। विशेषाधिकार हनन से जुड़ा भी कोई प्रश्न प्रस्तुत नहीं हुआ।

पुलिस अधिकारियों पर एफआईआर के आदेश को चुनौती की याचिका पर हुई सुनवाई

विधि संवाददाता,प्रयागराज

- संभल हिंसा मामला: सीजेएम ने दिया था एफआईआर का आदेश

अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सोमवार को उत्तर प्रदेश सरकार और एएसपी अनुज चौधरी की याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई की, जिनमें संभल के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) द्वारा नवंबर, 2024 की हिंसा के संबंध में एएसपी सहित अन्य पुलिस अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के आदेश को चुनौती दी गई है। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति समित गोपाल की एकलपीठ के समक्ष हुई। यह आदेश मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट विभान्शु सुधीर ने पिछले महीने घायल युवक के पिता यामीन की अर्जी पर पारित किया गया था।

उक्त आदेश पारित होने के लगभग एक सप्ताह बाद संबंधित मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट का तबादला सुल्तानपुर कर दिया गया। अपर महाधिवक्ता मनीष गोयल ने राज्य की ओर से बताया कि मजिस्ट्रेट ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 175 के तहत निर्धारित अनिवार्य प्रक्रिया का पालन नहीं किया और कानून की सीमाओं का उल्लंघन किया।

उन्होंने कहा कि धारा 175(4) लोक सेवकों को उनके आधिकारिक कर्तव्यों से संबंधित मामलों में तुच्छ या उत्पीड़न आपराधिक कार्यवाही से बचाने के लिए दो-चरणीय प्रक्रिया अनिवार्य है, जैसे- वरिष्ठ अधिकारी से रिपोर्ट प्राप्त करना, घटना की परिस्थितियों के संबंध में संबंधित लोक सेवक के कथनों पर विचार करना। महाधिवक्ता ने यह भी बताया कि इस मामले में वरिष्ठ अधिकारी से रिपोर्ट तो मंगाई गई, लेकिन उस पर विचार नहीं किया गया और आदेश में उसका उल्लेख तक नहीं है।

राज्य ने यह भी तर्क दिया कि शिकायतकर्ता ने अपने आवेदन में प्रारंभिक स्तर पर थाने में शिकायत करने का उल्लेख नहीं किया, जबकि यह विधि के तहत अपेक्षित शर्त है, साथ ही पुलिस रिपोर्ट में यह उल्लेख था कि घटना के संबंध में पहले से मामला दर्ज कर जांच की जा रही है, लेकिन उसे भी नज़रअंदाज़ कर दिया गया। राज्य की ओर से यह भी रेखांकित किया गया कि बीएनएसएस की धारा 175(3) के तहत मजिस्ट्रेट को यह अधिकार है कि यदि आरोप प्रथमदृष्टया निराधार, असंगत या अत्यंत असंभावित हों तो आवेदन खारिज कर सकते हैं। समता भाव के कारण मामले की सुनवाई अगले दिन के लिए स्थगित कर दी गई।

आगरा में जूता गोदाम में भीषण आग, लाखों का नुकसान

आगरा,एजेंसी: जिले में थाना कमला नगर क्षेत्र के लोहिया नगर स्थित एक जूता गोदाम में सोमवार दोपहर भीषण आग लग गई, जिससे लाखों रुपये के नुकसान का अनुमान है। पुलिस के अनुसार तीन मंजिला इमारत की दूसरी मंजिल पर बने गोदाम में आग लगी। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। सूचना पर दमकल विभाग की पांच गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। बताया गया है कि इमारत के स्वामी नितिन और सजल गुप्ता दो भाई हैं, जो जूतों का कारोबार करते हैं। पहली और दूसरी मंजिल पर गोदाम संचालित था, जबकि तीसरी मंजिल पर परिवार निवास करता है। आग लगने से अफरा-तफरी मच गई और परिजन सुरक्षित नीचे उतर आए।

आंकड़ा | सबसे अमीर डीआईजी संजीव तो एडीजी प्रवीण कुमार के नाम नहीं संपत्ति

डीजीपी से अधिक संपत्ति के मालिक आईजी व डीआईजी

सीपी सिंह, लखनऊ

- डीआईजी वैभव कृष्ण और शैलेष पांडेय भी नहीं हैं किसी भी संपत्ति के मालिक

अमृत विचार: लक्ष्मी जब किसी पर कृपा बरसाती है तो वह सीनियर या फिर जूनियर का भेद नहीं करती। प्रदेश के आईपीएस अफसरों के मामले में यही बात देखी जा रही है। सूबे के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) से अधिक संपत्ति के मालिक आईजी और डीआईजी हैं। वहीं खासे दबदबे वाला पद माने जाने वाले लखनऊ के एडीजी प्रवीन कुमार, रेंजों में तैनात दो डीआईजी वैभव कृष्ण और शैलेश पांडेय के नाम कोई भी संपत्ति नहीं हैं।

कामिर्क और प्रशिक्षण विभाग की गाइडलाइन के मुताबिक, भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारियों को अपनी संपत्ति का ब्यौरा 31 जनवरी तक देना होता है। दर्ज ब्यौरे के मुताबिक, डीजीपी राजीव कृष्ण के पास महज तीन संपत्तिया हैं। इनमें एक लखनऊ में हैं, जिसकी कीमत 10.20 लाख रुपये है। एक संपत्ति गौतमबुद्धनगर में और मीरानपुर कलां में कृषि भूमि है। वहीं दूसरी ओर बस्ती के डीआईजी संजीव त्यागी के पास करीब 29 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियां हैं। वह गाजियाबाद के निवासी हैं तो सभी संपत्तियां भी वहीं हैं। इसी तरह मिजार्पुर के आईजी राकेश प्रकाश सिंह भी खासे धनवान हैं। उनके पास 25 से अधिक संपत्तियां है। हालांकि इसमें संजीव त्यागी और राकेश प्रकाश सिंह की पैतृक संपत्ति भी शामिल हैं।

> कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग को आईपीएस अफसरों द्वारा जो संपत्तियों का ब्यौरा दिया जाता है, उसमें उनकी पैतृक संपत्ति भी शामिल होती हैं। कुछ अधिकारी ऐसे हैं कि उनके परिवार पहले से ही काफी धनी हैं।
>
> -ब्रजभूषण शर्मा, अपर पुलिस महानिदेशक (सेवानिवृत्त)

पुलिस के महानिदेशक (डीजी) कानून-व्यवस्था अमिताभ यश और सुजीत पांडेय पांच-पांच संपत्तियों के स्वामी हैं। डीजी जेल पीसी मीणा के पास चार तो एडीजी रेलवे प्रकाश डी. के पास तीन संपत्तियां हैं। जोन में तैनात एडीजी रमित शर्मा के पास सात, भानु भाष्कर और ज्योति नरायन के पास छह-छह, पीयूष मोर्डिया के पास पांच, अनुपमा कुलश्रेष्ठ के पास चार, आलोक सिंह के पास तीन और अशोक मुथा जैन के पास दो संपत्तियां हैं। अभी हाल में एडीजी लखनऊ के पद पर तैनात प्रवीण कुमार के नाम भी कोई संपत्ति दर्ज नहीं हैं।

इसी तरह प्रदेश के पुलिस कमिश्नरों की बात करें तो अमरेन्द्र सेंगर के पास पांच, जोगोन्द्र कुमार के पास नौ, जे रविन्द्र गोड़ के पास चार, लक्ष्मी सिंह और रघुवीर लाल के पास तीन-तीन, जबकि मोहित अग्रवाल और दीपक कुमार के पास महद दो-दो संपत्तियां हैं। रेंज में तैनात आईजी आकाश कुलहरि, अमित पाठक और अजय मिश्रा दो-दो, डीआईजी मुनिराज जी 10, सुनील कुमार सिंह व एस चनप्पा पांच-पांच, प्रभाकर चौधरी चार, जबकि हरीशचंद्र, किरन एस. और कलानिधि नैथानी दो-दो संपत्तियों के स्वामी हैं। जबकि अभिषेक सिंह, अजय साहनी, राजेश एस, सोमन वर्मा और कलानिधि नैथानी के पास महज एक-एक संपत्ति दर्ज दिखाई गई है।

दस आईपीएस ने नहीं दिया ब्यौरा

प्रदेश में तैनात करीब 550 आईपीएस अफसरों में से केवल दस अधिकारी ऐसे हैं, जिन्होंने ब्यौरा नहीं दिया है। इनमें आशीष गुप्ता रिटायर हो गए हैं, जबकि जसवीर सिंह निलंबित चल रहे हैं। आनंद स्वरूप दिल्ली प्रतिनियुक्त पर हैं, जबकि अलंकृता ने बीआरएस के लिए आवेदन किया है।

कानपुर में काशी महाकाल एक्सप्रेस पर फेंके पत्थर

कानपुर, एजेंसी: जिले में अज्ञात लोगों ने काशी महाकाल एक्सप्रेस पर कथित रूप से पत्थर फेंके, जिससे प्रथम वातानुकूलित (फर्स्ट एसी) डिब्बे की एक खिड़की के शीशे टूट गए और यात्रियों में दहशत फैल गई। राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने सोमवार को यह जानकारी दी। जीआरपी के अनुसार, यह घटना रविवार रात करीब नौ बजे भीमसेन रेलवे स्टेशन के पास की है जब वाराणसी से इंदौर जा रही यह ट्रेन गोविंदपुरी स्टेशन से रवाना होने के बाद भीमसेन की ओर बढ़ रही थी। जीआरपी थाना प्रभारी हेमंत ने बताया कि पथराव के कारण प्रथम वातानुकूलित डिब्बे की खिड़की का शीशा टूट गया।

उन्होंने कहा कि इस घटना में किसी भी यात्री के घायल होने की सूचना नहीं है। बाद में टूटे शीशे का एक वीडियो सोशल मीडिया पर भी प्रसारित हुआ। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि रेलवे कर्मचारियों ने शीशे के टुकड़ों को तत्काल साफ कर दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि शुरुआती जांच में यह मामला शरारत का प्रतीत होता है और अब तक किसी बड़ी साजिश के संकेत नहीं मिले हैं। उन्होंने कहा कि एहतियात के तौर पर इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और जांच जारी है। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है और इस कथित घटना में शामिल लोगों की पहचान कर उन्हें पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

66 किलो गांजे के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

अल्मोड़ा : रानीखेत पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने तीन तस्करों को गांजे के साथ दबोचा है। आरोपियों के कब्जे से वाहन में रखा 66.288 किलो गांजा बरामद किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है। रानीखेत पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने क्षेत्र में चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान अशोक द्वार के पास एक कार को रोका। पुलिस ने वाहन की तलाशी ली तो वाहन में रखे 66.288 किलो गांजा बरामद हुई। मौके पर पुलिस ने आरोपी विकाश पुत्र अजय सिंह निवासी-काशीपुर, अनमोल सिंह पुत्र बरीयाम सिंह, निवासी काशीपुर और जसपाल सिंह पुत्र विक्रम सिंह, निवासी-नानकमत्ता जनपद जिला उधमसिंहनगर के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार किया।

गोकशी के दो आरोपी गिरफ्तार

अमरोहा, अमृत विचार : सड़क किनारे मिले गोवंशीय अवशेष के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों से कटान करने वाले उपकरण आदि सामान बरामद किया है। आरोपियों ने तीन दिन पहले गोकशी कर मांस अमरोहा की एक मीट की दुकान पर बेचा था। घटना शनिवार की देर रात थाना नौगांवा सादात क्षेत्र के अमरोहा-धनौरा मार्ग की है। महाशिरात्रि से पहले गांकशी से तनाव की आशंका से पुलिस-प्रशासन सतर्क था। इस संबंध में नौगावां सादात थाने में अज्ञात के खिलाफ गोवध अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया था।

आतंक का पर्याय तेंदुआ पिंजरे में कैद

धौरहरा, अमृत विचार : वन रेंज धौरहरा के तहत दहौरा नाला क्षेत्र के आसपास बीते कई महीनों से दहशत का कारण बना तेंदुआ आखिरकार वन विभाग के पिंजरे में कैद कर लिया गया। तेंदुए की लगातार आवाजाही और गतिविधियों के कारण ग्रामीणों में भय का माहौल था। लोग खेतों में जाने, पशुओं को चराने और रात के समय घरों से बाहर निकलने से कतराने लगे थे। तेंदुआ अक्सर सुबह-शाम गांव के नजदीक देखा जा रहा था, जिससे बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों में खासा डर बना हुआ था। कई बार तेंदुए के पदचिह्न और पशुओं पर हमले के संकेत भी मिले थे, जिसकी सूचना लगातार वन विभाग को दी जा रही थी। वन रेंज के सुजईकुंड़ा दहौरा नाला के पास बाघ और तेंदुए की चहलकदमी से ग्रामीणों में दहशत का महौल है।

संप्रेक्षण गृह से फरार हुए पांच किशोर, दो अमरोहा में पकड़े

तीन होमगार्ड, कांस्टेबल सहित छह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : राजकीय संप्रेक्षण गृह (किशोर) से पांच किशोर छत से कूदकर फरार हो गए। जानकारी मिलने के बाद संप्रेक्षण गृह के कर्मचारी घटना की सूचना अधिकारियों को देने के बजाय स्वयं बाल अपचारियों को तलाशने में जुटे रहे।

पुलिस को सूचना देने के बाद हुई तलाश में दो किशोरों को पकड़ लिया गया, जबकि तीन की तलाश जारी है। थाना सिविल लाइंस पुलिस ने पांच बाल अपचारियों के साथ संप्रेक्षण गृह के दो कर्मियों के साथ तीन होमगार्ड और एक पुलिस कांस्टेबल के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की है। बाकी तीनों बाल अपचारियों की तलाश की जा रही है। राजकीय संप्रेक्षण गृह (किशोर) के प्रभारी अधीक्षक मुकेश कुमार चौधरी की ओर से

- शनिवार रात लगभग तीन बजे संप्रेक्षण गृह की छत से कूदकर भागे थे पांचों बाल अपचारी

थाना सिविल लाइंस में दी गई तहरीर के अनुसार शनिवार रात लगभग दो बजकर 55 मिनट पर आदर्श कालोनी स्थित संप्रेक्षण गृह से पांच बाल अपचारी छत से कूदकर फरार हो गए। इसके बाद आस पास इन सभी की तलाश करने के साथ ही डायल 112 पर भी सूचना दे दी गई। प्रभारी अधीक्षक के रात में सभी किशोर अपने-अपने कमरे से सोए हुए थे। रात में पांच बाल अपचारी पहले भागने की पहले से बनाई साजिश के अनुसार दरवाजे का ताला तोड़कर छत पर पहुंचे और वहां से संप्रेक्षण गृह की पिछली दीवार की ओर जाकर बाहर की ओर कूदकर फरार हो गए।

इस दौरान संप्रेक्षण गृह में दो चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी सुमित और रोहित, होमगार्ड केशव कुमार, महेश पाल सिंह, आदेश कुमार के अलावा कांस्टेबल रविंद्र कुमार तैनात थे। इन सभी ने अपनी जिम्मेदारी और ड्यूटी में लापरवाही बरती। सूचना मिलते ही पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए फरार आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। कार्रवाई के दौरान सिविल लाइन पुलिस ने दो फरार किशोरों को अमरोहा जिले के मंडी धनौरा क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया है।

विदेश में नौकरी के नाम पर 1.27 लाख रुपये ठगे

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार : विदेश में नौकरी दिलाने का झांसा देकर एक युवक से 1.27 लाख रुपये की ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। ढाई महीने काम कराने के बाद कंपनी द्वारा युवक को वापस भेज दिया गया, जबकि आरोपी ने रुपये लौटाने से इंकार करते हुए धमकी भी दी।

नगर के मोहल्ला वार्ड 19 निवासी जहीर आलम ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया कि करीब पांच माह पूर्व रतूपुरा निवासी एक व्यक्ति उनके संपर्क में आया था। उसने स्वयं को विदेश भेजने का काम करने वाला बताते हुए सऊदी अरब में अच्छे वेतन पर नौकरी दिलाने का भरोसा दिलाया। आरोपी ने जहीर आलम को कारपेंटर के पद पर सऊदी भेजने की बात कही और इसके लिए कुल खर्च 1.27 लाख रुपये बताया।

पीड़ित के अनुसार उसने आरोपी के खाते में 1.05 लाख रुपये जमा कराए, जबकि शेष 22 हजार रुपये नगद दिए। करीब तीन माह पूर्व आरोपी ने उसे सऊदी अरब भेज दिया, लेकिन वहां कंपनी ने उससे ढाई महीने काम लेने के बाद एग्रीमेंट समाप्त होने का हवाला देकर वापस भारत भेज दिया।

पत्नी ने साथ में नहीं किया डांस तो फंदे पर झूला पति

संवाददाता, ओरछी (बदायूं)

- साले के लगन में गया था अनिल जंगल में जाकर दे दी जान

अमृत विचार : साले के लग्न समारोह में डीजे पर पत्नी ने डांस करने से मना कर दिया। पति-पत्नी में कहासुनी हो गई। पति ने जंगल में जाकर पेड़ पर फंदा लगाकर जान दे दी। खुशी का माहौल दुख में बदल गया। परिजनों में चीत्कार मच गया। सूचना पर पुलिस पहुंची। फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

उघैती थाना क्षेत्र के गांव बरवारा निवासी अनिल (30) पुत्र वीरम सिंह की फैजगंज बेहटा क्षेत्र के गांव सैंडोला में ससुराल थी। रविवार को उनके साले सोनू का लग्न समारोह था। वह परिवार के साथ समारोह में शामिल होने आए थे। रविवार देर रात ससुराल में लग्न की रस्में चल रही थीं। कुछ लोग दावत खा रहे थे। डीजे पर गाने चल रहे थे और परिवार के लोग डांस कर रहे थे। परिवार में जश्न का माहौल था। इसी दौरान अनिल ने अपनी पत्नी प्रियंका उर्फ नन्हीं से डीजे पर डांस करने को कहा लेकिन प्रियंका ने मना कर दिया। इसी बात को लेकर पति-पत्नी में कहासुनी होने लगी। अनिल नाराज होकर घर से जंगल की ओर चले गए लेकिन काफी समय किसी ने उनके बारे में ध्यान नहीं दिया।

अनिल ने गांव के पास एक पेड़ पर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। वह काफी समय तक वापस घर नहीं लौटे तो परिजनों ने उनकी तलाश की। शव पेड़ पर लटका मिला तो कोहराम मच गया। चीख पुकार मच गई। अनिल की मौत पर उनका एक बेटा और एक बेटी का रो-रोकर बुरा हाल है।

फैजगंज बेहटा के थानाध्यक्ष राजकुमार सिंह ने बताया कि युवक की मौत हुई थी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। प्रथम दृष्टया घरेलू विवाद व गुस्से में उठाया गया कदम लग रहा है। आगे की जांच की जा रही है।

खीरी में 2 युवकों की गोली लगने से मौत

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : जिले में सोमवार को गोली लगने से दो युवकों की मौत हो गई, जिससे अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हड़कंप मच गया। एक मामले में परिजनों ने युवक की हत्या का आरोप लगाया है, जबकि दूसरे मामले में घरेलू कलह के चलते आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है।

- परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

पहला मामला मितौली थाना क्षेत्र के ग्राम लल्हौआ का है। यहां किराने का सामान लेने घर से निकले 35 वर्षीय मनीष कुमार का शव गोली लगी अवस्था में बरामद हुआ। शव के पास एक तमंचा भी पाया गया है तथा गर्दन पर गोली लगने के निशान हैं। परिजनों ने इसे हत्या करार देते हुए आरोप लगाए हैं। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस आत्महत्या और हत्या दोनों पहलुओं पर जांच कर रही है। दूसरा मामला भीरा थाना क्षेत्र के ग्राम पड़रिया तुला का है। यहां घरेलू कलह से तंग अमित खन्ना उर्फ मनी (28) पुत्र सुखदेव राज खन्ना ने खुद को गोली मार ली। गंभीर रूप से घायल युवक को जिला अस्पताल ओयल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

महिला ने की युवक से 78 लाख की ऑनलाइन ठगी, एफआईआर

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- महिला ने शादी डाटकाम पर किया था संपर्क

अमृत विचार : शादी डाट काम पर संपर्क में आई महिला ने युवक के साथ करीब 78 लाख रुपये का फ्रॉड कर दिया। आरोप है कि महिला ने दूसरी वेबसाइट पर आईडी बनवाई। क्रिप्टो ट्रेडिंग कराई। शुरू में 2 से ढाई लाख रुपये का फायदा हुआ। भरोसा होने पर उन्होंने ज्यादा पैसा लगाया जो बाद में नहीं मिला। पीड़ित ने साइबर थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

रोजा थाना क्षेत्र के मोहल्ला न्यू कॉलोनी लोधीपुर निवासी विमलेश कुमार ने साइबर क्राइम थाने में एफआईआर दर्ज कराई कि 30 अक्टूबर को शादी डाट काम पर संजय जैन नाम की महिला की फ्रेंड रिक्वेस्ट आई। इसको उसने स्वीकार कर लिया और फिर व्हाट्स एप पर बात होने लगी। उसने एक वेबसाइट पर आईडी बनवाई और कहा कि ये क्रिप्टो ट्रेड के लिए है। महिला ने पीड़ित से कहा कि मैं भी ट्रेड करती हूं और आप भी करिए। शुरू में दो से ढाई लाख रुपये का फायदा होने पर विश्वास हो गया था। महिला ने पीड़ित से कहा कि मेरे अंकल इस पर ट्रेड करते हैं आपको कोई नुकसान नहीं होगा। फिर उससे 25 प्रतिशत कमीशन मांगा गया। इस तरह 57 लाख 57 हजार 170 रुपये का फ्रॉड किया गया। इंवेस्टमेंट किया गया पैसा देने से मना कर दिया और वापस करने पर और ट्रेड करने के लिए कहा गया। फिर कहा गया कि 60 प्रतिशत का टारगेट पूरा करना होगा। कम से कम 13 ट्रेड करना होगा। पीड़ित ने ये भी किया। फिर कहा गया कि अब चार प्रतिशत फाइन भरना होगा। कांट्रेक्टर पूरा नहीं होने पर उन्होने फाइन भी भर दिया।

अवैध वसूली में उद्योग विभाग के तीन अधिकारी निलंबित

लखनऊ। जिला उद्योग कार्यालय में सरकारी योजनाओं से जुड़े ऑनलाइन आवेदन और फाइल निस्तारण के नाम पर अवैध वसूली के मामले में शासन ने उद्योग विभाग के तीन अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

निलंबित किए गए अधिकारियों में सहायक आयुक्त उद्योग एवं प्रभारी उपायुक्त उद्योग रवि वर्मा, सहायक प्रबंधक संतोष राव और जिला प्रबंधक मिलन कुमार शामिल हैं। यह कार्रवाई मुख्य विकास अधिकारी और अपर जिलाधिकारी हमीरपुर की दो सदस्यीय जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर की गई है। समिति की जांच में पाया गया था कि विभिन्न सरकारी योजनाओं में ऑनलाइन आवेदन कराने, फाइलों का निस्तारण करने और सब्सिडी दिलाने के नाम पर संबंधित अधिकारियों की मिलीभगत से अवैध वसूली की जा रही थी।

आयकर अधिकारी बन मांगी 24 लाख रिश्वत

कार्यालय संवाददाता, संभल

अमृत विचार : संभल में एलएलबी के छात्र ने फर्जी इनकम टैक्स अधिकारी बनकर ग्रामीण से 24 लाख रुपये की वसूली का प्रयास किया। युवक ने खुद को आयकर विभाग का अधिकारी बताकर ग्रामीण को दो करोड़ रुपये का काला धन होने का फर्जी नोटिस थमाया और फिर कार्रवाई से बचाने के नाम पर 24 लाख रुपये की घूस मांगी। शक होने पर ग्रामीण ने पुलिस को जानकारी दी। इसके बाद पुलिस ने आरोपी छात्र को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि थाना नखासा क्षेत्र के गांव अख्तियारपुर तगा से नखासा पुलिस ने सोमवार को मोहित उर्फ प्रिंस को गिरफ्तार किया। मोहित ठिलूपुरा गांव का रहने वाला है। एलएलबी की पढ़ाई कर रहे मोहित ने रातों रात धनवान बनने के लिए ठगी का अनोखा तरीका अपनाया। वह गांव

पुलिस गिरफ्त में आरोपी व जानकारी देते एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई।

अख्तियारपुर तगा निवासी शीशपाल के पास आयकर अधिकारी बनकर पहुंचा और इनकम टैक्स का फर्जी नोटिस देते हुए बताया कि उनके पास करीब दो करोड़ रुपये का काला धन है। उसने इनकम टैक्स की कार्रवाई से बचाने का झांसा देकर ग्रामीण शीशपाल से 12 प्रतिशत के हिसाब से 24 लाख रुपये की मांग की।

वह शीशपाल पर पिछले 15 दिनों से 24 लाख रुपये देने का दबाव बना रहा था। वह कभी फोन के जरिए धमकी देता था तो कभी घर पर पहुंचकर ग्रामीण को नोटिस दिखाकर डराता था। उसने शीशपाल को इस विषय पर बात करने के लिए एक बार बहजोई भी बुलाया था। शीशपाल ने इनकम टैक्स कार्यालय चलकर बात करने को कहा तो समय पूरा होने और कार्रवाई टलने का बहाना बनाकर टाल गया। फर्जी आयकर अधिकारी मोहित ने काले धन से मकान और संपत्ति बना लेने की बात कहकर शीशपाल पर दबाव बनाया।

- दो करोड़ का काला धन बता थमाया आयकर का फर्जी नोटिस
- पुलिस ने किया गिरफ्तार, छात्र के कारनामों की होगी जांच

रविवार को फिर नोटिस लेकर मोहित शीशपाल के घर हस्ताक्षर कराने पहुंचा तो परिजनों को शक हो गया। पूछताछ करने पर उसकी बातों में विरोधाभास सामने आया। इसके बाद शीशपाल ने नखासा थाने पर सूचना दी। पुलिस ने शीशपाल की तहरीर पर मामला दर्ज कर फर्जी आयकर अधिकारी एलएलबी छात्र मोहित को गिरफ्तार कर लिया। मोहित के पास से पुलिस ने आयकर अधिकारी का फर्जी परिचय पत्र, आयकर विभाग का फर्जी लेटर व नोटिस बरामद किया है। मोहित उर्फ प्रिंस की गिरफ्तारी के बाद अब पुलिस पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है। यह पता लगाया जा रहा है कि मोहित अकेला ठगी का धंधा चला रहा था या उसके साथ अन्य लोग भी जुड़े हैं।

काशीपुर में सड़क दुर्घटनाओं में तीन लोगों की गई जान

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: काशीपुर में सोमवार को तीन अलग-अलग घटनाओं में डंपरों ने तीन लोगों को कुचल दिया। इससे गुस्साए ग्रामीणों ने एक डंपर में आग लगा दी। वहीं, दूसरी घटना में ग्रामीणों ने घंटों तक रास्ता जाम कर दिया। घटनास्थल पर फोर्स को तैनात किया गया है।

कुंडेश्वरी पुलिस चौकी क्षेत्र के ढकिया नंबर एक शिव नगर निवासी जयपाल सिंह (60) सोमवार सुबह अपने घर से बाइक पर सवार होकर गांव के पास निवासी अपने बेटे सोनू के घर जा रहे थे। कुछ ही दूरी पर पीछे से आ रहे खनन सामग्री लदे डंपर ने उन्हें चपेट में ले लिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना से आक्रोशित लोगों ने

- घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने कहीं डंपर में लगाई आग, तो कहीं लगाया जाम

डंपर में आग लगा दी, वहीं हादसे से इलाके में तनाव की स्थिति बन गई।

दूसरी घटना में ब्रह्मनगर कुंडेश्वरी निवासी 29 वर्षीय अनिल कुमार अपने साथी के साथ बाइक से घर लौट रहे थे। तभी सामने से आ रहे डंपर को देखकर अनिल ने बाइक सड़क किनारे रोक दी, लेकिन डंपर चालक ने नियंत्रण खो दिया। डंपर अनिल के ऊपर चढ़ गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। तीसरी घटना में मूल रूप से शाहजहांपुर के रहने वाले कृष्णकांत (40) एक डंपर की चपेट में आ गए। कृष्णकांत पिछले 15 वर्षों से कुंडेश्वरी में रह रहे थे।

बाबा विश्वनाथ धारण करेंगे कान्हा की भूमि से भेजे वस्त्र

मथुरा, एजेंसी

महाशिवरात्रि के अवसर पर बाबा विश्वनाथ एवं माता पार्वती कान्हा की भूमि से भेजे गए वस्त्र एवं श्रृंगार सामग्री प्रतीकात्मक रूप से धारण करेंगे तथा फलों एवं मिठाई का भोग लगाएंगे। यह जानकारी श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के सचिव कपिल शर्मा एवं सदस्य गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी ने सोमवार को यहां दी। उन्होंने बताया कि रविवार को मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मस्थान से भगवान शिव एवं मां गौरी के वस्त्र, मां का श्रृंगार, आभूषण, इत्र इत्यादि तथा लड्डू, मेवे एवं फल भोग लगाने के लिए भेजे गए।

उन्होंने बताया कि यह सब सामग्री रविवार को ढोल, मृदंग, मंजीरे, बैंड-बाजा आदि की मंगल ध्वनि के बीच शोभायात्रा के रूप

महाशिवरात्रि उत्सव से पहले काशी विश्वनाथ मंदिर में बाबा विश्वनाथ और माता पार्वती के लिए मथुरा से वस्त्र, आभूषण, फल और मिठाई सहित भेंट लेकर पहुंचे लोग।

में अन्नपूर्णेश्वर महादेव से प्रारंभ होकर भगवान श्रीकेशवदेवजी, मां योगमायाजी, श्रीगर्भ-गृहजी होते हुए श्रीकृष्ण जन्मभूमि के मुख्य द्वार से बाबा विश्वनाथ के धाम वाराणसी के लिए रवाना की गई थी, जो वहां पर सकुशल पहुंच चुकी है। शर्मा एवं चतुर्वेदी ने बताया कि यह दिव्य प्रसाद सामग्री भेजने का नवाचार काशी विश्वनाथ धाम के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्वभूषण के परामर्श से धार्मिक समन्वय की पहल के रूप में किया जा रहा है तथा इसे महाशिवरात्रि के पर्व पर बाबा विश्वनाथ और माता पार्वती को भेंट किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि महाशिवरात्रि पर श्रीकृष्ण जन्मभूमि और काशी विश्वनाथ धाम के बीच यह धार्मिक समन्वय भगवान श्रीकृष्ण और भगवान शिव के करोड़ों भक्तों को आध्यात्मिक आनंद प्रदान करेगा। शर्मा एवं चतुर्वेदी ने कहा कि शास्त्रों और पुराणों में महाशिवरात्रि का विशेष महत्व है, यह पर्व भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह का प्रतीक है तथा ऐसी मान्यता है कि इसी रात्रि में शिवलिंग का प्रादुर्भाव भी हुआ। संस्थान की प्रबंध समिति के सदस्य गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी ने बताया कि भगवान शिव जिस (मथुरा) पुरी में बाबा भूतेश्वरनाथ के नाम से कोतवाल के रूप में विराजमान हैं, ऐसे ब्रज की पवित्र भूमि श्रीकृष्ण जन्मस्थान से शिवरात्रि महोत्सव के लिए प्रेषित प्रसाद श्रद्धालुओं को आनंदित एवं प्रफुल्लित करेगा।

अंतिम बार साथ देखे जाने का साक्ष्य अपर्याप्त : हाईकोर्ट

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 1992 के एक अपहरण एवं हत्या मामले में दो आरोपियों को बरी करते हुए कहा कि अभियोजन परिस्थितिजन्य साक्ष्यों की पूर्ण एवं निर्विवाद श्रृंखला स्थापित करने में विफल रहा।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अंतिम बार साथ देखे जाने का सिद्धांत तभी निर्णायक हो सकता है, जब मृतक और आरोपी को साथ देखे जाने तथा मृत्यु के बीच समय का अंतर बहुत कम हो, जबकि वर्तमान मामला इस कसौटी पर खरा नहीं उतरता। उक्त आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ और न्यायमूर्ति जय कृष्ण उपाध्याय की खंडपीठ ने अनूप सिंह और राम कुमार की आपराधिक अपील स्वीकार करते

हुए पारित किया और 24 सितंबर 2005 के ट्रायल कोर्ट, सहारनपुर के निर्णय को निरस्त कर दिया। मामले के अनुसार चंद्रपाल उर्फ चंद्र प्रकाश का 7 फरवरी 1992 की सुबह सहारनपुर से कथित रूप से अपहरण कर लिया गया। आरोप है कि हत्या की मंशा से उसका अपहरण किया गया। बाद में फरीदाबाद के बल्लभगढ़ रेलवे स्टेशन के निकट उसकी हत्या कर दी गई। ट्रायल कोर्ट ने आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत अभियुक्तों को दोषी ठहराते हुए 10 वर्ष का कठोर कारावास और आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

कैंचीधाम बाईपास 15 जून तक होगा पूरा: महाराज

भीमताल, अमृत विचार: कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने विकास भवन पहुंचकर लोक निर्माण विभाग की कुल 945.99 लाख रुपये की चार योजनाओं का शिलान्यास और 312.13 लाख रुपये की एक योजना का लोकार्पण किया। इस प्रकार कुल 1258.12 लाख रुपये की पांच योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया।

मंत्री ने कहा कि प्रदेश में पंचायतों को सशक्त करने के लिए 73वें संविधान संशोधन के तहत 11वीं अनुसूची में वर्णित 29 विषयों का हस्तांतरण किया जा रहा है।

प्रदेश के सभी जनपदों में नए पंचायत भवन बनाए जा रहे हैं और पुराने भवनों का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अब तक 14,027 नए गांवों को सड़क मार्ग से जोड़कर उन्हें राष्ट्र की मुख्य धारा से जोड़ा गया है।

अक्टूबर तक हरिद्वार कुंभ की तैयारी पूरी करने के निर्देश

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि कुंभ मेला से संबंधित सभी तैयारियां अक्टूबर माह तक पूरी कर लें। कुंभ की आवश्यकताओं को देखते हुए संपूर्ण निर्माण कार्य तय समय में पूरे हों। मेले से संबंधित सभी विकास कार्य कागजों के साथ धरातल पर भी दिखाई देने चाहिए।

सोमवार को सचिवालय में हरिद्वार कुंभ मेला-2027 की तैयारियों की समीक्षा बैठक में उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। शासन स्तर पर कुंभ से संबंधित कोई भी कार्य/फाइल लंबित न रहे। कोई भी काम लंबित रखा तो

अखाड़ों-मठों से करें परस्पर समन्वय

सीएम धामी ने कहा कि कुंभ मेला क्षेत्र में विभिन्न अखाड़ों को भूमि आवंटन तय समय पर करें। इसकी मेलाधिकारी स्वयं मॉनिटरिंग करें। सभी अखाड़ों, मठों, संत समाज, संस्थाओं, समितियां एवं स्थानीय लोगों से परस्पर समन्वय किया जाए। उनके सुझावों के अनुरूप मेले की तैयारी हो।

संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय होगी। कुंभ मेले का भव्य-दिव्य व सफल आयोजन सरकार की प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री ने लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के सचिव को अगले 24 घंटे के अंदर कुंभ मेले के लिए टेक्निकल पद के अधिकारियों की नियुक्ति के निर्देश दिए। कहा कि, कुंभ क्षेत्र में बने सभी पुलों का ऑडिट किया जाए।

आस्था | पंडाल बना आकर्षण का केंद्र, बड़ी संख्या में पहुंच रहे लोग

रामनगरी में अश्वमेघ महायज्ञ, थाईलैंड के भक्त यजमान

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : सरयू तट पर चल रहे अश्वमेघ महायज्ञ के दूसरे दिन शाम को स्वामी अखिलेश्वरानंद के शंखनाद से महायज्ञ प्रारंभ हुआ, जिसमें हजारों की संख्या में आए भक्तों ने भी यज्ञ शाला में आहुति डाली। मुख्य रूप से थाईलैंड से आए भक्त अनुष्ठान में यजमान रहे। इस आयोजन स्थल पर बने भव्य पंडाल लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या लोग पहुंच रहे हैं।

इसके पूर्व सुबह विधि विधान से मां सरयू के जल का पूजन किया गया। रामायण के प्रसंगों के अंश पर प्रवचन देते हुए स्वामी अखिलेश्वरानंद पवन तनय संकट हरण हनुमान जी की महिमा पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने

अश्वमेध महायज्ञ में शामिल थाईलैंड से आए भक्त। • अमृत विचार

कहा कि आज के युग में हनुमान जी का चरित्र मानव को विनम्रता, निस्वार्थ सेवा और कर्तव्यबोध का मार्ग दिखाता है। जब तक व्यक्ति के भीतर अभिमान रहता है, तब तक वह ईश्वर कृपा का पात्र नहीं बन सकता। हनुमान जी का जीवन इस सत्य का जीवंत उदाहरण है।

- स्वामी अखिलेश्वरानंद के शंखनाद से महायज्ञ हुआ प्रारंभ

दूसरे प्रसंग में भक्तों को होलिका के जीवन प्रसंग के माध्यम से गूढ़ आध्यात्मिक संदेश प्रदान किया। प्रवचन के दौरान यज्ञ स्थल पूर्णतः शांत, गंभीर और भावविभोर

सरयू तट पर महा अनुष्ठान के लिए भाव सजा पंडाल। • अमृत विचार

वातावरण में परिवर्तित हो गया। जहां संदेश भी दिया गया कि आज के समाज में व्यक्ति जब ज्ञान, धन या पद प्राप्त कर लेता है और उसका प्रयोग अन्याय के समर्थन में करता है तो उसका पतन निश्चित हो जाता है। होलिका का जीवन इस बात की चेतावनी है कि ईश्वर की कृपा और वरदान भी धर्म के अधीन होते हैं। अहंकार के नहीं। इस दौरान आचार्य सुदर्शन महाराज, राष्ट्रीय महासचिव धर्मानंद पांडे, आचार्य अत्री, आचार्य अटल, आचार्य दिव्या नंद, जितेंद्र, राजकुमार, सुरेंद्र, अर्जुन आदि उपस्थित रहे।

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर

डा. मोहित गुप्ता

M.Ch., Neurosurgery (AIIMS)
Senior Consultant Neurosurgeon
मस्तिष्क, रीढ़ एवं नस रोग विशेषज्ञ
Reg. No. UPMCI 65389
समय – प्रातः 10 से 12:30 बजे तक
एवं सायं 6 से 8:30 बजे तक

अब डॉ. मोहित गुप्ता रविवार को भी मिलेंगे प्रातः 10 से दोपहर 1 बजे तक

सुविधायें
ब्रेन हैमरेज | स्लिप डिस्क
ब्रेन ट्यूमर | मिर्गी का दौरा
गर्दन दर्द (सर्वाइकल)
रीढ़ की चोट, टी.बी
सिर दर्द, माइग्रेन
कमर दर्द, कंधों में दर्द
पीठ दर्द, रीढ़ की गांठ
सिर की चोट (हेड इंजरी)
हाथ पैरों में झनझनाहट
फालिज (लकवा)
नसों का दर्द
सियाटिका (कमर में पैरों का दर्द)
दिमागी में पानी व खून जमना
दिमाग, रीढ़ एवं नस सम्बन्धित सभी बीमारियों का इलाज एवं ऑपरेशन

Bareilly Neuro and Spine Super Speciality Centre
Google Maps Location

सी-427, डिवाइन अस्पताल के सामने, के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली
7417389433, 7017678157
9897287601, 8191879754

तेज रफ्तार कंटेनर की टक्कर से टोल कर्मी कुचला, लगा जाम

दिल्ली-बरेली रूट पर काफी देर लगा रहा जाम, चालक को हिरासत में लिया

संवाददाता, फतेहगंज पश्चिमी,

- टोल कर्मी की मौत से पत्नी और तीन बच्चे हुए बेसहारा
- पुलिस ने हंगामा कर रहे ग्रामीणों को समझाकर मार्ग खुलवाया

हादसे के बाद दिल्ली –बरेली मार्ग पर लगा वाहनों का लंबा जाम। ● अमृत विचार

मृतक परमानन्द।

अमृत विचार : बरेली-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोमवार की शाम हादसा हो गया। सतुइया पट्टी पेट्रोल पंप के पास टोल प्लाजा क्षेत्र में तेज रफ्तार अनियंत्रित कंटेनर ने पीछे से पानी के टैंकर में टक्कर मार दी। हादसे में टोल प्लाजा पर कार्यरत ट्रैक्टर चालक की कंटेनर से कुचलकर मौके पर ही मौत हो गई। घटना से आक्रोशित परिजनों व स्थानीय लोगों ने सड़क जाम कर हंगामा किया, जिससे कुछ समय तक यातायात बाधित रहा। पुलिस ने ट्रक कब्जे में लेकर कंटेनर चालक को हिरासत मे ले लिया है।

जानकारी के अनुसार खिरका जगतपुर निवासी परमानंद टोल प्लाजा पर ट्रैक्टर चालक के रूप में कार्यरत थे। सोमवार की शाम वह ट्रैक्टर से पानी के टैंकर को लेकर हाईवे के बीच डिवाइडर पर लगे पौधों में पानी डलवा रहे थे। इसी दौरान हरिद्वार से जमशेदपुर जा रहा टायर लदा कंटेनर अनियंत्रित होकर पीछे से टैंकर में जा घुसा। टक्कर इतनी भीषण थी कि परमानंद सड़क पर गिर पड़े और कंटेनर ने उन्हें कुचल दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कंटेनर चालक प्रदीप निवासी याकूबपुर, थाना जलालाबाद, शाहजहांपुर को हिरासत में लेकर थाने भेज दिया। यह ट्रक हरिद्वार से झारखंड जा रहा था। इसे भी पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। घटना के बाद मृतक के परिजन व स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए और सड़क जाम कर करीब आधे घंटे तक हंगामा किया। पुलिस ने समझा-बुझाकर स्थिति को नियंत्रित किया और जाम खुलवाकर यातायात सुचारू कराया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे के बाद ट्रैक्टर और पानी के टैंकर को सड़क से हटवाकर मार्ग को पूरी तरह खोल दिया गया। मृतक परमानंद अपने पीछे पत्नी जमुना देवी और तीन बच्चे पायल (14), मनु (12) व आनंद (5) को छोड़ गए हैं। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है।थाना प्रभारी प्रयागराज सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। कंटेनर और चालक को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बुजुर्ग की मौत, भुता: फरीदपुर मार्ग पर अज्ञात वाहन ने बुजुर्ग किसान को टक्कर मार दी । सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को अस्पताल भिजवाया। रास्ते में किसान की मौत हो गई।

रविवार शाम बुजुर्ग किसान मेहंदी हसन (60) निवासी ग्राम कल्याणपुर इनायतपुर गांव के बाहर रोड किनारे अलाव के पास हाथ सेंक रहे थे। कुछ समय बाद घर वापस जाते समय सड़क क्रांस करते समय तेज गति से आ रहे अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। अस्पताल ले जाते समय रास्ते में उनकी मौत हो गई।

भूख हड़ताल से हिला कस्तूरबा विद्यालय

संवाददाता बहेड़ी/ बरेली

- सीडीओ ने बीएसए के साथ किया निरीक्षण, प्रधानाचार्य को नोटिस सीसीटीवी फुटेज भी मांगे

अमृत विचार: भुड़िया कॉलोनी स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में रविवार को छात्राओं के भूख हड़ताल पर बैठने का मामला सुर्खियों में आने से हड़कंप मच गया है। छात्राओं के इस कदम ने न सिर्फ विद्यालय प्रबंधन की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए हैं, बल्कि बालिकाओं को मिलने वाली मूलभूत सुविधाओं की हकीकत भी उजागर कर दी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए सोमवार को जिलाधिकारी अविनाश सिंह के निर्देश पर सीडीओ देवयानी ने बीएसए डॉ. विनीता कुमारी और डीसी (बालिका) के साथ विद्यालय का निरीक्षण किया।

सीडीओ ने करीब एक घंटे तक विद्यालय में मौजूद रहकर पूरे घटनाक्रम की बारीकी से जांच की। इस दौरान विद्यालय से जुड़े तमाम अभिलेखों का निरीक्षण किया और शिक्षिकाओं व स्टाफ से छात्राओं को मिलने वाली भोजन, आवास, सुरक्षा और अन्य सुविधाओं के बारे में विस्तृत जानकारी ली गई। खास तौर पर इस बात की पड़ताल की गई कि जब छात्राएं धरने पर बैठीं, उस समय विद्यालय का गेट किस परिस्थिति में और किसके निर्देश पर खोला गया।

जांच के दौरान प्रभारी वार्डन से सीडीओ ने तीखे सवाल-जवाब किए। वार्डन ने सफाई दी कि उन्होंने गेट न खोलने के निर्देश दिए थे, लेकिन स्टाफ के ही किसी सदस्य ने गेट खुलवा दिया, जिसके बाद छात्राएं धरने पर बैठ गईं।

सीडीओ देवयानी ने निरीक्षण के बाद साफ शब्दों में कहा कि विद्यालय स्टाफ की जिम्मेदारी है कि छात्राओं का हर हाल में पूरा ख्याल रखा जाए और उन्हें सभी सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराई जाएं। प्रधानाचार्य को तत्काल नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण तलब किया गया है। घटना की सच्चाई सामने लाने के लिए विद्यालय परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज निकलवाई जा रही है। साथ ही डीसी (बालिका) को निर्देश दिए गए हैं कि वे नियमित रूप से विद्यालय का निरीक्षण करें। सीडीओ ने वार्डन और स्टाफ को निर्देश देते हुए कहा कि बिना किसी ठोस और आपात कारण के विद्यालय का गेट किसी भी हालत में नहीं खोला जाएगा। चर्चा है कि विद्यालय में वार्डन का पद हासिल करने को लेकर स्टॉफ में गुटबाज़ी है। रविवार को छात्राओं के प्रदर्शन के पीछे भी स्टॉफ की गुटबाज़ी ही अहम मानी जा रही है।

पालिका अध्यक्ष नहीं करा रहे विकास कार्य, ज्ञापन

सफाई निरीक्षक को ज्ञापन देते सभासद। ● अमृत विचार

फरीदपुर अमृत विचार : नगर पालिका अध्यक्ष की मनमानी से जनहित के कार्य प्रभावित हो रहे हैं। सफाई कर्मचारियों और काम कराने के बाद ठेकेदारों को भी भुगतान नहीं किया जा रहा है। इससे नया काम करने को ठेकेदार राजी नहीं हो रहे हैं जिससे विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। नगर पालिका अध्यक्ष की इस हठधर्मिता के विरोध में नगर पालिका के सभासदों ने सफाई निरीक्षक को पांच सूत्रीय ज्ञापन दिया। सभासदों ने बताया सफाई व्यवस्था सुचारू रखने के लिए आउटसोर्सिंग से 35 श्रमिकों की अक्टूबर में बढ़ोतरी की गई लेकिन उनका भुगतान अभी तक नहीं किया गया। निविदाओं के कार्यादेश पर ठेकेदार द्वारा कार्य पूर्ण कर देने के बाद उनका भी भुगतान नहीं किया गया। फरवरी 2025 में डीएम द्वारा जो योजना मंजूर की गई उसका कार्य भी नहीं कराया गया। भुगतान नहीं होने और स्वीकृत कार्य नहीं कराए जाने से विकास कार्य बाधित और प्रभावित हो रहे हैं। सभासदों ने आरोप लगाया पालिका अध्यक्ष तीन माह से कार्यालय में नहीं बैठ रहे हैं जिससे जनसमस्याओं के निस्तारण में समस्या आ रही है

किसानों ने बीडीओ को सौपा ज्ञापन

क्योलड़िया, अमृत विचारः भदपुरा ब्लॉक परिसर में सोमवार को भारतीय किसान यूनियन की मासिक पंचायत में किसानों ने खंड विकास अधिकारी को अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर फतेहचंद गंगवार, हीरालाल वर्मा, चंद्र प्रकाश, नरायनलाल आदि रहे।

कॉलेज में लगाया शिविर

मीरगंज, अमृत विचार : सोमवार को अनुबिस डिग्री कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना सत्र 2025-26 एक दिवसीय शिविर लगा। प्राचार्य डॉ. नागेश्वर शुक्ल ने छात्रों से कहा कि वह समाज में फैली कुरीतियों के प्रति अपने परिवार व समाज़ को जागरूक करें।

आज खुद नहीं हटाया अतिक्रमण तो होगी कार्रवाई

शेरगढ़, अमृत विचार : नगर पंचायत प्रशासन टीम ने सोमवार को टंकी चौराहे से मुख्य बाजार तक सड़क के दोनों ओर नालियों पर हुए अतिक्रमण को जेसीबी से हटाया।

अधिशासी अधिकारी दुर्गेश कुमार सिंह के निर्देशन में चला अभियान मुख्य बाजार तक ही चला लेकिन नालों के ऊपर चलाई जा रही दुकानों को नहीं छुआ गया। टंकी चौराहा से पेट्रोल पंप तक अतिक्रमण का बसेरा है। सोमवार को एक बार फिर नगर पंचायत प्रशासन बुलडोजर को लेकर अतिक्रमण हटाने को बाजार में उतरा। जो टंकी चौराहा से नाला के उपर पक्के सल्प हटाने के साथ ही सड़क के दोनों और सजीं मिठाई की दुकानें, फल के ठेले, फलों की दुकानों, तथा अन्य कारोबारियों को हटाकर मुख्य बाजार में थम गया ईओ ने बताया कि दुकानदारों को मंगलवार शाम तक सड़क से अतिक्रमण हटाने को कहा गया है। जो खुद अतिक्रमण नहीं हटाएंगे उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

न्यूज डायरी

भागवत कथा से पहले निकाली कलश यात्रा

अलीगंज, अमृत विचार : गांव मझगवां के जय मां दुर्गा मंदिर परिसर में हवन पूजन के बाद एक सप्ताह चलने वाली श्रीमद् भागवत कथा शुभारंभ हुआ। इसके पहले जयकारों के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली गई कलश यात्रा ब्लॉक कॉलोनी में घूमती हुई देर शाम मंदिर प्रांगण में ही संपन्न हुई। इसमें गांव की महिलाओं तथा सैकड़ो श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इसके बाद हुई श्रीमद् भागवत कथा का श्रद्धालुओं ने श्रवण किया। इस दौरान बिशारतगंज थाना प्रभारी सतीश कुमार एवं ग्राम प्रधान बबली शर्मा मौजूद रहे।

शिया समुदाय ने फूंका पाकिस्तान और आंतकवाद का पुतला

सेंथल, अमृत विचार : इस्लामाबाद में शिया मस्जिद में हुए धमाके में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए शिया समुदाय ने कैंडल मार्च निकालकर आंतकवाद के खिलाफ प्रदर्शन किया। लोगों ने पाकिस्तान और आंतकवाद का पुतला फूंका और उसके खिलाफ नारेबाजी की। शारिफ, अहसन, अकबर जहीर, जौहर अब्बास, अयाज जैदी, हसन जहीर, शारिक हसनैन आदि मौजूद रहे।

राजकीय हाईस्कूल अलीनगर में बोर्ड परीक्षा के प्रवेश पत्र बांटे

भोजीपुरा, अमृत विचार : राजकीय हाई स्कूल अलीनगर में कक्षा 10 के समस्त छात्र-छात्राओं को परीक्षा हेतु प्रवेश पत्र वितरण किए गए। प्रवेश पत्र वितरण के समय प्रधानचार्य मनोज दिवाकर ने सभी विषयों के प्रश्नपत्रों को संयम एवम सावधानी से उत्तर लिखने को कहा। उन्होंने बताया कि सभी प्रश्नों को अंको के आधार पर महत्व देते हुए समय निर्धारित करें जिससे कोई भी प्रश्न लिखने से न छूट पाए। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक जितेन्द्र कुमार सिंह, अनामिका वर्मा, आकांक्षा श्रीवास्तव अमन अंसारी, राजेश्वरी उपस्थित रहे।

असपा के विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष ने पार्टी की नीतियों को समझाया

आंवला, अमृत विचार : आजाद समाज पार्टी ने आंवला विधान सभा क्षेत्र अध्यक्ष इश्तियाक खान ने पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं के साथ ग्रामीणों को पार्टी की नीतियों को बताया। उनके साथ युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष मोहम्मद आमिल हुसैन सम्भावित जिपंस प्रत्याशी फरदीन अंसारी, खलील अंसारी ., सज्जाद हुसैन, फायक खान, नफीस खान रहे। सभी ने फुन्दन नगर, गाँव .कमठेना व ग्राम गुलेली ग्राम दराबनगर आदि का दौरा किया। इश्तियाक खान ने बताया कि सभी ग्नामीणों ने चन्द्रशेखर आजाद के हाथों को मजबूत करने का सकंल्प लिया है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों को पार्टी को मजबूत करने के निर्देश दिये और कहा कि पंचायत चुनाव में पार्टी जिसे टिकट देगी उसे मजबूती से लड़ाया जाएगा।

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005

बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
- 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
- बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
- आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
- कैशलेस ईलाज

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें :-
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा।
TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
100000 से अधिक आंखों के आपरेशन का अनुभव
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आंख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी स्कैन द्वारा पर्दे की जांच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जांच व उपचार
8077344353
समय : प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री आपरेशन की सुविधा

डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGERON
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

स्वास्थ्य जागरूकता अभियान
नि : शुल्क परामर्श
कैम्प में समस्त ब्लड जाँचें, ई.सी.जी., एक्स-रे 50% के छूट पर किये जायेंगे।
रजिस्ट्रेशन शुल्क 20/-
प्रेमलोक हॉस्पिटल
नरियावल अड्डा, शाहजहाँपुर रोड, बरेली।
महीने के प्रत्येक रविवार को
समय : सुबह 10 से 5 बजे तक
डॉ. दीपक माहेश्वरी
MBBS., MD, Consultant Physucuan & Critical Care Specialist
ब्लड प्रेशर, हृदय रोग श्वांस रोग, गम्भीर रोग विशेषज्ञ
9084307201, 9412244430
डॉ. नितिन अग्रवाल हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना

मैंने अपने पुत्र रोहित के गलत संगत में पड़ जाने की वजह से उससे सम्बन्ध विच्छेद करते हुए अपनी समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है वह अपने कृत्यों के लिए खुद जिम्मेदार होगा। **हरनरायन पुत्र श्री बाबूराम निवासी बहोर नगला तहसील नवाबगंज, जिला बरेली।**

सूचना

मैंने अपने पुत्र अभिषेक को उसके गलत आचरण, दुर्व्यवहार के कारण समस्त चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर सम्बन्ध विच्छेद कर लिया है, भविष्य में अपने लेन-देन अन्य कृत्यों के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरा व मेरे परिवार का कोई वास्ता नहीं होगा। **रजनी उर्फ ममता पत्नी मनोज कुमार निवासी-151, कुंण्डरा, थाना भोजीपुरा, बरेली।**

सूचना

मैं अपनी पुत्रवधू शिवानी को गलत व्यवहार के कारण अपनी चल-अचल संपत्ति से बेदखल करता हूँ भविष्य में वह अपने कृत्यों की स्वयं जिम्मेदार होगी **रामप्रसाद पुत्र स्व. रामचंद्र निवासी ग्राम नंदगांव तहसील मीरगंज जिला बरेली।**

NOTICE

I , KANTI DEVI IS MOTHER OF ARMY NO : 15817927L, RANK : HAV , TRADE : AMN TECH, NAME : ANURAG GIRI, PERMANENT ADDRESS IS VILLAGE : KHIRIYA SAKTU, POST & PS : MIRANPUR KATRA, TEHSIL-TILHAR, DISTRICT : SHAHJAHANPUR, STATE : UTTAR PRADESH, PIN NO : 242301. I HAVE CHANGED MY DATE OF BIRTH FROM 01 JULY 1960 TO 01 JANUARY 1967. DETAILS IS ALSO MENTIONED AT AADHAR CARD AND PAN CARD. RESPECTIVELY VIDE AFFIDAVIT NO IN-UP69675297220550Y AND DATE 24.01.2026

NOTICE

I, MATRU GIRI IS FATHER OF ARMY NO : 15817927L, RANK : HAV , TRADE : AMN TECH, NAME : ANURAG GIRI, PERMANENT ADDRESS IS VILLAGE : KHIRIYA SAKTU, POST & PS : MIRANPUR KATRA, TEHSIL-TILHAR, DISTRICT : SHAHJAHANPUR, STATE : UTTAR PRADESH, PIN NO : 242301. I HAVE CHANGED MY NAME AND DATE OF BIRTH FROM MATROO GIRI AND 15 MARCH 1983 TO MATRU GIRI AND 15 MARCH 1963. DETAILS IS ALSO MENTIONED AT AADHAR CARD AND PAN CARD. RESPECTIVELY VIDE AFFIDAVIT NO IN-UP69679678870980Y AND DATE 24.01.2026

सूचना

सूचित करना है कि मेरी इण्टरमीडिएट की मार्कशीट जिसका अनुक्रमांक **215680039** है जो कि मैंने एस.डी. एस. विद्या मन्दिर इण्टर कॉलेज मीरगंज बरेली से वर्ष 2021 में उत्तीर्ण की थी जो वास्तव में कहीं खो गई है। **निकेता सिंह पुत्री श्री योगेन्द्र सिंह निवासी हल्दी खुर्द मीरगंज जिला बरेली ।**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

उत्तराखण्ड शासन

देवभूमि रजत उत्सव

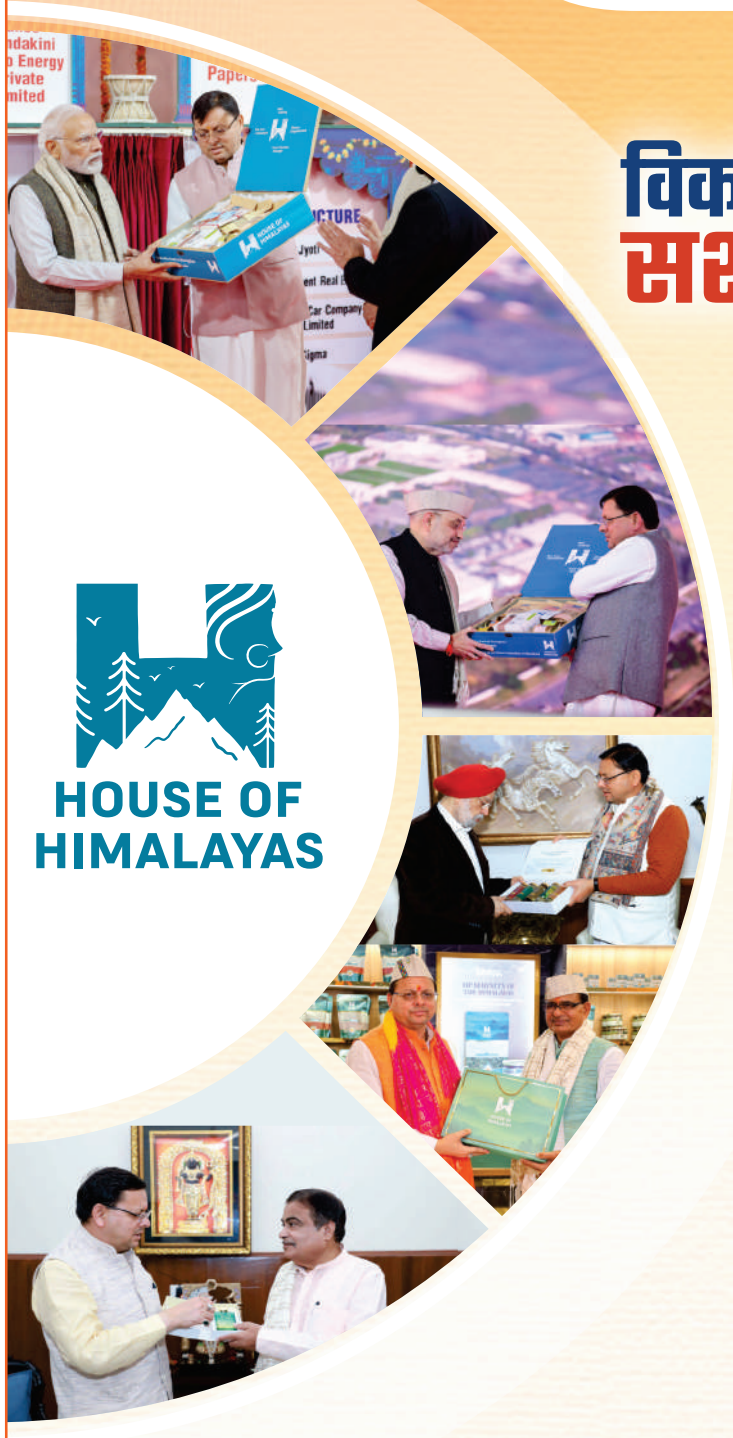

विकसित भारत सशक्त उत्तराखण्ड

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में हम अपने राज्य की प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और अपार संभावनाओं का लाभ उठाते हुए समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम उत्तराखण्ड को प्रगति का एक ऐसा मॉडल बनाना चाहते हैं, जहां व्यक्ति राज्य की समृद्धि व कल्याण में अपना अपार योगदान दे सकता है।

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

हमें स्वदेशी को अपना स्वाभिमान बनाना है। इसे अपनाना केवल सामान खरीदने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि इसे गर्व के साथ बढ़ावा देना हर नागरिक का कर्तव्य है। इससे स्थानीय उद्योग सशक्त होंगे, रोजगार बढ़ेंगे और देश की आर्थिक तरक्की में मदद मिलेगी। त्योहारों के अवसर पर देश के प्रत्येक नागरिक स्वदेशी सामान खरीदें। यह छोटा कदम देश की बड़ी प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है और इसे अपनाना हर नागरिक की जिम्मेदारी है।

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

HOUSE OF HIMALAYAS

उत्तराखण्ड के जैविक उत्पाद अब दुनिया की पहली पसंद

हाउस ऑफ हिमालयाज से मिला स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाजार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन से प्रेरित होकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड सरकार पहाड़ी क्षेत्रों के उन्नत उत्पादों को बढ़ावा दे रही है। साथ ही, उनके विपणन के लिए कई पहल भी शुरु की गई है। 'हाउस ऑफ हिमालयाज' की शुरुआत इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके अंतर्गत उत्तराखण्ड के उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों को देश और दुनिया के बाजारों के अनुरुप तैयार किया गया है। ये उत्तराखण्ड के पहाड़ी क्षेत्र के उत्पादों का एक प्रमुख ब्रांड बनकर उभरे हैं।

उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अन्य करोड़ों की परियोजनाओं के साथ 'हाउस ऑफ हिमालयाज' नामक 'अंब्रेला ब्रांड' का शुभारंभ किया था। जिसके तहत, अब समूहों द्वारा तैयार किए जाने वाले उत्पाद 'हाउस ऑफ हिमालयाज' के नाम से बाजार में उपलब्ध हैं। इन उत्पादों की क्वालिटी एवं पैकिंग आदि पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है। हाउस ऑफ हिमालयाज ब्रांड उत्तराखण्ड के स्थानीय उत्पादों को विदेशी बाजारों तक ले जाने का एक अभिनव प्रयास है। देवभूमि उत्तराखण्ड के उत्पाद स्वाद और सेहत जैसे कई प्राकृतिक गुणों से भरपूर हैं। कुछ समय पहले तक हिमालय की गोद से निकलने वाले ये उत्पाद हिमाद्री, हिलांस और ग्राम्य-श्री जैसे नामों से बाजार में जाने जाते थे। लेकिन, अब ये दमदार उत्पाद 'हाउस ऑफ हिमालयाज' के नाम से जाने-पहचाने जाते हैं। यानी उत्तराखण्ड के महिला समूहों द्वारा तैयार अलग-अलग उत्पाद अब 'हाउस ऑफ हिमालयाज' के नाम से दुनियाभर में अपना कमाल दिखा रहे हैं। हाउस ऑफ हिमालयाज, उत्तराखण्ड के उत्पादों को वोकल फॉर लोकल से लोकल टू ग्लोबल बनने में मदद करेगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन से प्रेरित होकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड सरकार पहाड़ी क्षेत्रों के उन्नत उत्पादों को बढ़ावा दे रही है। साथ ही, उनके विपणन के लिए कई पहल भी शुरू की गई है। 'हाउस ऑफ हिमालयाज' की शुरुआत इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके अंतर्गत उत्तराखण्ड के उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों को देश और दुनिया के बाजारों के अनुरूप तैयार किया गया है। ये उत्तराखण्ड के पहाड़ी क्षेत्र के उत्पादों का एक प्रमुख ब्रांड बनकर उभरे हैं।

बेहतर गुणवत्ता : हाउस ऑफ हिमालयाज के उत्पाद बेहद खास हैं, जो अपनी बेजोड़ गुणवत्ता और बेहतर कारीगरी के लिए जाने जाते हैं। यह बातें उन्हें बड़े पैमाने पर उत्पादन होने वाले दूसरे उत्पादों से विशिष्ट बनाती हैं।

हाउस ऑफ हिमालयाज इसलिए है खास

प्रामाणिकता का आश्वासन: पारंपरिक तरीकों और प्रामाणिक अनुभवों को केंद्र में रखते हुए इस पहल के अंतर्गत बनाए जा रहे उत्पाद उच्च गुणवत्ता मानकों पर खरे उतरने के बाद ही ग्राहकों तक भेजे जाते हैं। इन उत्पादों की उच्च गुणवत्ता की पुष्टि करने के लिए इन्हें सर्टिफिकेट भी दिया जाता है।

सामुदायिक प्रतिबद्धता: हाउस ऑफ हिमालयाज को चुनने का मतलब है, सार्थक सामाजिक पहलों के माध्यम से स्थानीय समुदायों का समर्थन करना। इसके हर उत्पाद की खरीद के साथ आप सामाजिक रूप से योगदान दे सकते हैं।

ओपन सोर्सिंग: इस पहल के अंतर्गत सामग्री और उत्पादन प्रक्रियाओं को चुनते समय पूर्ण पारदर्शिता को प्राथमिकता दी जाती है, ताकि उपभोक्ता का भरोसा बनाए रखा जा सके।

नैतिकता को प्राथमिकता: स्थायी सोर्सिंग और बेहतर उत्पादन के तरीके अपनाने के साथ यह ब्रांड उन तरीकों को अपनाता है, जिसकी नैतिक तौर पर सराहना की जाती है।

बेहतर ब्रांड अनुभव: उत्पाद की पूरी जानकारी, छोटी से छोटी बारीकी का ध्यान और बेहतर उत्पाद को शामिल करके यह ब्रांड ग्राहकों को एक बेहतर अनुभव प्रदान करता है, जो हर उपभोक्ता के लिए यादगार अनुभव साबित होता है।

ODTP
ONE DISTRICT TWO PRODUCTS
UTTARAKHAND

एक जिला-दो उत्पाद योजना के साथ दुनिया को लुभा रहे उत्तराखण्ड के उत्पाद

जिला	उत्पाद-1	उत्पाद-2
अल्मोड़ा	बाल मिठाई	ट्वीड
बागेश्वर	ताम्र शिल्प उत्पाद	कीवी के उत्पाद
चमोली	गुलाब जल	हथकरघा के उत्पाद
हरिद्वार	शहद	जैगरी
चम्पावत	शहद	लोहे के उत्पाद
देहरादून	बेकरी उत्पाद	मशरूम के उत्पाद
रुद्रप्रयाग	चौलाई के उत्पाद	मंदिर अनुकृति हस्तशिल्प
नैनीताल	ऐपण हस्तशिल्प	फल प्रसंस्करण
पौड़ी	हर्बल मेडिसिन	लकड़ी शिल्प
ऊधम सिंह नगर	मैंथा ऑयल	मूंज ग्रास उत्पाद
उत्तरकाशी	सेब के उत्पाद	लाल चावल
पिथौरागढ़	मुन्स्यारी राजमा	ऊनी कालीन
टिहरी	पनीर	टिहरी नथ

लोकल से ग्लोबल की ओर उत्तराखण्ड के शिल्प और जैविक उत्पाद

पर्यटक अपने यात्रा व्यय का 5% स्थानीय उत्पादों पर खर्च करें: प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए वोकल फॉर लोकल की बात कही है। स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा दिए जाने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा 'वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट' की शुरुआत की गई। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड सरकार ने इस योजना को 'वन डिस्ट्रिक्ट-टू प्रोडक्ट' के रूप में आगे बढ़ाया है। बदरीनाथ धाम के निकट माणा में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों से अपील की थी कि कहीं भी घूमने जाएं तो अपने यात्रा व्यय का 5 प्रतिशत स्थानीय उत्पादों पर खर्च करें। इससे स्थानीय आर्थिकी में जबरदस्त परिवर्तन देखने को मिलेगा। किसी भी क्षेत्र की पहचान उनकी भाषा-बोली एवं स्थानीय उत्पादों से होती है, इनको बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास किये जाने चाहिए।

देवभूमि के पारंपरिक उत्पाद विशिष्ट जीआई टैग से सम्मानित

उत्तराखण्ड का भोटिया दन

यह उत्तराखण्ड में भोटिया समुदाय द्वारा बनाया गया एक पारंपरिक हाथ से बुना हुआ कालीन है। ये कालीन अपनी गर्माहट, टिकाऊपन और जटिल डिजाइन के लिए जाने जाते हैं।

उत्तराखण्ड थुलमा

थुलमा कंबल उत्तराखण्ड में भोटिया समुदाय द्वारा भेड़ या याक के ऊन का उपयोग करके हाथ से बुना जाता है। ये कंबल अपनी गर्माहट, टिकाऊपन के लिए जाने जाते हैं।

उत्तराखण्ड लिखाई (लकड़ी की नक्काशी)

उत्तराखण्ड अपनी बेहतरीन लकड़ी की नक्काशी के लिए प्रसिद्ध है, कुशल कारीगर लकड़ी को जटिल तरीके से तराश कर सुंदर डिजाइन और रूपांकन बनाते हैं।

नैनीताल मोमबत्तियां (मोमबत्ती)

उत्तराखण्ड अपनी कलात्मक मोमबत्तियों के लिए जाना जाता है, ये मोमबत्तियां अक्सर क्षेत्र के सांस्कृतिक रूपांकनों और प्रतीकों को दर्शाती हैं।

कुमाऊं की रंगवाली पिछौड़ा

रंगवाली पिछौड़ा एक पारंपरिक शिल्प है, जिसमें रंगीन हाथ से छपी/हाथ से बुनी हुई सूती/रेशमी/ऊनी शॉलें बनाई जाती हैं। डिजाइन और पैटर्न कुमाऊं क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाते हैं।

उत्तराखण्ड ऐपण

ऐपण एक पारंपरिक लोककला है, जिसे चावल के पेस्ट या चाक का उपयोग करके तैयार किया जाता है। धार्मिक और सांस्कृतिक समारोहों के दौरान यह लोककला फर्श, दीवारों या आंगनों पर देखा जाता है।

जियोग्राफिकल इंडिकेशन (जीआई) शिल्प उत्पाद

भौगोलिक संकेत (जीआई) उन उत्पादों पर प्रयुक्त किया जाने वाला चिन्ह है, जिनकी एक विशिष्ट भौगोलिक उत्पत्ति होती है तथा उनमें उस उत्पत्ति के कारण गुण या प्रतिष्ठा होती है। दूसरे शब्दों में, यह एक प्रमाणीकरण है, जो किसी उत्पाद को किसी विशेष क्षेत्र से उत्पन्न होने की पहचान कराता है, जहां उत्पाद की दी गई गुणवत्ता, प्रतिष्ठा या अन्य विशेषता अनिवार्य रूप से उसके भौगोलिक उत्पत्ति के कारण होती है।

उत्तराखण्ड के निम्नलिखित शिल्प उत्पादों को भारत सरकार के उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के पेटेंट, डिजाइन और ट्रेडमार्क महानियंत्रक कार्यालय द्वारा जीआई टैग प्रदान किया गया है

उत्तराखण्ड बिछुआ बूटी

बिछुआ फाइबर का उपयोग कपड़े, बैग और रस्सियों सहित कई उत्पादों को बनाने के लिए किया जाता है। इसके फाइबर को इसकी मजबूती और पर्यावरण-मित्रता के लिए महत्व दिया जाता है।

उत्तराखण्ड रिंगाल शिल्प

रिंगाल उत्पाद एक प्रकार की स्थानीय घास से तैयार किए जाते हैं। कारीगर इसकी मजबूती और लचीलेपन के कारण चटाई, टोकरी और रस्सी जैसी वस्तुएं बनाने के लिए इसका उपयोग करते हैं।

चमोली लकड़ी का रावण मुखौटा

रावण मुखौटे लकड़ी से उकेरे जाते हैं और पारंपरिक लोक नृत्यों और सांस्कृतिक प्रदर्शनों में उपयोग किए जाते हैं।

उत्तराखण्ड तमता उत्पाद

उत्तराखण्ड के कारीगर तांबे का उपयोग करके बर्तन, सजावटी सामान और धार्मिक कलाकृतियां जैसी विभिन्न वस्तुएं बनाते हैं।

अमृत विचार

बरेली, मंगलवार, 10 फरवरी 2026

बरेली देहात

बंद मकान से 45 हजार की नकदी समेत लाखों की चोरी

आंवला, अमृत विचार: नगर के बदायूं रोड़ स्थित न्यू सिटी कॉलोनी में चोरों ने एक घर को निशाना बनाकर नकदी समेत लाखों की चोरी कर ली। पीडित ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

पीडित सुनील कुमार ने बताया कि वह 18 जनवरी को अपने पैतृक गांव मल्हापुर, थाना मूसाझांग, जनपद बदायूं गए हुए थे। 22 जनवरी को वापस लौटने पर उन्होंने देखा कि घर का मुख्य दरवाजा टूटा हुआ है। अंदर जाकर देखा तो बक्सों के ताले भी टूटे हुए थे और उनमें रखी नकदी व जेवरात गायब थे। पुलिस ने शिकायत के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की है।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (सा.)/इज्जतनगर द्वारा आमंत्रित की जाती है :

क्रम सं. : 01, खुली ई-निविदा सूचना सं. : इज्जत/इलै./ओ.टी./04/2026 दि.05.02.2026, **कार्य का नाम :** पूर्वोत्तर-रेलवे के इज्जतनगर मण्डल के जोन-II, पटियाली-कासगंज-मथुरा जंक्शन और कासगंज-कछला हॉल्ट सेक्शन के अन्तर्गत दिसम्बर-2026 को समाप्त होने वाले वर्ष हेतु जोन-II के अन्तर्गत कासगंज और मथुरा डिपो की विद्युत परिसम्पत्तियों का क्षेत्रीय रखरखाव कार्य, **अनुमानित लागत :** रु. 58,24,754.92, **धरोहर राशि :** रु. 1,16,500.00, **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** शून्य, **निविदा का प्रकार :** खुली निविदा, **ई-निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि व समय :** 27.02.2026 15.00 बजे तक, **स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि :** 12 माह। **क्रम सं. : 02, खुली ई-निविदा सूचना सं. :** इज्जत/इलै./ओ.टी./06/2026 दि. 05.02.2026, **कार्य का नाम :** पूर्वोत्तर-रेलवे के इज्जतनगर मण्डल के जोन-I, कानपुर (अनवरगंज)-कन्नौज-फर्रूखाबाद-दरयावगंज-नरथर हॉल्ट सेक्शन के अन्तर्गत दिसम्बर-2026 को समाप्त होने वाले वर्ष हेतु जोन-I के अन्तर्गत फतेहगढ़ और कन्नौज डिपो की विद्युत परिसम्पत्तियों का क्षेत्रीय रखरखाव कार्य, **अनुमानित लागत :** रु. 62,76,557.57, **धरोहर राशि :** रु. 1,25,500.00, **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** शून्य, **निविदा का प्रकार :** खुली निविदा, **ई-निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि व समय :** 27.02.2026 17.00 बजे तक, **स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि :** 12 माह।

• इस निविदा के लिए किसी भी तरह के मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है और किसी भी तरह के प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव को नजर अंदाज कर दिया जाएगा। • पूर्ण विवरण वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर अपलोड कर दिया गया है। • निविदादाता के पास क्लास-III डिजीटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र होना आवश्यक है और IREPS पोर्टल पर रजिस्टर होना चाहिए। • सभी आवश्यक दस्तावेज ई-निविदा में भाग लेने के समय में अपलोड किये जाने चाहिए। • निविदादाता को सलाह दी जाती है कि वे समय-समय पर ऑन लाइन जारी किए गए शुद्धिपत्र की जाँच करे, यदि कोई हो। समाचार पत्र में अलग से कोई प्रकाशन जारी नहीं किया जाएगा।

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (सा.)/
मुजाधि/विद्युत-275 इज्जतनगर

ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें

अतिक्रमण से मुक्त कराई नहर भूमि

विधान परिषद में मामला उठने की बारी आई तो आठ साल बाद सेंथल में हुई कार्रवाई

संवाददाता, सेंथल

अमृत विचार: सेंथल में नहर की भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने का प्रकरण विधान परिषद में उठने की बारी आई तो अफसरों में हड़कंप मच गया। लगभग आठ वर्षों से टल रही अतिक्रमण की कार्यवाही सोमवार को पूरी हो गई। सोमवार को तहसीलदार दुष्यंत प्रताप सिंह और एसडीओ और पुलिस फोर्स की मौजूदगी में में नहर की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कर दिया गया।

सेंथल में नहर भूमि पर अतिक्रमण कर बनाई दीवार को ध्वस्त कर दिया गया।

वर्ष 2016 में सेंथल-हाफिजगंज मुख्य मार्ग पर नगर पंचायत सेंथल द्वारा स्विमिंग पूल का निर्माण कराया गया था। निर्माण के कुछ समय बाद ही यह स्विमिंग पूल विवादों में घिर गया था। उसी समय लोगों ने आरोप लगाया था कि नहर विभाग की भूमि को कब्जा कर स्विमिंग पूल बनवाया गया है। तत्कालीन सिंचाई मंत्री की संज्ञान में भी मामला लाया गया। जांच में आरोप सही पाए गए थे फिर भी कोई कार्यवाही नहीं की गई ।

वर्ष 2025 में कस्बा निवासी अली अब्बास द्वारा नहर विभाग की जमीन पर अतिक्रमण की शिकायत की गई तो एक बार फिर स्विमिंग पूल चर्चा में आ गया। मामले में तहसीलदार द्वारा दोबारा जांच कराई गई जिसमें नहर की जमीन पर कब्जा पाया गया। तब नहर विभाग ने नगर पंचायत सेंथल को कब्जा हटाने के लिए नोटिस भेजा। कब्जा नहीं हटा तो नहर विभाग ने एसडीएम से कब्जा हटवाने के लिए मजिस्ट्रेट की मांग कर ली। एसडीएम ने मजिस्ट्रेट भी तैनात कर दिया लेकिन सितंबर 25 में पुलिस बल नहीं मिलने की बात कहकर एक बार फिर अवैध कब्जा नहीं हट पाया। लेकिन जब यह मामला विधान परिषद में उठने की बारी आई तो प्रशासन में हड़कंप मच गया। अतिक्रमण को बचाने की जुगत लगाने वाले अफसर भी ढीले पड़ गये। आनन फानन में मजिस्ट्रेट नियुक्त हुए पुलिस बल भी मुहैया हो गया और आठ साल से अतिक्रमण हटाने को टालते आ रहे अफसरों ने सोमवार को तहसीलदार दुष्यंत प्रताप सिंह ने पुलिस बल की मौजूदगी में नहर की जमीन को अतिक्रमण मुक्त करा दिया।

- मजिस्ट्रेट और पुलिस बल की मौजूदगी में नहर भूमि से ढहाई गई दीवार

तहसीलदार दुष्यंत प्रताप सिंह ने बताया की सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर अतिक्रमण को हटवा दिया गया है और रिपोर्ट जिला प्रशासन को भेज दी गई है

क्विज प्रतियोगिता, विजेता सम्मानित

प्रतियोगिता के बाद प्रमाण पत्रों के साथ मौजूद बच्चे। • अमृत विचार

संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के अंतर्गत कांधरपुर के ब्लॉक संसाधन केंद्र पर ब्लॉक स्तरीय विज्ञान क्विज प्रतियोगिता कराई गई। प्रतियोगिता दो पालियों में हुई। विजेताओं को प्रमाण पत्र देकर और पुरस्कृत करके सम्मानित किया गया।

सोमवार को दो पालियों में प्रतियोगिता हुई। इसमें 50 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। उच्च प्राथमिक विद्यालय लखौरा की कक्षा 8 की छात्रा राशिका को पहला, कंपोजिट विद्यालय रौंधी की कक्षा 7 की छात्रा चांदनी दूसरे, हनदौलिया उच्च प्राथमिक विद्यालय के कक्षा 8 के छात्र ज्ञान चंद्र तीसरे, जोगीठेर कंपोजिट विद्यालय की कक्षा 8 की छात्रा अर्शी चौथे और मानपुर चिकिटिया के कक्षा 8 के छात्र अनोज को पांचवा स्थान प्राप्त हुआ। विजेता छात्र-छात्राओं को स्टेशनरी किट का वितरण किया गया। बीईओ पूरन लाल ने कहा कि छात्र-छात्राओं को हर प्रतियोगिता में प्रतिभाग करना चाहिए। एसआरजी अनिल कुमार चौबे ने कहा कि अभिभावक भी अपने बच्चों को प्रतियोगिता में प्रतिभाग कराएं। आयोजन में विजय कुमार, नितिन शर्मा, अंकुर पांडेय, अनूप कुमार यादव, डीपी यादव, लाल बहादुर गंगवार, आदि का सहयोग रहा। एआरपी प्रमोद कुमार, प्रियंका गुप्ता, ब्रजेश सोलंकी, लक्ष्मण दत्त शर्मा ने व्यवस्था बनाई।

सज्जादानशीन को नम आंखों से किया सुपुर्दे खाक

संवाददाता, बहेड़ी

अमृत विचार : बेहद ग़मगीन माहौल में दरगाह ताजुल असफिया खानकाह-ए-शेरिया, बहेड़ी के सज्जादानशीन मौलाना ख़ालिद मियाँ को देर रात सुपुर्दे खाक़ कर दिया गया। सैकड़ों की तादाद में आए लोगों ने नम आँखों से अलविदा कहा।

सज्जादानशीन के इंतक़ाल की खबर पर उनके तमाम मुरीद और चाहने वाले खानकाह शेरिया पहुंच गए थे। रात जब उनका जनाज़ा उठा, तो वहां मौजूद सैकड़ों लोगों की आंखें नम हो गईं। रास्ते भर उनके जनाज़े को कंधा देने के लिए लोग बेक़रार दिखे।दरगाह ताजुल असफिया के सज्जादा नशीन का काफी कम उम्र में सबको छोड़ कर चले जाने से हर कोई बेहद उदास था।उनकी नमाज़े जनाज़ा फरीद मियाँ ने अदा कराई।

खानकाह शेरिया के प्रवक्ता हाफ़िज़ अनवार अहमद के मुताबिक दरगाह ताजुल असफिया के सज्जादा नशीन के आखिरी सफर में शरीक होने के लिए खानकाह अहमदिया मुजददिया के कासिम मियाँ, खानकाह शाहजी के सज्जादा नशीन मुन्ने मियाँ, खानकाह क़दीरिया के नूर आलम, खानकाह शराफतिया के मुफ़्ती फहीम अहमद सकलेनी,दारुल उलूम फैज़ाने शेरिया के अब्दुल हफ़ीज़, अलजामिअतुल कादरिया के ज़ियाउल मुस्तफा, देहली से इशतियाकुल कादरी, अलजामिअतुल अशरफिया से जुनैद मिस्बाही और मंज़रे इस्लाम से मोहम्मद आक़िल समेत तमाम आलिम और हाफ़िज़ पहुंचे। उनको खानकाह-ए-शेरिया में ही सुपुर्दे खाक़ किया गया।

हिंदुत्व की रक्षा के लिए वंश वृद्धि जरूरी

हिन्दू सम्मेलन में सहप्रांत कार्यवाह राजपाल सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल, ब्लाक प्रमुख योगेश पटेल व अन्य ।

संवाददाता, रिठौरा

अमृत विचार : भारत भूमि का विस्तृत रूप अब संकुचित हो गया है। आततायियों ने समय समय पर भूमि का बंटवारा कर मातृभूमि को संकुचित कर दिया है। पांच राज्यों में अब भी स्थिति चिंताजनक है। हिन्दू कम होते जा रहे हैं। हिन्दुत्व की रक्षा के लिए वंश वृद्धि जरूरी हो गई। बच्चों को संस्कारबान बनाकर, वंशवृद्धि कर भारत मां की रक्षा करनी है। यह बात सहप्रांत कार्यवाह राजपाल सिंह ने कही।

- रूपापुर बड़ेपुरा स्थित भीटानाथ मंदिर प्रांगण में हुआ विराट हिंदू सम्मेलन

रूपापुर बड़ेपुरा स्थित भीटानाथ मंदिर प्रांगण में सोमवार को विराट हिंदू सम्मेलन में उन्होंने कहा कि हमें लव जिहाद,लैंड जिहाद से अपने आप को बचाकर रखना है।

हिंदू जागरण मंच के युवा जिलाध्यक्ष हिमांशु पटेल ने बताया पूरे देश में संघ के एक सौ वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में यह हिंदुओं को संगठित करने तथा मातृभूमि की रक्षा के लिए यह सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं। कार्यक्रम का संचालन देवेंद्र पटेल ने किया।इस दौरान जिलाध्यक्ष रश्मि पटेल, ब्लाक प्रमुख भोजीपुरा योगेश पटेल,, अरविंद गिरि महाराज, चंद्रप्रभा, अरूण कुमार फौजी, वेदप्रकाश पटेल, किरन पटेल, देवेंद्र पटेल,सूर्य होम,अमर सिंह, शिवमंगल सिंह राठौर त्रिभुवन सिंह, नरेंद्र पाल, राजीव साहू, रमेश वर्मा वेदपाल पटेल आदि रहे।

वीडियो वायरल हुआ तो जागा पालिका प्रशासन

संवाददाता,नवाबगंज

अमृत विचार: कस्बे के मुख्य मार्ग के निर्माण में कथित अनियमितताओं का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद नगर पालिका परिषद में खलबली मच गई। पांच करोड़ रुपये की लागत से बनाए जा रहे इस मार्ग की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे, जिसके बाद सोमवार को यह निरीक्षण किया गया।

- पालिका अध्यक्ष पति ने सभासदों के साथ किया मौके का निरीक्षण

भाजपा नेता नीरेन्द्र सिंह राठौर ने सभासदों और समर्थकों के साथ निर्माण स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सड़क निर्माण में प्रयोग की जा रही सामग्री पर उन्होंने नाराजगी जाहिर की और अपने सामने ही कथित घटिया सामग्री को हटवाया।

बताया जा रहा है कि विधायक डॉ. एमपी आर्य और नगर पालिका अध्यक्ष के प्रयासों से सरकार ने कस्बे के मुख्य मार्ग के निर्माण को स्वीकृति दी थी, लेकिन निर्माण शुरू होते ही गुणवत्ता को लेकर आरोप सामने आने लगे हैं। वीडियो वायरल होने के बाद ही पालिका प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे, जिसके बाद सोमवार को यह निरीक्षण किया गया।

इस दौरान नगर पालिका अध्यक्षा प्रेमलता राठौर ने स्पष्ट कहा कि सड़क निर्माण में किसी भी तरह की लापरवाही या समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने निर्माण एजेंसी को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि आगे मानकों की अनदेखी हुई तो अफसरों से शिकायत की जाएगी। इस मौके पर नगर पालिका जे ई कैलाश यादव,सभासद रिजवान , अजय गंगवार गुड्डू, एड उपेंद्र गंगवार,अनिल चौधरी,शोभित गुप्ता सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

घर के बाहर बैठे युवक पर लोहे के सब्बल से किया जानलेवा हमला, रिपोर्ट दर्ज

कैंट, अमृत विचार : घर के बाहर बैठे युवक पर लोहे के सब्बल से जानलेवा हमला कर दिया। घायल की तहरीर पर कैंट पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। थाना क्षेत्र के बभिया निवासी भूरे ने बताया, कि रविवार सुबह 9 बजे वह अपने घर के सामने बैठा था। इसी दौरान अचानक गांव के ही कप्तान ने उस पर लोहे के सब्बल से जानलेवा हमला कर दिया। सब्बल के हमले से उसके सिर में गंभीर चोट हो गई। मेडिकल परीक्षण करा कर कैंट पुलिस ने घायल की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की है।

मनचलों ने छात्रा का किया पीछा, शिकायत पर जान से मारने की धमकी

फरीदपुर, अमृत विचार : नाबालिग छात्रा को स्कूल आते जाते मनचलों ने पीछा करते हुए अश्लील फब्तियां कसकर परेशान कर दिया। परिजन शिकायत करने गये तो उनके साथ भी झगड़ा किया और जान से मारने की धमकी दी। मोहल्ला निवासी कक्षा 9 की छात्रा ने परिजनों को बताया कि अजीम और मुन्ना स्कूल आते जाते समय उसका पीछा करते हैं और गंदी बातें करते है। पीड़ित ने आरोपियों के खिलाफ थाने में तहरीर दी है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की है ।

झांसा देकर बनाए संबंध घर पर निकला शादीशुदा

भमोरा,अमृत विचार : तलाकशुदा महिला को शादी का झांसा देकर कई महीनों तक शारीरिक संबंध बनाने के बाद दूसरे समुदाय का युवक भाग निकला। महिला उसके घर पहुंची तो पता चला कि युवक पहले शादीशुदा है। महिला ने पुलिस ने मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर लिया है।

अलीगंज थाना क्षेत्र की एक महिला ने बताया कि पति के छोड़ने के बाद वह गुरुग्राम सेक्टर 86 में रहकर घरों में झाड़ू पोछा का काम कर अपना पालन पोषण कर रही थी। तभी चार साल पहले भमोरा निवासी इदरीस उसके संपर्क में आया। दोनों में फोन से बात होने लगी। इसी दौरान इदरीश ने महिला को शादी करने का झांसा दिया और कई महीनों तक शारीरिक संबंध बनाए। कई बार शादी की बात कहने पर टालमटोल करता रहा। महिला ने बताया कि 29 दिसंबर को इदरीस गुरुग्राम आकर उसके साथ रहने लगा। चार फरवरी को गाड़ी खराब होने और गांव में काम होने की बात कहकर भमौरा चला आया। इसके बाद महिला का नंबर ब्लैकलिस्ट में डाल दिया। अब जब इदरीश का पता करने महिला भमोरा आई तो पता चला कि इदरीश पहले से शादीशुदा है। जब वह उसके घर पहुंची तो उसे भगा दिया। महिला ने थाने में तहरीर दी तो पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया। एसओ भमोरा सनी चौधरी ने बताया आरोपी इदरीश को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

मां व बहन ने फर्जी वारिसान बनवाकर बेचे वाहन

कैंट, अमृत विचार : थाना सुभाषनगर क्षेत्र के कालीचरन मार्ग निवासी ममता पत्नी स्व० सौरभ चंद्र ने बताया, कि वह वर्तमान में द्वारका सेक्टर 6 नई दिल्ली में रहती हैं। 10 मार्च 2023 को उनके पति की मृत्यु के बाद सास रेखा रानी तथा ननद कनिका ने कूटरचित फर्जी वारिसान प्रमाण पत्र से आरटीओ कार्यालय से पति के नाम कार तथा बाइक पत्नी को बिना बताए रानी पुत्री गौरी शंकर निवासी पुराना रोडवेज थाना कोतवाली को बेच दिए। जनसूचना से पत्नी को जानकारी हुई कि उक्त वारिसान प्रमाण पत्र डीएम कार्यालय से जारी नहीं किए गए हैं। तहरीर पर कैंट पुलिस ने सास रेखा रानी, ननद कनिका तथा वाहन क्रेता रानी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

कार्यालय ग्राम पंचायत चुरई दलपतपुर विकास खंड मीरगंज (बरेली)

अल्पकालीन निविदा सूचना

समस्त अधिकृत फर्मो/विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में ग्राम पंचायत चुरई दलपतपुर में मनरेगा योजना से निम्न निर्माण कार्य हेतु कार्य स्थल पर सामग्री आपूर्ति हेतु पंजीकृत फर्मो से निविदा आमंत्रित की जाती है जिसका सामग्री विवरण निम्नवत है - प्रथम श्रेणी ईट, चटका ईट, बजरी, बजरफुट, सीमेंट, रेत, रोड़ी व अन्य सामग्री जो प्राक्कलन में लिखित है।

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	योजना
1.	गौशाला में पानी के टैंकों के सामने खड़ंजा व मिट्टी कार्य।	360500/-	मनरेगा

उक्त कार्य हेतु सीलबंद निविदाएं दिनांक 10.02.2026 से दिनांक 16.02.2026 दोपहर 1:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। जो उसी दिन दोपहर 03:00 बजे निविदादाताओं या उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोली जाएगी। कार्य हेतु सामग्री आपूर्ति आदि की सूचना ग्राम पंचायत कार्यालय पर उपलब्ध है जो किसी भी कार्यालय दिवस में देखी जा सकती है। किसी भी विवाद की स्थिति में ग्राम पंचायत का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा।

प्रधान सचिव

कार्यालय ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत जटपुरा, वि.खं. बांकेगंज खीरी

निविदा सूचना

अधिकृत फर्मो को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत जटपुरा विकास खण्ड बांकेगंज -खीरी में मनरेगा योजनान्तर्गत कार्ययोजना के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 में निम्नलिखित कार्य प्रस्तावित एवं स्वीकृत है।

क्र.सं.	कार्य का नाम	माप	अनुमानित सामग्री लागत	योजना का नाम
1.	जटपुरा में शिवचरन के खेत से छेदीलाल के खेत तक मिट्टी/खडन्जा निर्माण कार्य	270 मी.	346370 रू.	मनरेगा

उक्त कार्य हेतु प्रथम श्रेणी ईट, साधारण खडन्जा व अन्य निर्माण सामग्री आपूर्ति हेतु सीलबन्द निविदाएं ग्राम पंचायत कार्यालय पर दिनांक 10.02.2026 से 16.02.2026 तक दोपहर 02:00 बजे तक जमा कर सकते है तथा निविदा 16.02.2026 को दोपहर 03:00 बजे गठित समिति के मध्य खोली जायेगी। किसी भी निविदा/सभी को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा।

नोट : अनुमन्य GST अलग से देय होगी।

ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत जटपुरा, वि.खं. बांकेगंज-खीरी
अनीता देवी-ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत जटपुरा, वि.खं. बांकेगंज-खीरी

कार्यालय ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत हरदुआ, वि.खं. बांकेगंज खीरी

निविदा सूचना

अधिकृत फर्मो को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत हरदुआ विकास खण्ड बांकेगंज -खीरी में मनरेगा योजनान्तर्गत कार्ययोजना के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 में निम्नलिखित कार्य प्रस्तावित एवं स्वीकृत है।

क्र.सं.	कार्य का नाम	माप	अनुमानित सामग्री लागत	योजना का नाम
1.	ढाखा में रामप्रसाद के घर से रामबहादुर के घर तक इण्टरलॉक निर्माण कार्य	90 मी.	287220 रू.	मनरेगा
2.	ढाखा में कामता के घर से रमेश के घर तक इण्टरलॉक निर्माण कार्य	40 मी.	127653 रू.	मनरेगा
3.	हरदुआ में दिनेश के घर से पुत्तू लाल के घर तक इण्टरलॉक निर्माण कार्य	60 मी.	163667 रू.	मनरेगा

उक्त कार्य हेतु प्रथम श्रेणी ईट, साधारण खडन्जा व अन्य निर्माण सामग्री आपूर्ति हेतु सीलबन्द निविदाएं ग्राम पंचायत कार्यालय पर दिनांक 10.02.2026 से 16.02.2026 तक दोपहर 02:00 बजे तक जमा कर सकते है तथा निविदा 16.02.2026 को दोपहर 03:00 बजे गठित समिति के मध्य खोली जायेगी। किसी भी निविदा/सभी को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा।

नोट : अनुमन्य GST अलग से देय होगी।

ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत हरदुआ, वि.खं. बांकेगंज-खीरी
रामकिशुन-ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत हरदुआ, वि.खं. बांकेगंज-खीरी

कार्यालय ग्राम पंचायत टिटौली विकास खण्ड सालारपुर बदायूं

पत्रांक- मैमो/राष्ट्रीय ग्राम स्वराज्य अभियान/सामग्री आपूर्ति सूचना/2025-26 दिनांक: 10.02.2026

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना

वाणिज्य कर विभाग में पंजीकृत समस्त फर्मो के सामग्री आपूर्तिकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत टिटौली वि.खं. सालारपुर में राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (RGSA) योजनान्तर्गत प्राप्त धनराशि से वित्तीय वर्ष 2025-26 में निम्नलिखित कार्य कराया जाना है:-

क्र.	कार्य का नाम	अनु. लागत
1.	ग्राम पंचायत में जनसेवा केन्द्र (CSC) की स्थापना का कार्य।	7,00,000/-

उपरोक्त कार्य हेतु प्राक्कलन में दी गई सामग्री/उपकरण क्रय किये जाने है। ग्राम पंचायत में सामग्री/उपकरण की आपूर्ति करने हेतु सीलबन्द निविदाएं ग्राम पंचायत कार्यालय में दिनांक 12.02.2026 तक आमंत्रित की जाती है। जो दिनांक 16.02.2026 को ग्राम पंचायत कार्यालय पर अपरान्ह 05:00 बजे खोली जायेगी। प्राप्त निविदाओं में उल्लिखित दरों में वर्ष 2025-26 को कोई मूल परिवर्तन नहीं होगा। प्रस्तुत निविदाओं में मानक के अनुसार ब्राण्डेड मार्का सामग्री की आपूर्ति का उल्लेख किया जायेगा। निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार सक्षम अधिकारी में निहित होगा।

बदन सिंह (प्रधान) धर्मेन्द्र सिंह (सचिव)

कार्यालय नगर पंचायत बिलसण्डा, जिला पीलीभीत

पत्रांक : 380/न.पं.बि.-2025-26 दिनांक : 9.02.2026

आपत्ति आमन्त्रण व निस्तारण हेतु सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उ.प्र. शासन, नगर विकास अनुभाग-9 द्वारा जारी अधिसूचना संख्या-912/नौ-9-24-85ज/05टी.सी.-1 लखनऊ दिनांक 28 जून 2024 द्वारा उत्तर प्रदेश नगर पालिका (भवन या भूमि या दोनों के वार्षिक मूल्य पर कर) नियमावली-2024 की अधिसूचना जारी/प्राख्यापित की गयी है। यह नियमावली उत्तर प्रदेश की समस्त नगर पालिका/नगर पंचायत पर लागू है। नियमावली के नियम-7 के अनुसार नगर पंचायत बिलसण्डा के निम्नलिखित वार्डो में स्थित भवनों/भूखण्डों पर सम्पत्ति कर का आरोपण करते हुए कर निर्धारण किया गया है एवं नियम-8 के अनुसार गृहकर/जलकर निर्धारण सूची तैयार की गयी है। उत्तर प्रदेश नगर पालिका (भवन या भूमि या दोनों के वार्षिक मूल्य पर कर) नियमावली-2024, नियम-9 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके जनसामान्य के अवलोकनार्थ एवं नगर पंचायत बिलसण्डा के 12 वार्डो में से 06 वार्डो की वार्डवार कर निर्धारण सूची का प्रकाशन एवं आपत्तियों की प्राप्ति हेतु प्रकाशित किया जाता है।

अत: आप सभी अपनी आपत्तियां/सुझाव प्रकाशन की तिथि से एक (01) माह के अन्दर कार्यालय नगर पंचायत बिलसण्डा भवन में स्वयं/पंजीकृत डाक/स्पीड पोस्ट के माध्यम से लिखित रूप में प्रस्तुत कर सकते है। समयावधि से प्राप्त आपत्तियों/सुझाव का अधिशासी अधिकारी द्वारा नियम-9(3) के अनुसार निस्तारण किया जाएगा। निर्धारण समयावधि के पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर नगर पंचायत बिलसण्डा द्वारा कोई विचार नहीं किया जाएगा। वार्डवार गृहकर/जलकर सूची के प्रकाशन का विवरण निम्नवत् है।

क्र.सं.	वार्ड का नाम व संख्या	प्रकाशन का दिनांक	प्रकाशन का स्थान	आपत्ति प्रस्तुत/निस्तारण की अवधि
1.	हाथीखाना, हरिजन बस्ती-1	10.02.2026 से 11.02.2026	कार्यालय भवन नगर पंचायत बिलसण्डा	प्रकाशन दिनांक से एक माह तक
2.	ब्लॉक कालोनी, रामनगर कालोनी-02	10.02.2026 से 11.02.2026		
3.	कुरियाना, हाथीखाना, पक्का तालाब-03	10.02.2026 से 11.02.2026		
4.	बाल्मीकि बस्ती, बड़ी होली, कुरियाना-04	10.02.2026 से 11.02.2026		
5.	कायस्थान, अनाज मण्डी, पुराना डाकखाना-05	10.02.2026 से 11.02.2026		
6.	कुम्हार गली, पड़ाव	10.02.2026 से 11.02.2026		

अधिशासी अधिकारी
न.पंचायत बिलसण्डा

बाईपास से यूनियन रोड तक हुए गड्ढे

खस्ताहाल सडक। • अमृत विचार

संवादाता, बहेड़ी

अमृत विचार: बाईपास मार्ग को ट्रक यूनियन रोड से जोड़ने वाली सड़क आवाजाही के हिसाब से तो बेहद अहमियत वाली है, लेकिन सड़क का हाल इसके हर तरफ से उपेक्षित होने का एहसास कराता है। सड़क पर गुज़रने वालों के लिए इस पथरीली सड़क पर चलना बहुत तकलीफदेह है।

बाईपास शाहगढ तिराहे से ट्रक यूनियन रोड़ (गोल्डन राइस मिल) को जोड़ने वाली यह सड़क करीब 300 मीटर लम्बी और 20फिट चौड़ी है। मौजूदा वक्त में इस सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे हैं, पंजाबी कॉलोनी चौराहे तक जाने वाली मेन रोड़ के इस हिस्से पर अब सड़क की जगह सिर्फ पत्थर ही बिखरे पड़े हैं।

ट्रक यूनियन और केसर शुगर मिल को रोज़ाना सैंकडों वाहनों का आवागमन होता है, लेकिन सड़क के खस्ताहाल होने से वाहन इस रास्ते नहीं चलते और जाफरी चौराहे वाले रास्ते से गुज़रते हैं, जिससे जाफरी चौराहे पर भीड़ रहती है। इस सड़क पर आबादी की दो गलियां जुड़ती हैं, और सड़क ख़राब होने की वजह से इस आबादी में रहने वाले तमाम लोगों को आने जाने में परेशानी होती है। खराब सड़क के किनारे पक्की दुकानों का असर यहां दुकानदारों पर पड़ रहा है।

बोर्ड की बैठक में दो बार पास हो चुकी है सड़क

नगर पालिका बोर्ड ने सितम्बर 2025 में इस सड़क के निर्माण का प्रस्ताव पास किया था। इससे पहले भी नगर पालिका बोर्ड एक बार इस सड़क को बनाए जाने का प्रस्ताव पास कर चुका है। सड़क के दोनों तरफ नाले बनाने का प्रस्ताव भी पास हो चुका है। नाले न होने के चलते बरसात में शाहगढ की तरफ से आने वाला पानी सड़क पर ही भर जाता है।

केंद्रीय राज्य मंत्री से भी हो चुकी है सड़क बनवाने की मांग

केंद्रीय राज्य मंत्री और स्थानीय सांसद जितिन प्रसाद को भी इस बदहाल सड़क से लोगों को हो रही परेशानी और सड़क का निर्माण करवाए जाने की मांग की गई है। राज्य मंत्री को इस बारे में दो बार मांग पत्र भी दिया जा चुका है। तहसील समाधान दिवस में भी अफसरों के सामने इस बारे में मांग रखी गई थी,और वहां नगर पालिका ने बोर्ड में प्रस्ताव होने की बात कही थी।

नेशनल ब्रीफ

साई पल्लवी-जुनैद की 'एक दिन' के लिए गाना गाएंगे अरिजीत

नई दिल्ली। पार्श्व गायन से संन्यास लेने की घोषणा कर अपने प्रशंसकों को चौंका देने वाले गायक अरिजीत सिंह ने साई पल्लवी और जुनैद खान अभिनीत फिल्म 'एक दिन' के लिए गाना गाने की हामी भर दी है। निर्माताओं ने सोमवार को यह घोषणा की। 'एक दिन' के निर्देशन की जिम्मेदारी सुनील पांडे संभाल रहे हैं जो बतौर निर्देशक उनकी पहली फिल्म है। यह फिल्म एक मई को सिनमेघरों में दस्तक देगी। निर्माता 'आमिर खान प्रोडक्शंस' ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में जानकारी दी कि अरिजीत 'एक दिन' के गाने को आवाज देंगे। कंपनी ने लिखा, 'एक दिन' के संगीत में इस कदर जान फूंकने के लिए धन्यवाद अरिजीत। अरिजीत ने 27 जनवरी को पार्श्व गायन से संन्यास लेने की स्तब्ध कर देने वाली घोषणा की थी।

घर की कुर्की के दौरान बैंककर्मी ने गोली मारकर की आत्महत्या

इंदौर। इंदौर में सोमवार को अपने घर की कुर्की की कार्रवाई के दौरान 51 वर्षीय एक बैंककर्मी ने गोली मारकर खुदकुशी कर ली। विजय नगर थाने के प्रभारी चंद्रकांत पटेल ने बताया कि शहर के एक सहकारी बैंक में काम करने वाले हेमंत ब्रह्मवंशी (51) ने अपनी लाइसेंसी बंदूक से सिर में गोली मारकर खुदकुशी कर ली। ब्रह्मवंशी के बेटे का कहना है कि उसके पिता पिछले कई दिनों से परेशान थे। बैंक ऑफ महाराष्ट्र का एक दल अदालत के आदेश पर ब्रह्मवंशी के घर को कुर्क करने आया था। इस घर को गिरवी रखकर बैंक से कर्ज लिया गया था और इसकी अदायगी नहीं की गई थी। पटेल ने बताया कि घर की कुर्की की कार्रवाई के दौरान ब्रह्मवंशी शयनकक्ष में गए और अपने सिर में गोली मार ली। बैंक कर्मी द्वारा आत्महत्या कर लिए जाने के मामले की विस्तृत जांच की जा रही है।

बाइक चालक की मौत दो ठेकेदारों के खिलाफ गैर जमानती वारंट

नई दिल्ली। दिल्ली के जनकपुरी इलाके में दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के खुले गड्ढे में गिरने से 25 वर्षीय बाइक सवार की मौत मामले में दो ठेकेदारों के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किए गए हैं। एक अधिकारी ने बताया कि मामले में गिरफ्तार तीसरे आरोपी और मजदूर की न्यायिक हिरासत भी बढ़ा दी है, जिस पर समय पर अधिकारियों को दुर्घटना की सूचना नहीं देने का आरोप है। ठेकेदार हिमांशु गुप्ता और कविश गुप्ता के खिलाफ वारंट जारी किए गए हैं। उन्होंने बताया कि दोनों भाई हैं। अधिकारी ने बताया कि उपठेकेदार राजेश कुमार प्रजापति की पुलिस हिरासत भी अदालत ने एक दिन के लिए बढ़ा दी है। उन्होंने बताया कि अदालत ने कथित तौर पर घटना के समय मौके पर मौजूद रहे मजदूर योगेश को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। एक निजी बैंक के कर्मचारी कमल ध्यानी शुक्रवार तड़के जनकपुरी में दिल्ली जल बोर्ड द्वारा सीवर के लिए खोदे गए लगभग 15 फुट गहरे गड्ढे में गिर गया था।

ओम बिरला को पद से हटाने के लिए आज नोटिस देगा विपक्ष

चरम पर टकराव, राहुल को बोलने की अनुमति न देने और कांग्रेस की महिला सांसदों के लिए अनुचित स्थिति पैदा करने के आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को बोलने की इजाजत न देने तथा कांग्रेस की महिला सांसदों के खिलाफ सदन में अनुचित स्थिति पैदा करने के आरोपों पर विपक्ष अध्यक्ष ओम बिरला को पद से हटाने के लिए प्रस्ताव लाने संबंधी नोटिस मंगलवार को सौंप सकता है। विपक्ष के प्रमुख दल तृणमूल कांग्रेस के सदस्यों को छोड़कर प्रस्ताव संबंधी नोटिस पर सोमवार शाम तक 102 सांसदों ने हस्ताक्षर कर दिए थे।

विपक्ष के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, द्रमुक और कुछ अन्य विपक्षी दलों के नेताओं ने नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं। कांग्रेस के कई सांसदों के साथ सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी हस्ताक्षर किए हैं। बताया गया कि संविधान के अनुच्छेद 94 (सी) के तहत यह प्रस्ताव संबंधी नोटिस मंगलवार को लोकसभा सचिवालय को सौंपा जा सकता है। नेता प्रतिपक्ष को बोलने की अनुमति न दिए जाने, भाजपा सांसद निशिकांत दुबे की ओर से सदन में की गई टिप्पणियों को लेकर उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू न करने और कांग्रेस की महिला सांसदों पर बिना साक्ष्य के आरोप लगाए जाने के मामले में अध्यक्ष के खिलाफ प्रस्ताव के लिए नोटिस देने पर विचार किया जा रहा है।

- **शाम तक 102 सांसदों ने हस्ताक्षर किए, फिलहाल टीएमसी अलग**

इस नोटिस पर अधिक से अधिक सांसदों के हस्ताक्षर लेने का प्रयास किया जा रहा है। हालांकि टीएमसी के रुख पर असमंजस बना हुई है। बताया गया कि सोमवार सुबह संसद परिसर में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के कक्ष में हुई बैठक में लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने पर विचार किया गया। इस बैठक में वाम दल, द्रमुक, सपा, राजद, शिवसेना (उबाठा) और राकांपा (शप) समेत कई पार्टियों के साथ तृणमूल कांग्रेस के नेताओं ने भी हिस्सा लिया।

लोकसभा में राहुल गांधी को बोलने न देने के विरोध में संसद परिसर में प्रदर्शन करते कांग्रेस सांसद।

संसदीय कार्यवाही में बाधा डाल रहे हैं राहुल : भाजपा

नई दिल्ली। भाजपा ने सोमवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर संसदीय कार्यवाही में व्यवस्थित व्यवधान डालने और संवैधानिक संस्थानों को जानबूझकर कमजोर करने का आरोप लगाया। भाजपा सांसद और पार्टी के मुख्य प्रवक्ता अनिल बलूनी ने कहा, राहुल गांधी के आचरण से पूरी तरह स्पष्ट हो गया है कि सार्थक संसदीय चर्चा में कांग्रेस नेता की कोई दिलचस्पी नहीं है।

- **लोकतंत्र के मंदिर को युद्धक्षेत्र में बदलना चाहते हैं कांग्रेस नेता**

उन्होंने आरोप लगाया, उनका उद्देश्य लोकतंत्र के मंदिर को राजनीतिक युद्धक्षेत्र में बदलना है। उनका एकमात्र एजेंडा भारत की प्रगति में बाधा डालना और देश की वैश्विक प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाना है। बलूनी ने कहा, भाजपा राहुल गांधी और कांग्रेस द्वारा संसदीय कार्यवाही में व्यवस्थित रूप से बाधा डालने और संवैधानिक संस्थाओं को जानबूझकर कमजोर करने की कड़ी निंदा करती है। गांधी पर निशाना साधते हुए भाजपा के मुख्य प्रवक्ता ने कहा कि लोकसभा में बार-बार बोलने का मौका दिए जाने के बावजूद विपक्ष के नेता अपने भारत को बदनाम करने वाले विमर्श पर अड़े हुए हैं। वह अक्सर अपनी खोखली तर्कशक्ति के उजागर होने के डर से महत्वपूर्ण बहस से बचने के लिए बहाने तलाशते हैं।

राहुल से कहा- सिर्फ बजट पर बोलिए... हंगामे के बाद स्थगित हुई लोकसभा

नई दिल्ली। लोकसभा में बजट पर चर्चा से पहले नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को अन्य विषय पर आसन से बोलने की अनुमति नहीं मिलने के बीच कांग्रेस सदस्यों के हंगामे के कारण सदन की बैठक दो बार के स्थगन के बाद दिनभर को स्थगित कर दी गई।

- **नेता प्रतिपक्ष ने लोकसभा अध्यक्ष पर लगाए वादे से मुकरने के आरोप**
- **रीजीजू ने कहा- राहुल गांधी का दावा शत-प्रतिशत सही नहीं**

दो बार के स्थगन के बाद अपराह्न दो बजे बैठक शुरू हुई तो पीठासीन सभापति संध्या राय ने केंद्रीय बजट पर चर्चा की शुरुआत के लिए कांग्रेस सांसद शशि थरूर का नाम पुकारा। थरूर ने पहले नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को बोलने देने की अनुमति मांगी तो पीठासीन सभापति ने कहा कि यदि नेता प्रतिपक्ष बजट पर चर्चा में भाग लेना चाहते हैं तो अपनी बात रख सकते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि कुछ देर पहले लोकसभा अध्यक्ष के पास कक्ष में कांग्रेस के कुछ सदस्य गए थे, उन्होंने वादा किया था कि मुझे बजट पर चर्चा से पहले बोलने की अनुमति दी जाएगी। लेकिन अब वह पीछे हट रहे हैं।

पीठासीन सभापति संध्या राय ने कहा कि उनके पास किसी तरह का नोटिस नहीं है, वह केवल बजट पर बोलने की अनुमति दे सकती हैं। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि कांग्रेस नेताओं के साथ लोकसभा अध्यक्ष की बैठक में वह भी उपस्थित थे। बैठक में कांग्रेस नेता वेणुगोपाल ने जब कहा कि नेता प्रतिपक्ष सदन में कुछ बोलना चाहते हैं तो लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि जब वह विषय बताएंगे, तभी अनुमति दी जाएगी, इसलिए राहुल गांधी ने स्पीकर की ओर से वादा किए जाने की जो बात कही है वह शत-प्रतिशत सही नहीं है।

आसन से बजट पर चर्चा की शुरुआत के लिए पुनः थरूर का नाम पुकारा गया तो उन्होंने फिर से नेता प्रतिपक्ष को पहले बोलने देने की अनुमति मांगी। राहुल गांधी को बजट से अलावा अन्य किसी विषय पर बोलने की अनुमति नहीं मिलने पर कांग्रेस सदस्यों ने हंगामा किया जिसके कारण बैठक कुछ मिनट बाद ही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई।

सुबह बैठक शुरू होने पर जब कांग्रेस के सदस्य नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को बोलने देने की अनुमति मांगने लगे तो लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि प्रश्नकाल में केवल प्रश्न पूछे जाते हैं। इस पर कांग्रेस के सांसदों ने आसन के पास आकर नारेबाजी शुरू कर दी। शोर-शराबा जारी रहने पर अध्यक्ष ने पांच मिनट बाद ही कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दी।

खरगे को बोलने की अनुमति न मिलने पर राज्यसभा में हंगामा

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को भाषण पूरा न करने देने को लेकर सोमवार को राज्यसभा में भारी हंगामा हुआ और विपक्षी सदस्यों ने सदन से वॉकआउट किया। प्रश्नकाल शुरू होते ही राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने यह मुद्दा उठाया। सभापति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि वह दूसरे सदन में हुई घटनाओं पर चर्चा न करें। खरगे ने कहा कि वह संविधान से जुड़े मुद्दे उठा रहे हैं और संसद दोनों सदनों से मिलकर बनी है। सभापति ने फिर भी अनुमति नहीं दी और कहा कि खरगे की कोई भी बात रिकॉर्ड में नहीं जाएगी। इसके बाद सभापति ने कार्यवाही आगे बढ़ाई, लेकिन खरगे और विपक्षी नेता बोलने की मांग करते रहे। सभापति नहीं माने तो विपक्ष ने नारेबाजी शुरू कर दी और भाजपा पर महिला सांसदों के अपमान का आरोप लगाया।

पंजाब में विधि छात्रा की हत्या के बाद छात्र ने खुद को गोली मारी

चंडीगढ़, एजेंसी

पंजाब के तरनतारन जिले में सोमवार को विधि संकाय के एक छात्रा ने कक्षा के अंदर एक छात्रा के सिर में गोली मारकर उसकी हत्या कर दी, जबकि भयभीत सहपाठी यह खौफनाक मंजर देखते रह गए। इसके बाद आरोपी छात्र ने खुद को भी गोली मार ली। पुलिस ने बताया कि प्रिंस राज गंभीर रूप से घायल है, जबकि छात्रा संदीप कौर की मौके पर ही मौत हो गयी।

- **तरनतारन में क्लासरूम में हुई वारदात, दोनों ही कानून के प्रथम वर्ष के छात्र और सहपाठी थे**

हमलावर प्रिंस राज और संदीप कौर दोनों ही कानून के प्रथम वर्ष के छात्र और सहपाठी थे। उनकी उम्र लगभग 19-20 वर्ष के आसपास है। उस्मा गांव स्थित कॉलेज में हुई हत्या के पीछे के मकसद का पता लगाने के लिए पुलिस जांच में जुट गई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि जब यह घटना घटी उस वक्त कक्षा में पढ़ाई शुरू नहीं हुई थी। कॉलेज परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज में प्रिंस, संदीप व एक अन्य छात्रा कक्षा में एक साथ दिखाई दिए। तरनतारन के एसएसपी सुरेंद्र लांबा ने कहा कि हत्या के मकसद का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। उन्होंने कहा, प्रथम दृष्टया, प्रतीत होता है कि दोनों दोस्त थे। संभवतः, उनकी दोस्ती में खटास आ गई।

नाकाम विरोध

वाराणसी की दाल मंडी में कई दिन से प्रशासन का बुलडोजर चल रहा है। सोमवार को यहां कई दुकानदारों ने अपनी दुकानें बचाने के लिए विरोध किया लेकिन पुलिस की सख्ती के आगे उनकी एक न चली। उन्हें हटाकर तोड़फोड़ शुरू कर दी गई।

जनरल नरवणे की पुस्तक सोशल मीडिया पर प्रसारित, प्राथमिकी

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे की पुस्तक 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' को प्रकाशित करने की रक्षा मंत्रालय ने अनुमति नहीं दी है लेकिन यह पुस्तक सोशल मीडिया पर प्रसारित हो गई है। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में प्राथमिकी दर्ज की है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी इसी पुस्तक में मौजूद भारत-चीन संघर्ष से जुड़े अंश लोकसभा में पढ़ना चाहते थे, जिस पर गतिरोध बना हुआ है।

- **रक्षा मंत्रालय ने नहीं दी है इस पुस्तक के प्रकाशन की मंजूरी**

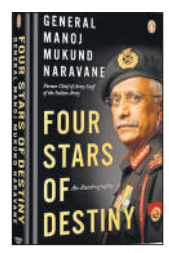

दिल्ली पुलिस के मुताबिक उसने सोशल मीडिया मंच और ऑनलाइन समाचार मंचों पर प्रसारित हो रही उन सूचनाओं का संज्ञान लिया है जिनमें दावा किया गया है कि ''फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी'' नामक पुस्तक की एक प्रति सक्षम अधिकारियों से अनिवार्य मंजूरी के बिना प्रसारित की जा रही है। पुलिस के बयान के अनुसार, यह भी बताया गया है कि इस पुस्तक के प्रकाशन के लिए संबंधित अधिकारियों से आवश्यक मंजूरी अभी तक प्राप्त नहीं हुई है। दिल्ली पुलिस ने बयान में कहा, जांच करने पर पता चला कि इसी शीर्षक वाली और मेसर्स पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा तैयार की गई एक टाइप की हुई किताब की पीडीएफ कॉपी कुछ वेबसाइटों पर उपलब्ध है। इसके अलावा कुछ ऑनलाइन मार्केटिंग मंचों ने तैयार पुस्तक के कवर को इस तरह प्रदर्शित किया है कि मानो वह बिक्री के लिए उपलब्ध हो।

पुलिस ने बताया कि इस लीक या अभी तक अनुमोदित न हुई प्रकाशन सामग्री के उल्लंघन की गहन जांच के लिए विशेष प्रकोष्ठ में मामला दर्ज किया गया है और जांच शुरू कर दी गई है।

अनिल अंबानी समूह के खिलाफ जांच के लिए एसआईटी गठित

नई दिल्ली। ईडी ने अनिल धीरूभाई अंबानी समूह (एडीएजी) और उससे जुड़ी इकाइयों से जुड़े 40,000 करोड़ रुपये के बैंकिंग और कॉर्पोरेट धोखाधड़ी की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया है। एसआईटी का नेतृत्व संघीय जांच एजेंसी की मुख्यालय जांच इकाई (एचआईयू) के अतिरिक्त निदेशक स्तर के अधिकारी को सौंपा गया है और इसमें लगभग आधा दर्जन अन्य जांच अधिकारी शामिल हैं।

- **40,000 करोड़ की धोखाधड़ी में सीबीआई से साठगांठ के सबूतों की होगी तलाश**

सुप्रीम कोर्ट ने पिछले हफ्ते एडीएजी के खिलाफ मामलों की समीक्षा करते हुए ईडी को निष्पक्ष, स्वतंत्र, त्वरित और तटस्थ जांच के लिए एसआईटी गठित करने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने समूह से जुड़े मामलों की जांच कर रही सीबीआई से साठगांठ और संभावित साजिश की जांच करने और अपनी जांच को तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचाने के लिए कहा था। ईडी पिछले साल से अनिल अंबानी और उनकी रिलायंस ग्रुप की कंपनियों की जांच कर रही है और अब तक उसने पीएमएलए के तहत तीन प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) दर्ज की हैं और करीब 12 हजार करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की है। ईसीआईआर पुलिस प्राथमिकी के समकक्ष ईडी की कार्रवाई है।

एसआईटी अनियमितताओं और एडीएजी समूह की कंपनियों द्वारा किए गए संदिग्ध वित्तीय लेनदेन की जांच के लिए और अधिक ईसीआईआर दाखिल कर सकती है। ईडी ने अनिल अंबानी से पिछले साल उनके समूह की कंपनियों के बैंक ऋण अनियमितताओं के संबंध में पूछताछ की थी। आरकॉम के पूर्व अध्यक्ष पुनीत गर्ग को हाल ही में ईडी ने गिरफ्तार किया था।

मेरे पाकिस्तान से संबंध तो छह महीने से कार्रवाई क्यों नहीं कर रहे सीएम

गुवाहाटी, एजेंसी

असम प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई ने सोमवार को दावा किया कि उनके खिलाफ पाकिस्तान से संबंध वाले मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के आरोपों को साबित करने के लिए असम पुलिस की रिपोर्ट में कुछ भी नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया कि उनके राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का कोई सबूत यदि हिमंत के पास था तो उन्होंने एसआईटी की रिपोर्ट को छह महीने तक क्यों दबाए रखा।

लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गोगोई ने यह भी कहा कि वह अपने नाबालिग बच्चों के पासपोर्ट और दूसरी जानकारी सार्वजनिक करने के लिए हिमंत के खिलाफ विधिक कार्रवाई करने की संभावना तलाश रहे हैं। गोगोई के पाकिस्तान से संबंध की एसआईटी जांच के निष्कर्षों का हिमंत की ओर से दावा किए जाने के एक दिन बाद गोगोई ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, मुख्यमंत्री एसआईटी रिपोर्ट का खुलासा नहीं करना चाहते थे। उन्होंने छह महीने तक उसे दबाए रखा। एक-एक पेज पढ़ा, लेकिन उन्हें मेरे प्रशिक्षण लेने, आईएसआई एजेंट होने वगैरह के उनके आरोपों को साबित करने के लिए कोई सबूत नहीं मिला।

गोगोई ने दावा किया कि शर्मा एसआईटी रिपोर्ट का मामला चुनाव से ठीक पहले तक रोकना चाहते थे, लेकिन विपक्षी पार्टी ने उनके और उनके परिवार द्वारा भूमि हड़पने के मामलों को उजागर कर दिया तो उन्हें इसे जल्दी सार्वजनिक करना पड़ा। गोगोई ने दावा किया कि उनके जीवन को खतरा है, लेकिन उन्हें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष को मिलने वाली सुरक्षा से वंचित किया जा रहा है।

- **गोगोई ने हिमंत विश्वशर्मा पर लगाई जवाबी सवालों की झड़ी**

वीडियो की जानकारी नहीं : हिमंत : डिब्रूगढ़। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को कहा कि उन्हें भाजपा की राज्य इकाई के सोशल मीडिया खाते से उस विवादित वीडियो को साझा करने की जानकारी नहीं है, जिसे बाद में हटा दिया गया था। वीडियो में हिमंत को राइफल से निशाना साधते और दो लोगों पर गोली चलाते हुए दिखाया गया था, जिनमें से एक ने टोपी पहनी थी और दूसरे की दाढ़ी थी। वीडियो के कैप्शन में 'प्वाइंट ब्लैंक शॉट' लिखा था। बाद में वीडियो को हटा दिया गया था।

सावरकर को क्या, भाजपा तो गोडसे को भी दे देगी भारत रत्नः ओवैसी

हैदराबाद। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने हिंदुत्व विचारक वीडी सावरकर को भारत रत्न से सम्मानित करने की आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की मांग को लेकर भाजपा और संघ प्रमुख पर तीखा तंज कसा। उन्होंने कहा कि भाजपा तो गांधी के हत्यारे नाथुराम गोडसे को भी देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित कर सकती है।

तेलंगाना में नगर निगम चुनाव के लिए महबूबनगर में रैली को संबोधित करते हुए ओवैसी ने कहा कि हैदराबाद में मक्का मस्जिद के तत्कालीन इमाम मौलवी अलाउद्दीन को 1857 में पहले स्वतंत्रता संग्राम के दौरान ब्रिटिश रेजिडेंसी पर हमला करने के लिए गिरफ्तार करके अंडमान द्वीप की काला पानी जेल भेज दिया गया था, जहां बाद में उनकी मृत्यु हो गई। हैदराबाद के सांसद ने सावरकर का नाम लिए बिना कहा कि आरएसएस अंग्रेजों को छह बार माफीनामा लिखने वाले व्यक्ति को भारत रत्न दिलाना चाहता है।

दिल्ली में 15 दिन में 807 लोगों के लापता होने पर सरकार-पुलिस को नोटिस

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने जनवरी के पहले पखवाड़े में राष्ट्रीय राजधानी में 807 लोग लापता हुए हैं। उन्होंने इस पर दिल्ली सरकार और पुलिस आयुक्त को नोटिस जारी किए हैं और दो सप्ताह के भीतर इस पर विस्तृत रिपोर्ट तलब की गई है।

आयोग ने कहा कि यदि जानकारी सच है तो इससे मानवाधिकारों के उल्लंघन के गंभीर मुद्दे उठते हैं। आयोग ने मीडिया में आई खबरों पर स्वतः संज्ञान लिया है जिसमें कहा गया है कि दिल्ली पुलिस के आंकड़ों के अनुसार, जनवरी 2026 के पहले दो हफ्तों में दिल्ली में 807 लोग लापता हो गए।

कांग्रेस के विरोध के बाद अहमदाबाद में गोडसे पर आधारित नाटक का मंचन रद्द

अहमदाबाद। महात्मा गांधी के हत्यारे नाथूराम गोडसे पर आधारित गुजराती नाटक का मंचन सोमवार को रद्द कर दिया गया। युवा कांग्रेस और एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं के विरोध के बाद यह फैसला किया गया, जिन्होंने आरोप लगाया कि यह नाटक गोडसे का महिमामंडन करने का प्रयास है।

आयोजकों के अनुसार, 'हू नाथूराम' (मैं नाथूराम) नामक इस नाटक का सोमवार रात नौ बजे अहमदाबाद के पंडित दीनदयाल सभागार में मंचन किया जाना था। नाटक के आयोजक जयेश ओझा ने कहा, गुजरात यात्रा के दौरान चार, पांच और छह फरवरी को सूरत, वडोदरा और भावनगर में बिना किसी विवाद के नाटक का मंचन हुआ। हालांकि, सात फरवरी को राजकोट में प्रस्तावित मंचन के दौरान युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सेट पर तोड़फोड़ की, जिसके बाद विवाद खड़ा हो गया। उन्होंने कहा कि इसके बाद आठ फरवरी को जामनगर और नौ फरवरी को अहमदाबाद के कार्यक्रम रद्द कर दिए गए। कांग्रेस की गुजरात इकाई के अध्यक्ष अमित चावड़ा ने आरोप लगाया कि यह नाटक महात्मा गांधी की हत्या को सही ठहराने का आरएसएस का प्रयास है।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला | परिसीमा अधिनियम 1963 के प्रावधानों के बीच परस्पर संबंध का निर्णय करते हुए इस पेचीदा कानूनी प्रश्न का दिया उत्तर

भूमि अधिग्रहण मुआवजे के खिलाफ अपील पर समयसीमा कानून की रोक नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा कि भूमि अधिग्रहण के लिए दिए गए मुआवजे के खिलाफ दायर अपीलें परिसीमा अधिनियम के तहत वर्जित नहीं हैं और उच्च न्यायालय ऐसी याचिकाएं दायर करने में हुई देरी को अनदेखा कर सकता है।

न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एससी शर्मा की पीठ ने भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनर्स्थापन अधिनियम, 2013 की धारा 74 को धारा 103 के साथ पढ़ने और परिसीमा अधिनियम, 1963 के प्रावधानों के बीच परस्पर संबंध का निर्णय करते हुए इस पेचीदा कानूनी प्रश्न का उत्तर

दिया। पीठ ने फैसला दिया कि जिन भूमि अधिग्रहण मामलों की शुरुआत पुराने 1894 के कानून के तहत हुई थी, लेकिन एक जनवरी 2014 को नया कानून लागू होने से पहले जिनमें मुआवज़े का कोई निर्णय नहीं हुआ था, उन मामलों में मुआवजा 2013 के नए कानून के अनुसार तय किया जाएगा।

पीठ ने कहा, वर्ष 2013 के अधिनियम की धारा 24 (1)(ए) उन सभी मामलों पर लागू होती है, जिनमें ये अधिनियम लागू होने के बाद निर्णय पारित किए गए हों। न्यायालय ने कहा कि 2013 के अधिनियम की धारा 24(1)(ए) में यह प्रावधान है कि भूमि अधिग्रहण अधिनियम, 1894 के अंतर्गत आरंभ की गई वैसी भूमि अधिग्रहण कार्यवाही के लिए मुआवजे के निर्धारण से संबंधित 2013 अधिनियम के सभी प्रावधान लागू होंगे, जहां उक्त भूमि अधिग्रहण अधिनियम की धारा 11 के अंतर्गत कोई मुआवजा नहीं दिया गया है। शीर्ष अदालत ने कहा कि धारा 24(1)(ए) के तहत मुआवजा पारित करने के लिए, पुनर्वास और पुनर्स्थापन पात्रता को छोड़कर, केवल 2013 अधिनियम के प्रावधानों का पालन करना होगा।

इसमें कहा गया है कि पीड़ित पक्ष 2013 के अधिनियम के तहत स्थापित भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनर्स्थापन प्राधिकरण द्वारा पारित फैसले के खिलाफ उच्च न्यायालयों में अपील दायर कर सकते हैं, जिसे पहली अपील और 2013 अधिनियम की धारा 74 के तहत अपील के रूप में माना जाएगा। न्यायालय ने फैसला सुनाया, वर्ष 2013 के अधिनियम की धारा 74, 1963 (परिसीमा) अधिनियम की धारा-पांच के लागू होने पर रोक नहीं लगाती है।

बैंक जनता के पैसे के ट्रस्टी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि जनता के पैसे के ट्रस्टी के तौर पर बैंकों की यह ज़िम्मेदारी है कि वे ग्राहकों को साइबर धोखाधड़ी से, खासकर तथाकथित डिजिटल अरेस्ट घोटाले से होने वाले धोखाधड़ी से पहले से ही सुरक्षित रखें। मुख्य न्यायमूर्ति सूर्य कांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ स्वत: संज्ञान मामले की सुनवाई कर रही थी। पीठ ने कहा कि बैंकों को ऐसे सिस्टम बनाने चाहिए जिनसे ग्राहकों को असामान्य या बड़े पैमाने पर लेन देन होने पर अलर्ट किया जा सके, खासकर तब जब ऐसे लेन देन ग्राहक के सामान्य बैंकिंग व्यवहार से अलग हों। अदालत ने कहा कि जब कोई पेंशनर या रिटायर्ड व्यक्ति जो आमतौर पर 10,000 या 20,000 रुपये निकालता है, अचानक 25 लाख या 50 लाख रुपये का लेन देन करता है, तो बैंकों को तुरंत अलर्ट जारी करना चाहिए।

अमृत विचार

मंगलवार, 10 फरवरी 2026

अतीत चाहे दु:खद ही क्यों न हो,
उसकी स्मृतियां मधुर होती हैं।
–**मुंशी प्रेमचंद**, साहित्यकार

महत्वपूर्ण है मलेशिया

एशिया–प्रशांत की बदलती भू-राजनीति में मलेशिया भारत के लिए एक रणनीतिक धुरी बनता जा रहा है। हिंद महासागर से दक्षिण चीन सागर को जोड़ने वाले मलक्का जलडमरू मध्य के किनारे स्थित मलेशिया उस समुद्री मार्ग की निगरानी में अहम है, जिससे भारत के कुल समुद्री व्यापार का आधे से अधिक हिस्सा गुजरता है। ऐसे में कुआलालंपुर के साथ गहराता सहयोग केवल व्यापार नहीं, बल्कि समुद्री सुरक्षा और सामरिक संतुलन का प्रश्न भी है। ऊर्जा, व्यापार, तकनीक और सुरक्षा के क्षेत्र में हुए समझौते इस साझेदारी को संस्थागत आधार देते हैं। रिन्यूएबल एनर्जी, ग्रीन हाइड्रोजन और सोलर परियोजनाओं में सहयोग भारत की ऊर्जा विविधीकरण नीति को मजबूती देगा, वहीं स्वास्थ्य क्षेत्र में आयुष, सस्ती दवाओं और नर्सिंग सेवाओं में तालमेल दोनों देशों के सामाजिक क्षेत्र को लाभ पहुंचा सकता है। रक्षा क्षेत्र में संयुक्त नौसैनिक अभ्यास और समुद्री सहयोग से हिंद–प्रशांत में भारत की उपस्थिति सुदृढ़ होगी।

पश्चिमी अर्थव्यवस्थाओं में अनिश्चितता और आपूर्ति श्रृंखला संकट के बीच भारत का क्षेत्रीय सहयोग पर जोर स्वाभाविक है। 'लुक ईस्ट' से 'एक्ट ईस्ट' की नीति अब आर्थिक और सामरिक दोनों रूपों में परिपक्व हो रही है। मलेशिया, जो आसियान में भारत का प्रमुख व्यापारिक साझेदार है, इस प्रक्रिया का प्रवेश द्वार बन सकता है। 2016 में भारत–आसियान व्यापार 65 अरब डॉलर था, जो 2025 तक 123 अरब डॉलर से अधिक हो चुका है। नए समझौतों के बाद इसमें उल्लेखनीय वृद्धि की संभावना है, विशेषकर सेमीकंडक्टर और डिजिटल क्षेत्र में। सेमीकंडक्टर उद्योग में मलेशिया के चार दशकों के अनुभव और मजबूत इकोसिस्टम का भारत को सीधा लाभ मिलेगा। भारत अपने इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण और चिप निर्माण को बढ़ावा दे रहा है; ऐसे में संयुक्त निवेश, तकनीकी साझेदारी और आपूर्ति श्रृंखला सहयोग से भारत आयात निर्भरता घटेगी। मलेशिया को भी विशाल भारतीय बाजार और उत्पादन आधार का लाभ मिलेगा, यह परस्पर पूरकता का उदाहरण है। डिजिटल क्षेत्र में मलेशिया–इंडिया डिजिटल काउंसिल, यूपीआई और पेननेट के जुड़ाव से व्यापार, पर्यटन तथा निवेश में सहजता आएगी। भारत की फिनटेक तकनीक को विस्तार मिलेगा। रुपये–रिंगिट में लेन-देन की व्यवस्था डॉलर निर्भरता घटा सकती है। मलक्का जलडमरू मध्य और दक्षिण चीन सागर में चीन–ताइवान–अमेरिका तनाव के कारण समुद्री मार्ग संवेदनशील बने हुए हैं। ऐसे में भारत–मलेशिया समुद्री सहयोग का महत्वपूर्ण है। आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस और सीमा-पार कट्टरपंथ पर समन्वय का निर्णय भी सुरक्षा सहयोग को नया आयाम देता है। मलेशिया ने अतीत में क्षेत्रीय सुरक्षा मुद्दों पर संतुलित रुख अपनाया है, किंतु हाल के वर्षों में आतंकवाद विरोधी सहयोग में सक्रियता दिखाई है। मलेशिया में लगभग 29 लाख भारतीय रहते हैं, प्रवासी भारतीयों की तीसरी सबसे बड़ी संख्या, ऐसे में नया वाणिज्य दूतावास, तिरुवल्लुवर केंद्र और छात्रवृत्ति सांस्कृतिक कूटनीति को गहराई देंगे। सोशल सिक्योरिटी समझौता, मुफ्त ई-वीजा और यूपीआई का विस्तार भारतीय कामगारों और पर्यटकों के लिए राहतकारी कदम होंगे।

प्रसंगवश

फरवरी का महीना खत से सोशल मीडिया तक

फरवरी का महीना आते ही प्यार की ऋतु का आगमन हो जाता है। इस बसंत महीने में नवयुवकों और नवयुवतियों के मन में अलग तरह की अनुभूति होने लगती है। यह कोई आश्चर्यजनक बात नहीं है। इस उम्र में ऐसा होना बिल्कुल स्वाभाविक है। अक्सर इस समय सही और गलत समझने की शक्ति पूरी तरह विकसित नहीं होती, क्योंकि मन अनियंत्रित-सा इधर-उधर अपने संग-साथी की तलाश में भटकता रहता है।

आज का प्यार पहले की तुलना में कम टिकाऊ दिखाई देता है। ज़रा-सी गलतफ़हमी या गुस्सा आ जाए, तो आज के युवाओं में सब्र करने की शक्ति कम पड़ जाती है। रिश्ते में मेहनत और समझदारी दिखाने के बजाय वे तुरंत निर्णय ले लेते हैं। रिश्ते को खत्म कर आगे बढ़ जाना और कुछ ही दिनों में नए रिश्ते की तलाश शुरू कर देना आम हो गया है। आज के दौर में प्रेम कई बार छणिक-भंगुर सा महसूस होने लगा है। युवा बिना ठहराव के रिश्ते बदल देते हैं और गहरी समझ-बूझ की जगह लिव-इन रिलेशनशिप ने ले ली है। स्थायित्व, त्याग और प्रतीक्षा जैसी भावनाएं अब पहले जैसी दिखाई नहीं देतीं।

धनीश शर्मा
लेखक

फ़रवरी का महीना आरंभ होते ही युवाओं में नई उमंगें तैरने लगती हैं। इस महीने का इंतज़ार पहले से ही शुरू हो जाता है। मन के अंदर दबे अहसासों को बयां करने की हिम्मत मिलती है— कुछ कामयाब होते हैं, तो कुछ नाकाम। नब्बे के दशक में युवा अपने दिल की बात ख़त के ज़रिये पहुंचाते थे। वो खत किसी वफ़ादार दोस्त के हाथों आदान–प्रदान होते थे और जवाब के इंतज़ार में महीनों गुज़र जाते थे। अगर जवाब मिल जाए तो खुशी, वरना फिर अगले साल फ़रवरी आने तक इंतज़ार सिर्फ़ इंतज़ार। उस दौर में प्यार धीमी रफ़्तार वाला था। भावनाएं गहरी थीं और धैर्य सबसे बड़ी ताकत थी।

पहले प्यार पर बनने वाली फ़िल्में—लैला–मजनू, हीर–रांझा, सोनी–माहिवाल—जो कभी प्रेम की मिसाल मानी जाती थीं, वक़्त के साथ जैसे कहीं गुम हो गई हैं। उन कहानियों में त्याग, तपस्या और लंबे इंतज़ार की गहरी परतें थीं। वहीं आज की पीढ़ी तेज़ रफ़्तार, त्वरित जवाब और बिना संघर्ष वाली प्रेम कहानियों की आदी हो चुकी है। पुराने प्रेम की वह आत्मा अब परदे पर भी कम ही दिखाई देती है।

साल 2000 आते-आते बहुत कुछ बदल चुका था। मोबाइल का जमाना शुरू हो गया था और युवा अब अपनी दिल की बात ख़त में नहीं, बल्कि टेक्स्ट मैसेज में लिखने लगे थे। फ़रवरी का सफ़र अब कागज़ के पन्नों से निकलकर मोबाइल की स्क्रीन पर सीमित हो गया था। जो इंतज़ार पहले महीनों का होता था, वह अब मिनटों और घंटों में सिमट गया। भावनाओं की गहराई जैसी-की-तैसी रही, लेकिन अभिव्यक्ति का माध्यम तेज़ और सरल हो गया।

धीरे-धीरे मोबाइल का स्वरूप और तकनीक दोनों विकसित हुए। जहां युवा सिर्फ़ टेक्स्ट भेजकर 'हां' या 'न' का इंतज़ार करते थे, वहीं 2010 आते-आते वीडियो कॉलिंग का दौर शुरू हो गया। अब चेहरे के हावभाव, मुस्कान, झिझक और शर्म भी स्क्रीन पर दिखाई देने लगे। रिश्तों में एक नई नज़दीकी और एक नया अंदाज़ जन्म लेने लगा। कुछ लोग इस बदलाव से खुश हुए, तो कुछ को लगा कि भावनाओं की गंभीरता अब कम होने लगी है।

साल दर साल वक़्त बदलता गया, लेकिन फ़रवरी का महत्व वही रहा—उत्सुकता, उमंग, उम्मीद और थोड़ी-सी घबराहट वाला महीना। अब 2026 तक आते-आते वीडियो कॉलिंग से लेकर इंस्टाग्राम, स्नैपचैट और व्हाट्सऐप तक प्यार कई रंगों में बदल चुका है। अब स्टोरी, रील, स्टेटस और इमोज़ी भी प्रेम के संदेश बन गए हैं।

वैश्विक व्यापार की धुरी बनता भारत

अनिल त्रिगुणायत
लखनऊ

विश्व की कुल आबादी का करीब 17.7 प्रतिशत हिस्सा रखने वाला भारत आज 1.47 अरब मानव संसाधन के साथ दुनिया का अग्रणी व सर्वाधिक युवा शक्ति वाला देश है। भारत की लगभग 65 प्रतिशत से अधिक आबादी 35 वर्ष से कम उम्र की है। ये ऐसे युवा हैं, जिनके पास व्यापक विजन, दक्षता, उत्साह, अपने व राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने का जज्बा तो है ही, वैश्विक व्यापारिक समझ में भी किसी विकसित देश से कमतर नहीं हैं। भारत व यूरोपीय संघ के मध्य चाहें 'मदर आफ आल डील' को जमीन पर उतारना हो या संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) के साथ सात फरवरी अर्थात शनिवार को हुआ द्विपक्षीय व्यापारिक समझौता... भारत ने वैश्विक बाजार में अपनी 'साख व धाक' बना ली है।

मानव संसाधन के परिप्रेक्ष्य में भारत महज एक देश नहीं, वरन एक बड़ा बाजार भी बन चुका है। उपभोक्ताओं का समंदर बन चुका भारत आज वैश्विक व्यापार की धुरी बन चुका है। यही कारण है कि दुनिया के विकसित देशों की निगाहें भारत पर टिक गई हैं। उत्तरी अमेरिकी महाद्वीप के दो बड़े देशों कनाडा व यूएसए के अलावा दक्षिण अमेरिकी महाद्वीप के देशों अर्थात ब्राजील, अर्जेंटीना, चिली, मैक्सिको, क्यूबा व पैरागुए से भी भारत का आयात-निर्यात परवान चढ़ रहा है। यूरोपीय संघ के देशों यानी फ्रांस, जर्मनी, यूनाइटेड किंगडम, पोलैंड, स्पेन व इटली से भी व्यापारिक लेन-देन सुदृढ़ हो चला है।

अफ्रीकी महाद्वीप के कुछ देशों के साथ हमारी व्यापारिक गतिविधियां सकारात्मक दिशा की ओर तो बढ़ ही रही हैं, एशिया-ओसियाना के देशों में भी हमने अपनी व्यापारिक गतिविधियां बढ़ाई हैं। चीन व रूस के साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापार सतत आगे बढ़ रहा है। जापान, दक्षिण कोरिया के अलावा इंडोनेशिया, मलेशिया, आस्ट्रेलिया व न्यूजीलैंड से भी आपसी व्यापार पटरी पर दौड़ रहा है।

विकसित, अर्द्धविकसित व विकासशील देशों की अनेकानेक वस्तुओं का आयात तो भारत कर ही रहा है, अपनी गुणवत्तापरक चीजों व आधारभूत संरचनाओं को उन्हें बड़े पैमाने पर निर्यात भी कर रहा है। उत्तम व्यापारिक समझ, मजबूत सेवा निर्यात व विदेशी पूंजी प्रवाह के कारण आज भारत का भुगतान संतुलन सही दिशा में है। हमारे पास 11 महीनों से अधिक के आयात के बराबर का मुद्रा भंडार है, जो छह माह के आदर्श से बेहतर है। हम 135.4 अरब अमेरिकी डॉलर के साथ विश्व का सबसे बड़ा प्रेषण प्राप्तकर्ता बन चुके हैं। यह हमारी बाह्य क्षेत्र को स्थिरता को दर्शा रहा है।

प्रत्यक्ष विदेशी निवेश व अन्य पूंजी प्रवाह में स्थिरता है, ये हमारी भुगतान संतुलन को मजबूत सहारा दे रहे हैं। भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश करने वाले प्रमुख देशों में सिंगापुर, मॉरीशस, अमेरिका, नीदरलैंड व जापान अग्रणी हैं। सिंगापुर व मॉरीशस तो भारत के लिए शीर्ष निवेशक आज भी बने हुए हैं। अंतरदेशीय या द्विपक्षीय व्यापार पारस्परिक लाभ, समानता, निष्पक्षता व राज्य के आर्थिक विकास के साधन पर निर्भर होता है। वैश्विक व्यापार आपसी समझ व साख को खास तरजीह देता है। व्यापारिक समझौते साझा विकास पर आधारित होने चाहिए, न कि एक पक्ष द्वारा दूसरे के शोषण पर। विभिन्न देशों के साथ व्यापार करते समय भारत को अपने राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखना होगा।

दुनिया के बाजार में भारत को फूंक-फूंक कर कदम बढ़ाना चाहिए, वह चाहे यूएसए या ईयू के साथ व्यापारिक रिश्ते ही क्यूं न हों। भारत-ईयू के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौते के तहत वर्ष 2031 तक 51 अरब डॉलर तक बढ़ने की संभावना है। शनिवार को यूएसए के साथ हुए अंतरिम व्यापारिक समझौते में भारतीय निर्यातकों, विशेष तौर पर एमएसएमई, किसानों व मछुआरों के लिए करीब 30 हजार अरब अमेरिकी डालर का बाजार खुलने की बात हो रही है। भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी टैरिफ अब 18 प्रतिशत रह जाने के बाद वहां निर्यात किए जाने वाली वस्तुओं के उत्पादकों को भारी राहत मिलेगी।

भारत के कुल निर्यात में यूएसए का का हिस्सा 18 प्रतिशत, जबकि आयात में 6.22 प्रतिशत है। वर्ष 2024-25 में द्विपक्षीय व्यापार 186 अरब डालर तक पहुंच गया है। भारत-अमेरिका के मध्य हुए व्यापारिक समझौते से भारत में किसानों व उद्यमियों के लिए नए अवसर खुलेंगे। भारत से यूएसए को निर्यात किए जाने वाले मसालों, फलों, सब्जियों के अलावा कृषि उत्पादों, रत्न-आभूषणों शुल्क रहित होंगे। भारत से करीब 13 अरब डालर के दवा निर्यात पर भी अमेरिका में कोई शुल्क नहीं लगाया जाएगा। दोनों देशों की डील में भारतीय किसानों की रक्षा के लिए गेहूं, चावल, चीनी व डेयरी उत्पादों को बाहर रखा गया है।

व्यापारिक समझौते से निर्यात ढांचे, निवेश आकर्षण के साथ रोजगार सृजन की दिशा को बल मिलेगा। अमेरिका, यूरोपीय संघ, ब्रिटेन और न्यूजीलैंड जैसी विकसित अर्थव्यवस्थाओं ने यह समझा है कि भारत की अर्थव्यवस्था में निवेश की बहुत संभावनाएं हैं। इन देशों के लिए भारत का सबसे बड़ा आकर्षण इसका विशाल मध्यम वर्ग, बढ़ती खपत क्षमता और युवा आबादी है, जो आटोमोबाइल, इलेक्ट्रानिक्स, स्वास्थ्य, शिक्षा व डिजिटल सेवाओं की मांग को लगातार बढ़ा रही है।

विशाल उपभोक्ता बाजार, निवेश का भरोसेमंद ठिकाना व साख आधारित साझेदारी के कारण विकसित देशों की पसंद बन चुका है। वैश्विक व्यापारिक प्रतिस्पर्धा में भारत को बेहद चौकन्ना भी रहना होगा। कौटिल्य ने अपनी कृति 'अर्थशास्त्र ' में लिखा है कि आपसी व्यापार में अत्यधिक विश्वास नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने अवसरों की विश्वसनीयता की जांच करने पर जोर देते हुए यह भी लिखा है कि समान लोगों के बीच ही प्रेम या स्नेह (संबंध) फलते-फूलते हैं।

मानव संसाधन के परिप्रेक्ष्य में भारत महज एक देश नहीं वरन एक बड़ा बाजार भी है। भारत आज वैश्विक व्यापार की धुरी बन चुका है। यही कारण है कि दुनिया के विकसित देशों की निगाहें भारत पर टिक गई हैं।

आमने

राजस्थान में कांग्रेस सरकार के दौरान एक निर्दोष दर्जी की सरेआम हत्या कर दी गई थी। उस समय प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं दिखी। राजस्थान में जो भी हिंसा और लिंचिंग जैसी घटनाएं हुईं, वे कांग्रेस के शासनकाल में ही फली-फूलीं।

–**निर्मला सीतारमण**
केंद्रीय वित्तमंत्री

सामने

कन्हैयालाल हत्याकांड में राजस्थान पुलिस ने तुरंत एक्शन लेते हुए कुछ ही घंटों में हत्यारों को अरेस्ट किया था, फिर पुलिस से केस लेकर केंद्र सरकार ने जांच एनआईए को दे दी। 2022 से आज 2026 तक कन्हैयालाल का परिवार न्याय का इंतजार कर रहा है।

–**अशोक गहलोत**
पूर्व मुख्यमंत्री, राजस्थान

दुनिया से हर साल कहां गुम जाते हैं 80 लाख लोग

अमित बैजनाथ गर्ग
वरिष्ठ पत्रकार

हाल ही में दिल्ली में 807 लोगों के लापता होने की खबर छपी। इनमें 137 बच्चे और 63 फीसदी महिलाएं तथा लड़कियां शामिल हैं। यह कुल लापता लोगों का बड़ा हिस्सा है। बताया गया कि एक जनवरी से 27 जनवरी तक हर दिन औसतन 27 लोग गायब हुए। इन 807 मामलों में से केवल 235 लोगों का ही अभी तक पता लग सका है। वहीं 538 लोग अब भी लापता हैं, जिनके बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। इसके बाद पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। वहीं लापता लोगों के परिवार भी पुलिस से सहयोग नहीं मिल पाने की शिकायत कर रहे हैं। दिल्ली की इन घटनाओं ने एक बार फिर लापता लोगों को चर्चा के केंद्र में ला दिया है। ऐसा नहीं है कि केवल दिल्ली से ही लोग लापता हुए हैं। भारत सहित पूरी दुनिया में हर साल लापता लोगों के मामले सामने आते हैं।

हाल ही में जारी एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पूरी दुनिया में हर साल 80 लाख लोग लापता होते हैं, जिनमें से कुछ ही मिल पाते हैं। अधिकतर के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाती। कुछ साल पहले मानवाधिकार संगठन एमनेस्टी इंटरनेशनल ने भी दुनिया भर में गायब होने वाले लोगों पर एक रिपोर्ट जारी करते हुए गहरी चिंता जताई थी। उसका कहना था कि दुनिया में अधिकतर लोगों को जबरन उठा लिया जाता है और उन्हें युद्ध सहित कई अनैतिक कामों में धकेल दिया जाता है। संगठन का कहना है कि सीरिया में साल 2011 से लेकर अब तक लगभग 82,000 लोगों को जबरन गायब कर दिया गया है। इनमें से अधिकांश लोग सशस्त्र विपक्षी समूहों और खुद को इस्लामिक स्टेट कहने वाले सशस्त्र समूह द्वारा हिरासत में लिए जाने के बाद लापता हो गए हैं। वहीं श्रीलंका में 1980 से लेकर अब तक करीब 60,000 से अधिक लोग गायब हो गए हैं।

अगर इतिहास की बात करें तो अर्जेंटीना में बीसवीं शताब्दी में सामूहिक रूप से लोगों के जबरन गायब किए जाने का सबसे प्रसिद्ध उदाहरण अंतिम तानाशाही थी। 1976-1983 के बीच दक्षिण अमेरिकी देश में सैन्य शासन के दौरान सुरक्षा बलों ने लगभग 30,000 लोगों का अपहरण किया, जिनमें से कई का अभी भी कोई सुराग नहीं लगा है। इस दौरान व्यापक और व्यवस्थित रूप से मानवाधिकारों का उल्लंघन हुआ, जिसमें बड़े पैमाने पर यातनाएं और गैर-न्यायिक हत्याएं शामिल थीं। इनमें कुख्यात मौत की उड़ानें भी शामिल थीं, जिनमें पीड़ितों को सैन्य विमानों या हेलीकॉप्टरों से गिराकर मार डाला गया था। दुनिया भर में कई संगठन लंबे समय से गायब होने वाले लोगों और उनके परिवारों को न्याय दिलाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, हालांकि अधिकतर मामलों में ज्यादा कुछ सफलता नहीं मिल पाई है। इतना जरूर है कि कुछ मामलों में जिम्मेदारों को दोषी ठहराने के लिए अभियान चलाया गया। इसके बाद कुछ दोषियों को न्याय के कटघरे में लाने में सफलता मिली।

असल में जबरन गुम किए जाने के शिकार वे लोग होते हैं, जो सचमुच गायब हो जाते हैं। वे तब लापता हो जाते हैं, जब उन्हें सड़क या उनके घरों से उठा लिया जाता है। अधिकतर मामलों में इनकी गुमशुदगी से इनकार किया जाता है या यह बताने से मना कर दिया जाता है कि वे कहां हैं। कभी-कभी ये गुमशुदगी सशस्त्र गैर-सरकारी तत्वों जैसे सशस्त्र विपक्षी समूहों द्वारा की जाती है। अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत यह एक अपराध है। इन लोगों को अक्सर रिहा नहीं किया जाता और उनका क्या हुआ, यह भी अनिश्चित रहता है।

बताया जाता है कि इन लापता लोगों को गलत कामों में धकेल दिया जाता है। लड़कियों को वेश्यावृत्ति में भेज दिया जाता है। बच्चों को चाइल्ड ट्रैफिकिंग में फंसा दिया जाता है। इन लापता लोगों को अक्सर यातनाएं दी जाती हैं। इनमें से कई मारे जाते हैं या फिर मारे जाने के भय में जीते हैं। वे जानते हैं कि उनके परिवार को पता नहीं है कि वे कहां हैं और उनकी मदद की संभावना बहुत कम है। भले ही वे मौत से बच जाएं और रिहा हो जाएं, लेकिन शारीरिक और मानसिक घाव उनके साथ रह जाते हैं।

मानवाधिकार संगठनों का कहना है कि जबरन गुमशुदगी एक वैश्विक मुद्दा है। दुनिया के कई देशों में ऐसे लोगों का इस्तेमाल अक्सर समाज में आतंक फैलाने की रणनीति के रूप में किया जाता है। इससे उत्पन्न असुरक्षा और भय की भावना केवल गुमशुदगी के करीबी रिश्तेदारों तक ही सीमित नहीं रहती, बल्कि समुदायों और पूरे समाज को प्रभावित करती है। कभी सैन्य तानाशाहों द्वारा बड़े पैमाने पर इस्तेमाल की जाने वाली ये गुमशुदगियां अब दुनिया के हर क्षेत्र में और विभिन्न परिस्थितियों में घटित होती हैं। ये आमतौर पर आंतरिक संघर्षों में विशेष रूप से राजनीतिक विरोधियों को दबाने की कोशिश कर रही सरकारों या सशस्त्र विपक्षी समूहों द्वारा की जाती हैं। लापता लोगों के परिवार और मित्र मानसिक पीड़ा से जूझते हैं। उन्हें यह नहीं पता होता कि उनका बेटा या बेटी, मां या पिता जीवित हैं या नहीं। उन्हें यह भी नहीं पता होता कि उन्हें कहां रखा गया है या उनके साथ कैसा व्यवहार किया जा रहा है।

भारत ही नहीं पूरी दुनिया में लापता लोगों के मामले सामने आते रहे हैं। हर साल पूरी दुनिया में 80 लाख लोग लापता होते हैं, अधिकतर के बारे में सुराग ही नहीं मिल पाता।

सोशल फोरम

"...अब आप देवकी नंदन पांडेय से समाचार सुनिए"

छोटा कुर्ता, खुला पायजामा, पांव में कोल्हापुरी, यदा कदा मुंह में बीड़ी, लंबे बिखरे बाल। यह सब एक बाहरी व्यक्तित्व हैं। किंतु जब उनकी जुबां खुलती, "यह आकाशवाणी है, अब आप देवकी नंदन पांडेय से समाचार सुनिए"...। खनक दार आवाज, उसमें अजब सा भारीपन, स्पष्ट उच्चारण, हर शब्द का असल असर। पांडेय साहब भारत के सबसे अधिक सुने जाने वाले समाचार वाचक थे।

ललित शर्मा
ब्लॉगर

21 मार्च 1948 से शुरू हुआ उनका समाचार वाचक का करियर 1983 तक चला। पेशे से रंगकर्मी, लेखक, उद्घोषक कानपुर में जन्मे पांडेय साहब देश की आवाज नाम से जाने जाते थे। मौलाना आजाद, लियाकत अली, लाल बहादुर शास्त्री, जवाहर लाल नेहरू, संजय गांधी के मृत्यु समाचार उन्होंने ही पढ़े। ऑल इंडिया रेडियो में कार्यरत पांडेय साहब का दूरदर्शन में भी काफी दखल रहा।

इन्होंने राष्ट्र को भाषा क्या है, के विषय में बताया। सही उच्चारण, कॉमा, पूर्ण विराम, पॉज केवल लिखने के लिए नहीं बोलने में भी महत्वपूर्ण है, बताया। उन्होंने भाषा के लिए नए मानक तय किए।

कहा जाता है कि सुबह आठ बजे जब उनका बुलेटिन शुरू होता था, तो लोग अपनी घड़ियां मिलाते थे। उनकी पाबंदी और उच्चारण (Pronunciation) इतना सटीक था कि उसमें एक सेकंड या एक मात्रा की भी गलती की गुंजाइश नहीं होती थी।

वे इतने विश्वसनीय थे कि संजय गांधी के निधन (1980) के समय, देवकी नंदन पांडेय जी रिटायर हो चुके थे, लेकिन प्रशासन ने विशेष रूप से उन्हें घर से बुल्वाया, क्योंकि उनका मानना था कि इतनी बड़ी और दुखद खबर अगर पांडे जी की भारी आवाज़ में नहीं जाएगी, तो शायद लोगों को यकीन नहीं होगा। आज की तेज़-तर्रार मीडिया के दौर में, देवकी नंदन पांडे की वो 'ठहरी हुई' और 'दमदार' आवाज़ एक सुनहरी याद बनकर रह गई है।

आज के जमाने में समाचार वाचक का कोई खास महत्व नहीं है। समाचार वाचक, एक संदेश वाहक मात्र है। उसका अपना ओपिनियन उसके चेहरे पर नजर नहीं आना चाहिए, आवाज में झलकना नहीं चाहिए। इस युग में अब इसका कोई महत्व नहीं। न्यूज रीडर ही न्यूज बना रहा है, वही हैंडल कर रहा है। न भाषाई शुद्धता है और न ही व्यवहारिक आचरण। युवक आज यही सीख भी रहा है। –**फेसबुक वाल से**

सामयिकी

नर्सरी से कॉलेज तक दाखिले की युद्धभूमि

आज शिक्षा का अर्थ सीखना नहीं, बल्कि साबित करना हो गया है। साबित करना कि बच्चा बेहतर है, तेज़ है, दूसरों से आगे है और यह साबित करने की ज़िम्मेदारी बच्चे से ज़्यादा उसके माता-पिता के कंधों पर डाल दी गई है। नतीजा यह है कि नर्सरी से लेकर विश्वविद्यालय तक, 'दाख़िला' अब एक सामान्य प्रक्रिया नहीं, बल्कि मानसिक, आर्थिक और सामाजिक तनाव का कारण बन चुका है।

दाख़िले की इस दौड़ में सबसे पहले निशाने पर आता है मासूम बच्चा। वह उम्र, जब खेलना, कल्पना करना और सवाल पूछना चाहिए, उसी उम्र में उसे फ़ॉर्म, इंटरव्यू, टेस्ट और रैंक के बोझ तले दबा दिया जाता है। नर्सरी एडमिशन के नाम पर माता-पिता छुट्टियां लेते हैं, स्कूल-दर-स्कूल भटकते हैं, सिफ़ारिशें ढूंढते हैं और कई बार आत्मसम्मान तक गिरवी रख देते हैं। यह सब इसलिए नहीं कि बच्चा सीख सके, बल्कि इसलिए कि वह 'अच्छे स्कूल' का टैग हासिल कर सके।

डॉ. सत्यवान सौरभ
लेखक

आज शिक्षा संस्थान ज्ञान के मंदिर कम और प्रतिस्पर्धी बाज़ार ज़्यादा बनते जा रहे हैं। अख़बारों में 'मिशन एडमिशन' जैसे शब्द आम हो चुके हैं। टीवी चैनलों पर दाख़िले को लेकर बहसें होती हैं, कोचिंग संस्थान भविष्य की गारंटी बेचते हैं और स्कूल-कॉलेज अपनी ब्रांड वैल्यू चमकाने में लगे रहते हैं। इस पूरे तंत्र में बच्चा एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक प्रोजेक्ट बन जाता है, जिसे हर हाल में सफल दिखाना ज़रूरी है।

कभी 60–65 प्रतिशत अंक लाना सम्मान की बात हुआ करती थी। सेकंड डिविज़न जीवन की हार नहीं मानी जाती थी। आज हालात यह हैं कि 90 प्रतिशत से नीचे अंक लाने वाला बच्चा और उसके माता-पिता अपराधबोध में जीते हैं। 95–96 प्रतिशत अंक लाने वालों को भी चैन नहीं है, क्योंकि कट-ऑफ़ हर साल नई ऊंचाई छू रहा है। ऐसा लगता है मानो अंकों की इस दौड़ का कोई अंत ही नहीं।

यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि जब ज़्यादातर बच्चे 90 प्रतिशत से ऊपर अंक ला रहे हैं, तो क्या वास्तव में सब असाधारण प्रतिभाशाली हैं? या फिर मूल्यांकन प्रणाली ही अपना संतुलन खो चुकी है? शिक्षा का उद्देश्य समझ विकसित करना था, लेकिन वह अब अंकों और रैंक के गणित में सिमट कर रह गया है। ज्ञान से ज़्यादा प्रदर्शन मायने रखता है, और प्रदर्शन से ज़्यादा उसका प्रचार।

इस पूरी प्रक्रिया का सबसे भयावह पहलू है बच्चों पर पड़ने वाला मानसिक दबाव। परीक्षा, इंटरव्यू और चयन की अनिश्चितता बच्चे के भीतर डर और असुरक्षा पैदा करती है। असफलता की स्थिति में पहला सवाल यही होता है— "अब क्या होगा?" यह सवाल सिर्फ़ भविष्य का नहीं, बल्कि आत्मसम्मान का भी होता है। बच्चा यह मानने लगता है कि उसकी असफलता उसके माता-पिता की हार है। यह भाव उसके आत्मविश्वास को गहरे तक चोट पहुंचाता है।

विडंबना यह है कि माता-पिता भी इस दबाव के शिकार हैं। समाज ने उनके सामने सफलता की एक संकीर्ण परिभाषा रख दी है- टॉप स्कूल, टॉप कॉलेज और टॉप करियर। वे यह सोचने से डरते हैं कि अगर उनका बच्चा इस तय ढांचे में फिट नहीं हुआ, तो लोग क्या कहेंगे। परिणामस्वरूप वे बच्चे की रुचि, क्षमता और स्वभाव को नज़रअंदाज़ कर देते हैं।

शिक्षा व्यवस्था में व्याप्त असमानता इस समस्या को और गंभीर बना देती है। जिनके पास संसाधन हैं, वे महंगी कोचिंग, प्राइवेट स्कूल और मैनेजमेंट कोटा खरीद सकते हैं, लेकिन मध्यम और निम्न वर्ग के बच्चों के लिए यह दौड़ कहीं ज़्यादा कठिन है। योग्यता के बावजूद अवसर न मिलना, व्यवस्था पर से भरोसा तोड़ देता है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

अंतस

हिन्दू पंचांग के अनुसार, महाशिवरात्रि हर साल फाल्गुन माह कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाया जाता है। इस वर्ष यह पावन पर्व 15 फरवरी रविवार को है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, यह पावन पर्व भगवान शिवजी को समर्पित है। इस दिन भगवान शिव के भक्त उनकी कृपा पाने के लिए उनकी विधि-विधान के साथ पूजा आराधना करते हैं। इस दिन रात्रि पूजन भी किया जाता है, लेकिन इससे महत्वपूर्ण चार पहर की पूजा होती है। मान्यता है कि चार पहर की पूजा करने से व्यक्ति जीवन के पापों से मुक्त हो जाता है तथा धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की प्राप्ति होती है। महाशिवरात्रि के दिन चार पहर की पूजा संध्या काल से शुरू होकर अगले दिन ब्रह्म मुहूर्त तक की जाती है। सामान्य गृहस्थ को महाशिवरात्रि के दिन शुभ और मनोकामना पूर्ति के लिए सुबह और संध्या काल में शिव की आराधना करनी चाहिए।

पं. मनोज कुमार द्विवेदी
आध्यात्मिक लेखक, ज्योतिषाचार्य

महाशिवरात्रि

देवों के देव महादेव की आराधना का पर्व

समग्रता के प्रतीक शिव

भगवान शिव का व्यक्तित्व एवं स्वरूप समग्रता का प्रतीक है यह उनके जीवन का वह दर्शन प्रदान करता है, जो मनुष्य को उसके व्यक्तित्व के उच्चतम शिखर तक ले जाता है। भगवान शिव का यह चरित्र मानवीय जीवन के उच्चतम आदर्शों की पराकाष्ठा है। महादेव गृहस्थ भी हैं और वीतरागी आदियोगी भी, उनका यह गुण संदेश देता है कि योग के मार्ग पर चलने के लिए ईश्वर की भक्ति के लिए संसार त्याग आवश्यक नहीं है। त्याग तो स्वयं की दुष्प्रवृत्तियों का, आसत्ति व अहंकार का करना चाहिए ताकि अंतःकरण को योग के अनुकूल बनाया जा सके। कैलाशवासी भगवान शिव एक ओर तो परम पवित्र हिमालय में तपस्या में लीन रहते हैं, तो दूसरी ओर भूतगणों के साथ श्मशान में निवास करते भी माने जाते हैं। इसका व्यावहारिक आशय यह है कि पवित्र और श्रेष्ठ के संपर्क में रहना श्रेयकर है, किंतु घृणित और पापी किसी को नहीं समझा जाना चाहिए। सब परमात्मा की ही संतान हैं एवं वे स्वयं सबको बराबर स्नेह करते हैं। शिव यहां सम्यक दृष्टि व मैत्री की शिक्षा देते हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार, महाशिवरात्रि के दिन शिवजी पहली बार प्रकट हुए थे। शिव का प्राकट्य ज्योतिर्लिंग यानी अग्नि के शिवलिंग के रूप में था। ऐसा शिवलिंग जिसका न तो आदि था और न अंत। बताया जाता है कि शिवलिंग का पता लगाने के लिए ब्रह्माजी हंस के रूप में शिवलिंग के सबसे ऊपरी भाग को देखने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन वह सफल नहीं हो पाए। वह शिवलिंग के सबसे ऊपरी भाग तक पहुंच ही नहीं पाए। दूसरी ओर भगवान विष्णु भी वराह का रूप लेकर शिवलिंग के आधार ढूंढ रहे थे, लेकिन उन्हें भी आधार नहीं मिला।

शिव और शक्ति मिलन

महाशिवरात्रि को पूरी रात शिवभक्त अपने आराध्य के लिए जागरण करते हैं। शिवभक्त इस दिन शिवजी की शादी का उत्सव मनाते हैं। मान्यता है कि महाशिवरात्रि को शिवजी के साथ शक्ति की शादी हुई थी। इसी दिन शिवजी ने वैराग्य जीवन छोड़कर गृहस्थ जीवन में प्रवेश किया था। शिव जो वैरागी थे, वह गृहस्थ बन गए। माना जाता है कि शिवरात्रि के 15 दिन पश्चात होली का त्योहार मनाने के पीछे एक कारण यह भी है। इसलिए महाशिवरात्रि हिंदू धर्म में आस्था रखने वालों एवं भगवान शिव के उपासकों का एक मुख्य त्योहार है। मान्यता यह भी है कि इस दिन भगवान शिव की सेवा में दान-पुण्य करने व शिव उपासना से उपासक को मोक्ष मिलता है। शिवरात्रि के पर्व पर जागरण का विशेष महत्व है। पौराणिक कथा है कि एक बार पार्वतीजी ने भगवान शिवशंकर से पूछा, 'ऐसा कौन-सा श्रेष्ठ तथा सरल व्रत-पूजन है, जिससे मृत्युलोक के प्राणी आपकी कृपा सहज ही प्राप्त कर लेते हैं?' उत्तर में शिवजी ने पार्वती को 'महाशिवरात्रि' के व्रत का उपाय बताया। चतुर्दशी तिथि के स्वामी शिव हैं। अतः ज्योतिष शास्त्रों में इसे परम शुभफलदायी कहा गया है। वैसे तो शिवरात्रि हर महीने में आती है, परंतु फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी को ही महाशिवरात्रि कहा गया है। ज्योतिषीय गणना के अनुसार सूर्य देव भी इस समय तक उत्तरायण में आ चुके होते हैं तथा ऋतु परिवर्तन का यह समय अत्यंत शुभ कहा गया है।

पूजा से शांत होते हैं कुंडली के दोष

महाशिवरात्रि में शिवलिंग की पूजा करने से जन्मकुंडली के नवग्रह दोष तो शांत होते हैं विशेष करके चंद्रजनित दोष जैसे मानसिक अशान्ति, मां के सुख और स्वास्थ्य में कमी, मित्रों से संबंध, मकान-वाहन के सुख में विलम्ब, हृदयरोग, नेत्र विकार, चर्म-कुष्ट रोग, नजला-जुकाम, स्वांस रोग, कफ-निमोनिया संबंधी रोगों से मुक्ति मिलती है और समाज में मान प्रतिष्ठा बढ़ती है। सुहागिन महिलाओं को इसदिन मां पार्वती को श्रृंगार हेतु मेंहदी चढ़ानी चाहिए और पुरुषों को पंचामृत, दूध, दही, घी, शहद और शक्कर से स्नान कराकर बेलपत्र पर अष्टगंध, कुमकुम अथवा चंदन से राम-राम लिखकर 'ॐ नमः शिवाय करालं महाकाल कालं कृपालं ॐ नमः शिवाय' कहते हुए शिवलिंग पर अर्पित करना चाहिए। साथ ही भांग, धतूरा और मंदार पुष्प तथा गंगाजल भी अर्पित हुए काल हरो हर, कष्ट हरो हर, दुःख हरो, दारिद्रय हरो, नमामि शंकर भजामि शंकर शंकर शंभो तव शरणं। मंत्र से प्रार्थना करनी चाहिए।

समस्त सृष्टि के स्वामी शिव

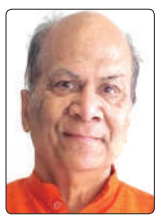

अशोक सूरी
आध्यात्मिक लेखक

देवों के देव महादेव, भूतभावन, व्योमकेष, जीवों का परम कल्याण करने वाले भगवान आषुतोश भोले भंडारी के परम उत्सव पर अपनी लेखनी को पवित्र करने का लेख संवरण नहीं कर पा रहा हूं। शिवरात्रि हिन्दुओं के सबसे पवित्र त्योहारों मे से एक है। शिव ही समस्त सृष्टि के स्वामी हैं। भूतभावन भगवान शंकर ही इस चराचर जगत के समस्त प्राणियों (मनुश्य, पशु, पक्षी, देव, दानव) को इस धरा पर अस्तित्व प्रदान करते हैं। वे ही आदि हैं और वे ही अंत हैं। भूत का तात्पर्य केवल भूत-प्रेत आत्माओं से नहीं है, बल्कि भूत का मूल अर्थ, जो इस धरा पर उत्पन्न हुआ है, अर्थात पंचभूत से बना हर जीव भूत है। भावनः का तात्पर्य है-इनका पालन करने वाला एवं इनका कल्याण करने वाला।

बाबा विश्वनाथ के इस पर्व को मनाने के पीछे कई कथाएं प्रचलित हैं। शिव पुराण में महाशिवरात्रि का विस्तार से वर्णन किया गया है। शिव पुराण के रुद्र संहिता (पार्वती खंड) में भगवान शिव के पार्वती से विवाह उत्सव का वर्णन मिलता है। बसंत पंचमी के बाद आने वाला यह पर्व प्रकृति के अत्यंत सुंदर मनभावन स्वरूप के समय मनाया जाता है। यहां शिव को चेतना एवं शक्ति को ऊर्जा (शक्ति) के योग का उत्सव भी माना जाता है। शिवरात्रि में आध्यात्मिक रूप यदि देखा जाए तो शिव का अर्थ है-कल्याण और रात्रि का अर्थ है विश्राम अथवा अंधकार। महाशिवरात्रि का यह पर्व अज्ञानता के अंधकार को मिटाकर आत्मज्ञान के प्रकाश की और बढ़ने के प्रतीक के रूप में भी देखा जाता है।

महाशिवरात्रि को मनाने के पीछे दूसरी पौराणिक गाथा का वर्णन समुद्र मंथन और विशपान से जुड़ा है। समुद्र मंथन के समय जब हलाहल नामक विष समुद्र से निकला, तो उसे ग्रहण करने को सुर-असुरों में से कोई भी तैयार नहीं हुआ, ऐसे समय में भगवान शिव ने इस हलाहल को पीकर अपना नाम नीलकंठ चरितार्थ किया। इसी उपकार के कारण भी आभार स्वरूप भक्त लोग इस व्रत को रखते हैं और शिवरात्रि का पर्व मनाते हैं। महाशिवरात्रि को उपवास रखने का नियम है, जिसका तात्पर्य है, हमें अपनी इन्द्रियों पर संयम रखना चाहिए। रात्रि जागरण करके हम अज्ञान से जागरण की शिक्षा प्राप्त करते हैं। बेल पत्र को शिवलिंग पर अर्पण करने का तात्पर्य त्रिगुणों पर विजय है।

पौराणिक कथा

विधि का लेख

एक बार भगवान विष्णु गरुड़ पर आरूढ़ होकर कैलाश पर्वत पहुंचे। द्वार पर गरुड़ को छोड़कर वे स्वयं महादेव से मिलने भीतर चले गए। गरुड़ बाहर खड़े कैलाश की अलौकिक प्राकृतिक शोभा को निहार रहे थे। हिमशिखरों की दिव्यता, मंद समीर और दिव्य शांति उन्हें मंत्रमुग्ध कर रही थी। तभी उनकी दृष्टि एक अत्यंत सुंदर, नन्हीं-सी चिड़िया पर पड़ी। वह इतनी कोमल और आकर्षक थी कि गरुड़ का मन अनायास ही उसी में उलझ गया। उसी क्षण यमराज कैलाश पधारे। भीतर जाने से पहले उन्होंने उस चिड़िया को एक गहरी और आश्चर्यपूर्ण दृष्टि से देखा।

गरुड़ यह संकेत समझ गए। उन्हें आभास हो गया कि उस चिड़िया की मृत्यु निकट है और यमराज कैलाश से लौटते समय उसे अपने साथ ले जाएंगे। करुणा से भरकर गरुड़ का हृदय द्रवित हो उठा। वे इतनी छोटी और सुंदर चिड़िया को मरते हुए नहीं देख सके। उन्होंने उसे अपने पंजों में सहेजा और कैलाश से हजारों कोस दूर एक निर्जन वन में, एक ऊंची चट्टान पर सुरक्षित छोड़ दिया। इसके बाद वे पुनः कैलाश लौट आए। जब यमराज बाहर आए, तो गरुड़ ने विनम्रतापूर्वक पूछा-"प्रभु, आपने उस छोटी-सी चिड़िया को इतनी आश्चर्य भरी दृष्टि से क्यों देखा था?"

यमराज बोले- "गरुड़, जब मैंने उस चिड़िया को देखा, तब मुझे ज्ञात हुआ कि कुछ ही क्षणों बाद वह यहां से हजारों कोस दूर एक नाग द्वारा निगल ली जाएगी। मैं इसी बात पर विचार कर रहा था कि वह इतनी अल्प अवधि में इतनी दूर कैसे पहुंचेगी? पर अब वह यहां नहीं है, तो निश्चय ही उसका अंत हो चुका होगा।" यह सुनकर गरुड़ को सत्य का बोध हो गया। वे समझ गए कि मृत्यु को टाला नहीं जा सकता, चाहे कितनी ही चतुराई क्यों न कर ली जाए। इसीलिए परमात्मा कहते हैं-"तू करता वही है, जो तू चाहता है, पर होता वही है, जो मैं चाहता हूं। तू वही कर, जो मैं चाहता हूं- फिर होगा वही, जो तू चाहेगा।"

सोमनाथ और घटता-बढ़ता चंद्रमा

चंद्रमा बहुत सुंदर था। उसकी सुंदरता के चर्चे सर्वत्र होते थे। चंद्रमा की सुंदरता पर मोहित होकर दक्ष प्रजापति की सत्ताइस पुत्रियों ने उससे विवाह कर लिया था। कुछ दिन हंसी-खुशी में व्यतीत हुए फिर चन्द्रमा रोहिणी को छोड़कर शेष पत्नियों से नाराज रहने लगा। एक दिन तो उसने हद ही कर दी। रोहिणी को छोड़कर शेष पत्नियों को उसने महल से निकाल दिया। अपमानित दक्ष पुत्रियों ने मायके जाकर अपने पिता दक्ष प्रजापति से रो-रोकर अपनी व्यथा सुनाई। दक्ष ने चन्द्रमा को बुलाकर समझाया पर चन्द्रमा नहीं माना। उसने दक्ष प्रजापति को उल्टे बहुत भला-बुरा कहा। इस पर दक्ष प्रजापति को गुस्सा आ गया। उन्होंने चन्द्रमा को शाप दे दिया- 'तुम्हें अपने रूप-सौंदर्य का बड़ा गर्व है, जा तुझे क्षय रोग हो जाएगा। तू- कांतिहीन हो जाएगा। दक्ष के शाप से छुटकारे के लिए चन्द्रमा ने भोले शंकर भगवान शिव की कठोर तपस्या की। शिव प्रसन्न हुए और चन्द्रमा से वर मांगने को कहा। चन्द्रमा ने शिव को सारी घटना बताई और श्राप से मुक्त होने का वर मांगा। शिव बोले- वत्स, मैं दक्ष के श्राप को समाप्त तो नहीं करूंगा, पर उसे कम करके लगभग निष्प्रभावी कर दूंगा। अब महीने के पहले पन्द्रह दिन तुम दक्ष के श्राप से क्षय रोग से ग्रसित रहोगे, प्रतिदिन घटते रहोगे। पर शेष 15 दिन तुम दक्ष के श्राप से मुक्त होकर तुम कांतिवान होकर बढ़ते रहोगे। दक्ष के श्राप से तुम अमावस्या को क्षय रोग से पूर्णतः ग्रसित होगे, जबकि पूर्णिमा को पूर्ण रूप से मुक्त होकर तुम विश्व को मोहित करोगे। तुम्हारी 27 पत्नियों के नाम अब तुम्हारे साथ जुड़कर अमर हो जाएंगे। ये सभी नक्षत्र मंडल में होंगी।

शिवचरण चौहान
लेखक

तब से चन्द्रमा क्षय रोग से ग्रसित हो गया। दक्ष के श्राप के कारण वह प्रत्येक मास पहले पक्ष में पहले क्षय रोग के कारण धीरे-धीरे घटता रहता है और अमावस्या को लोप हो जाता है। इसे कृष्ण पक्ष कहते हैं। शिव के वरदान के कारण अमावस्या के बाद चन्द्रमा क्षय रोग से धीरे-धीरे मुक्त होता रहता है और पूर्णिमा को पूर्ण मुक्त हो जाता है। इसे शुक्ल पक्ष कहते हैं। पूर्णिमा के चांद की सुंदरता की तुलना सदियों से मनुष्यों द्वारा की जाती रही है। कहते हैं कि गुजरात के प्रभाष पाटन क्षेत्र में जहां चन्द्रमा ने भगवान शिव की पूजा की थी, वहां उसने महादेव शिव का भव्य मंदिर बनवाया था, जो सोमनाथ मंदिर के नाम से प्रसिद्ध हुआ। आज भी प्रभाष क्षेत्र (गुजरात) में सोमनाथ का मंदिर हैं, जहां लाखों लोग भगवान शिव के दर्शन को जाते हैं। यहां पर पिंड दान भी किया जाता है और महाशिवरात्रि, भादौ, कार्तिक तथा चैत्र के महीने में मेला भी लगता है।

बोधकथा

विवेक और उदारता

विनीता संस्कारों की छाया में पली-बढ़ी एक सुलझी हुई बेटी थी। उसका स्वभाव उतना ही विनम्र था जितना उसका नाम। बड़ों का आदर, सेवा-भाव और अनुशासित जीवन उसकी दिनचर्या का हिस्सा थे। पढ़ाई के साथ-साथ वह दूसरों के काम आने को भी अपना कर्तव्य मानती थी। इसी सहजता और सरलता के कारण वह जहां जाती, लोगों के मन में जगह बना लेती। भाग्य ने उसे ऐसे परिवार की बहू बना दिया, जहां धन तो बहुत था, पर दान और करुणा का अभाव था। उस घर में संपत्ति को केवल भोगने और बढ़ाने की सोच थी, बांटने की नहीं। धर्म और पुण्य की बातें वहां केवल शब्द बनकर रह गई थीं। एक दिन घर के द्वार पर एक वृद्ध आया, कमज़ोर, भूखा और बेसहारा। विनीता ने उसे देखा और जो घर में उपलब्ध था, वही उसे दे दिया, सूखी, बासी रोटी। वृद्ध ने उसे हाथ में लेकर कहा- "बेटी, यह मुझसे नहीं खाई जाएगी।" विनीता ने बिना किसी कटुता के उत्तर दिया- "बाबा, इस घर में ऐसा ही भोजन होता है।"

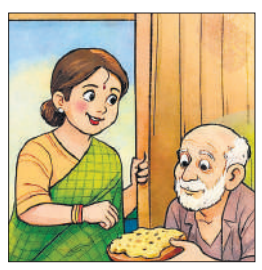

वहीं खड़े उसके श्वसुर यह सुनकर चौंक पड़े। वे बहू के व्यवहार से सदा प्रसन्न रहते थे। उन्होंने पूछा- "बेटी, तुम ऐसा क्यों कह रही हो?" विनीता ने शांत स्वर में कहा- "पिताजी, मैंने इस घर में यही देखा है कि जो धन पूर्व पुण्य से मिला है, उसे केवल संजोया और भोगा जाता है। दान, सेवा और धर्म का आचरण यहां दिखाई नहीं देता।" उसके शब्दों ने श्वसुर के मन को झकझोर दिया। उन्हें पहली बार अपनी भूल स्पष्ट रूप से दिखाई दी। उसी क्षण उन्होंने बहू को उचित कार्य करने की अनुमति दी। विनीता ने तुरंत उस वृद्ध को सम्मानपूर्वक अच्छा भोजन कराया, उससे स्नेह से बातें कीं और उसके जीवन के बारे में जाना। उसे सच्चरित्र पाकर घर के पास ही रहने की व्यवस्था कर दी। कुछ समय बाद वृद्ध बीमार पड़ा। अल्प समय में ही, ईश्वर का स्मरण करते हुए, आत्मा की शुद्धता का चिंतन करते हुए, सबके प्रति क्षमाभाव रखकर वह शांतिपूर्वक इस संसार से विदा हो गया। उसका जीवन एक मौन संदेश छोड़ गया- धन की कमी मनुष्य को केवल परेशान करती है, पर धन की अधिकता यदि विवेक से रहित हो जाए, तो वही धन मनुष्य को अहंकार, विलास और निर्दयता की ओर ले जाकर उसके पतन का कारण बन जाता है।

आधुनिक युग में माता सीता की प्रासंगिकता और नारी सम्मान

भारतीय संस्कृति और हिंदू धर्म की समृद्ध आध्यात्मिक चेतना में माता सीता केवल एक पौराणिक चरित्र नहीं, बल्कि त्याग, समर्पण, धैर्य, करुणा, असीम पवित्रता और नारी मर्यादा की ऐसी जीवंत प्रतिमूर्ति हैं, जो युगों-युगों से नारी शक्ति को परिभाषित करती आई हैं। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि परिस्थितियां चाहे कितनी ही कठिन क्यों न हों, यदि मन में धर्म, संयम और आत्मविश्वास अडिग हो, तो जीवन की हर अग्निपरीक्षा सार्थक बन जाती है। माता सीता का व्यक्तित्व स्त्री चेतना का वह स्वरूप प्रस्तुत करता है, जिसमें सौम्यता के साथ अडिग शक्ति का संतुलन दिखाई देता है।

श्वेता गोयल
लेखिका

माता सीता के प्राकट्य की कथा भारतीय परंपरा की सबसे दिव्य और अर्थपूर्ण कथाओं में से एक है। रामायण के अनुसार मिथिला में एक समय भयंकर अकाल पड़ा था। ऋषियों के परामर्श पर मिथिला के राजा जनक ने स्वयं हल चलाने का संकल्प लिया, जिससे धरती माता प्रसन्न हों और वर्षा हो। जब राजा जनक खेत जोत रहे थे, तब हल का अग्र भाग, जिसे 'सीत' कहा जाता है, धरती में गड़े एक स्वर्ण कलश से टकराया। उस कलश से एक दिव्य, तेजस्वी और अनुपम सौंदर्य से युक्त कन्या प्रकट हुई। निःसंतान राजा जनक ने उसे ईश्वर का प्रसाद मानकर स्वीकार किया। हल के अग्र भाग से उत्पन्न होने के कारण उनका नाम सीता पड़ा, राजा जनक की पुत्री होने के कारण वे जानकी कहलाईं और धरती से जन्म लेने के कारण भूमिजा। इस प्रकार माता सीता का जन्म स्वयं प्रकृति और धर्म के पवित्र मिलन का प्रतीक बन गया।

माता सीता का संपूर्ण जीवन त्याग, सहनशीलता और आत्मबल की जीवंत मिसाल है। राजमहल की सुख-सुविधाओं को छोड़कर वनवास स्वीकार करना, अपहरण, अकेलापन, लोकापवाद और कठोर परीक्षाओं को सहन करना-इन सबके बावजूद उन्होंने अपने चरित्र, आत्मसम्मान और धर्म से कभी समझौता नहीं किया। वे केवल भगवान राम की अर्धांगिनी नहीं थीं, बल्कि उनके धर्मपथ की सहचरी और नैतिक शक्ति भी थीं। उनका जीवन यह दर्शाता है कि नारी शक्ति मौन सहनशीलता नहीं, बल्कि मूल्यों के प्रति अडिग प्रतिबद्धता है।

माता सीता को आदर्श पत्नी, पुत्री और स्त्री के रूप में देखा जाता है, लेकिन उनकी भूमिका इन पारंपरिक सीमाओं से कहीं आगे जाती है। वे संबंधों में समर्पण के साथ आत्मसम्मान का संतुलन स्थापित करती हैं। उनका आचरण यह सिखाता है कि प्रेम में भी स्वाभिमान आवश्यक है और त्याग का अर्थ आत्मविस्मरण नहीं होता। यही कारण है कि माता सीता आज भी पारिवारिक जीवन, सामाजिक संरचना और नैतिक मूल्यों की आधारशिला मानी जाती हैं।

भारतीय परंपरा में माता सीता को लक्ष्मी स्वरूप भी माना गया है-सुख, समृद्धि और स्थायित्व का प्रतीक। उनके व्यक्तित्व में बाहरी वैभव से अधिक आंतरिक समृद्धि का महत्व दिखाई देता है। यही संदेश आज के उपभोक्तावादी और भौतिकतावादी समाज के लिए अत्यंत प्रासंगिक है। स्त्री को केवल सहनशील या त्यागमूर्ति के रूप में नहीं, बल्कि सृजन, संतुलन और सामाजिक शक्ति के केंद्र के रूप में देखने की दृष्टि माता सीता के जीवन से ही विकसित होती है।

आधुनिक जीवन की भागदौड़, मानसिक तनाव और रिश्तों में बढ़ती जटिलताओं के बीच माता सीता का जीवन आत्मचिंतन की प्रेरणा देता है। वे सिखाती हैं कि धैर्य कमजोरी नहीं, बल्कि सबसे बड़ी शक्ति है। जब मन स्थिर होता है, तो निर्णय स्पष्ट होते हैं और रिश्तों में मधुरता स्वतः विकसित होती है। यही कारण है कि आज भी ग्रामीण समाज से लेकर महानगरों तक, माता सीता का नाम पारिवारिक शांति और सामाजिक संतुलन से जुड़ा हुआ है।

माता सीता की आराधना केवल बाह्य पूजा तक सीमित नहीं है, बल्कि उनके गुणों-संयम, करुणा, आत्मबल और सत्यनिष्ठा-को जीवन में उतारने का संकल्प है। यदि हम उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएं, चाहे वह परिवार हो, समाज हो या व्यक्तिगत संघर्ष, तो जीवन की कठिन से कठिन राह भी सहज और अर्थपूर्ण बन सकती है। जिस प्रकार उन्होंने अशोक वाटिका में रहते हुए भी अपने आत्मसम्मान और धैर्य को अडिग रखा, वह हर युग के लिए एक प्रेरणास्रोत है। आज के समय में, जब नारी सम्मान, मानसिक संतुलन और संवेदनशील रिश्तों की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक है, माता सीता का जीवन हमें सच्ची शक्ति का अर्थ समझाता है-वह शक्ति जो भीतर से आती है और पूरे समाज को दिशा देती है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	84,065.75	25,867.30
बढ़त	485.35	173.60
प्रतिशत में	0.58	0.68

सोना 1,58,500 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,72,000 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, मंगलवार, 10 फरवरी 2026

www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2610, राज श्री 1940, फ़ॉर्चून कि. 2425, रविन्द्रा 2515, फॉर्चुन 13 किग्रा 2145, जय जवान 2125, सचिन 2120, सूरज 2125, अवसर 1865, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1975, क्लासिक (किग्रा) 2325, मोर 2320, चक्र टिन 2375, ब्लू 2215, आशीर्वाद मस्टर्ड 2420, स्वास्तिक 2565

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 18000-23000, धनिया 9400-12000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा, 5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8500, गौरी प्रीमियम 10200, सूमो 4000, गौरी रॉयल 8600, मंसूरी पनघट 4200,लाडली 4200

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200-12000, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7350-9200, मलका छँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800-9800, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800-11500,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7500, चना अकोला 6600, डबरा 6800-8400, सच्चा हीरा 8700, मोटा हीरा 10000, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11100-11800, अरहर कोरी छोटी 13100

चीनी : पीलीभीत 4460, बहेड़ी 4300

भारत-अमेरिका समझौते से निर्यातकों को शुल्क मोर्चे पर मिलेगी निश्चितता

भारत पर लगा शुल्क चीन, इंडोनेशिया, वियतनाम और बांग्लादेश की तुलना में कम

- समझौते के अनुसार अमेरिका भारत पर लगाए जवाबी शुल्क को 25 से घटाकर 18 प्रतिशत करेगा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर के लिए रूपरेखा को अंतिम रूप दिए जाने से घरेलू निर्यातकों को शुल्क के मोर्चे पर तत्काल निश्चितता और बेहतर समझ मिलेगी। अमेरिका इस पेश रूपरेखा के अनुसार भारत पर लगाए जाने वाले जवाबी शुल्क को 25 से घटाकर 18 प्रतिशत करेगा। इससे पहले वह रूसी कच्चा तेल खरीदने को लेकर भारत पर लगाए गए अतिरिक्त 25 प्रतिशत दंडात्मक शुल्क को हटा चुका है। भारत पर लगाया शुल्क चीन, इंडोनेशिया, वियतनाम और बांग्लादेश जैसे प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में सबसे कम है।

शार्दुल अमरचंद मंगलदास एंड कंपनी के साझेदार रुद्र कुमार पांडे ने कहा कि यह रूपरेखा हालिया शुल्क युक्तिकरण पर अत्यंत आवश्यक परिचालन स्पष्टता प्रदान करती है। रूपरेखा स्पष्ट रूप से पुष्टि करती है कि वस्त्र एवं परिधान, चमड़ा एवं जूते, प्लास्टिक व रबर, कार्बनिक रसायन, घरेलू सजावट, हस्तशिल्प उत्पाद तथा चयनित मशीनरी क्षेत्रों सहित कई प्रमुख भारतीय निर्यात क्षेत्रों पर 18 प्रतिशत की जवाबी शुल्क दर लागू होगी।

निर्यातकों के लिए यह रूपरेखा निश्चितता और बेहतर समझ प्रदान करती है। महत्वपूर्ण बात यह है कि 18 प्रतिशत शुल्क भारत को बांग्लादेश, थाईलैंड, इंडोनेशिया और चीन जैसे प्रतिस्पर्धी निर्यातकों की तुलना में सापेक्ष लाभ की स्थिति में रखता है। इन देशों पर अमेरिकी शुल्क अपेक्षाकृत अधिक हैं।

उन्होंने कहा कि इसके परिणामस्वरूप इन क्षेत्रों में भारतीय निर्यातकों के लिए बाजार हिस्सेदारी में क्रमिक वृद्धि की उचित संभावना है। ऊर्जा, विमान एवं विमान कलपुर्जों, पूंजीगत वस्तुओं तथा प्रौद्योगिकी उत्पादों सहित पांच वर्षों में अमेरिका से 500 अरब डॉलर के सामान की खरीद की भारत की घोषित मंशा को बुनियादी ढांचा विस्तार, विमानन वृद्धि और डिजिटल अर्थव्यवस्था की महत्वाकांक्षाओं के अनुरूप रणनीतिक आयात प्रतिबद्धता के रूप में देखा जाना चाहिए।

गैर-शुल्क बाधाओं के हटने से बढ़ेगा मुक्त व्यापार

डेलॉयट इंडिया के साझेदार गुलजार डिडवानिया ने कहा कि दोनों पक्षों की ओर से गैर-शुल्क बाधाओं को हटाने पर ध्यान देने से दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार को और बढ़ावा मिलेगा। वर्तमान भू-राजनीतिक स्थिति में यह समग्र रूप से एक अत्यंत सकारात्मक विकास है और इससे भारतीय निर्यातकों को तात्कालिक तथा दीर्घकालिक दोनों ही अवधि में लाभ होगा। फ्लोरेंस शू कंपनी के चेयरमैन एवं ग्रैंड अटलांटिया पनपक्कम एसईजेड प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक अकील पनारुना ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता भारत के जूता एवं चमड़ा क्षेत्र के लिए बड़ा प्रोत्साहन है। पहले भारतीय जूता निर्यात पर अमेरिका में 50% तक शुल्क था जिससे प्रतिस्पर्धात्मकता एवं दीर्घकालिक सोर्सिंग प्रभावित थी। नए समझौते से शुल्क युक्तिकरण, बाजार पहुंच की बहाली और भारतीय निर्माताओं को आत्मविश्वास के साथ निर्यात बढ़ाने में मदद मिलने की उम्मीद है। हम तमिलनाडु में अपने 2,500 करोड़ रुपये के संयुक्त उद्यम का विस्तार करने की योजना बना रहे हैं। इसमें हमारे ताइवानी साझेदार शामिल हैं जो दुनिया के दूसरे एथलेटिक फुटवियर उत्पादकों में से हैं। निर्माणाधीन इकाई के अप्रैल तक पूरे होने की उम्मीद है। भविष्य में भी निवेश की योजना है और परिवार संचालित चमड़ा कारोबार का विस्तार जारी रहेगा।

2026-27 में जीडीपी रहेगी 6.4% : मूडीज

- रेटिंग एजेंसी ने जी-20 देशों में तेज बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बताया

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर आगामी वित्त वर्ष में 6.4% रहने का अनुमान है जो घरेलू खपत में मजबूती, नीतिगत उपायों और स्थिर बैंकिंग प्रणाली के दम पर जी-20 अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेज होगी। रेटिंग एजेंसी मूडीज रेटिंग्स ने अपनी रिपोर्ट में ये बात कही।

मूडीज ने बैंकिंग प्रणाली परिदृश्य रिपोर्ट में कहा कि परिसंपत्ति गुणवत्ता मजबूत बनी रहेगी। सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) में कुछ दबाव देखने को मिल सकता है। इसके बावजूद, बैंकों के पास ऋण नुकसान को झेलने के लिए पर्याप्त भंडार है। मजबूत व्यापक आर्थिक परिस्थितियों और संरचनात्मक सुधारों के समर्थन से 2026 में बैंकों के लिए परिचालन माहौल मजबूत रहेगा। 2026-27 में भारत की वास्तविक जीडीपी दर 6.4% रहेगी जो मजबूत घरेलू खपत एवं नीतिगत उपायों से सबसे तेज होगी। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि सितंबर 2025 में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) का युक्तिकरण और इससे पहले व्यक्तिगत आयकर की सीमा बढ़ाए जाने से उपभोक्ताओं की वहन क्षमता सुधरेगी एवं खपत आधारित वृद्धि को समर्थन मिलेगा। 2026-27 के लिए मूडीज का यह अनुमान वित्त मंत्रालय की आर्थिक समीक्षा में जताई गई 6.8-7.2 प्रतिशत की सीमा से कम है।

2025-26 में वृद्धि दर 7.4% रहने की संभावना

आधिकारिक अनुमानों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष (2025-26) में भारत की वृद्धि दर 7.4% रहने की संभावना है जो 2024-25 में दर्ज 6.5% से अधिक है। मूडीज ने कहा कि मुद्रास्फीति नियंत्रण में रहने और वृद्धि की गति मजबूत बने रहने से वह उम्मीद करता है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) 2026-27 में मौद्रिक नीति में और ढील तभी देगा, जब आर्थिक गतिविधियों में सुस्ती के संकेत मिलेंगे। आरबीआई ने 2025 में अपनी नीतिगत दर में 1.25% की कटौती कर इसे 5.25% कर दिया है। मूडीज के अनुसार, समूची बैंकिंग प्रणाली में ऋण वृद्धि वित्त वर्ष 2026-27 में मामूली बढ़कर 11-13% रह सकती है जो 2025-26 में अब तक 10.6% रही है।

आयकर कानून का नया नियम अनुपालन बोझ को करेगा कम

- मार्च के पहले सप्ताह में अधिसूचित किए जाने की उम्मीद, नियमों की संख्या 35% घटाकर की 333, फॉर्म संख्या में 50% की कटौती

नई दिल्ली, एजेंसी

नये आयकर कानून के लिए जारी नियमों का मसौदा एवं फॉर्म को काफी सरल बनाया गया है। इसमें नियमों की संख्या 35 प्रतिशत घटाकर 333 कर दी गई है जबकि फॉर्म की संख्या में 50%से अधिक की कटौती की गई है। इस पहल का मकसद करदाताओं के लिए प्रावधानों को सरल बनाना, अनुपालन बोझ को कम करना और व्यवस्था को करदाताओं के अनुकूल बनाना है।

आयकर विभाग के सूत्रों ने कहा कि नये मसौदा नियम और फॉर्म पर लोगों के सुझाव आने के बाद इसे मार्च के पहले सप्ताह में अधिसूचित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि कर विभाग ने बीते सप्ताह शनिवार को नये आयकर कानून, 2025 के तहत नियमों का मसौदा एवं फॉर्म जारी किये थे। आयकर विभाग ने 22 फरवरी तक आयकर नियम, 2026 के मसौदा नियम और फॉर्म पर संबंधित पक्षों से सुझाव मांगे हैं। नया आयकर कानून, 2025 1 अप्रैल, 2026 से लागू होगा।

नकद जमा में पैन के उल्लेख को लेन-देन सीमा बढ़ाने का प्रस्ताव

- सीबीडीसी को इलेक्ट्रॉनिक भुगतान के स्वीकृत तरीके के तौर पर किया शामिल

नई दिल्ली। आयकर नियम के मसौदे में बैंकों में नकद जमा/निकासी, गाड़ी व संपत्ति खरीदने और होटल बिल भुगतान के लिए पैन का उल्लेख करने को लेकर लेन-देन सीमा को बढ़ाने का प्रस्ताव है। मसौदे में नियोक्ताओं द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं का मूल्य बढ़ाने और क्रिप्टो एक्सचेंज के लिए कर विभाग के साथ जानकारी साझा करना अनिवार्य करने का भी प्रस्ताव है। इसमें केंद्रीय बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) को इलेक्ट्रॉनिक भुगतान के स्वीकृत तरीके के तौर पर भी शामिल किया गया है। मसौदा नियम में आवास किराया भत्ते का दावा करने के मकसद से बेंगलुरु, पुणे, अहमदाबाद और हैदराबाद के लिए श्रेणी-1 सूची का विस्तार किया गया है।

पीएसबी का लाभ 18% बढ़कर 52,603 करोड़

- एसबीआई का 52,603 करोड़ के लाभ में 40% का योगदान

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की अगुवाई में, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने मौजूदा वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 52,603 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड लाभ कमाया है। यह सालाना आधार पर 18% की वृद्धि है।

सार्वजनिक क्षेत्र के सभी बैंकों (पीएसबी) ने मिलकर 2024-25 की दिसंबर तिमाही में 44,473 करोड़ रुपये का लाभ कमाया था। पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही के मुकाबले लाभ में कुल मिलाकर 8,130 करोड़ की बढ़ोतरी हुई। एसबीआई ने अकेले 52,603 करोड़ के कुल लाभ में 40% का योगदान दिया। स्टेट बैंक का शुद्ध लाभ तीसरी तिमाही में सालाना आधार पर 24 प्रतिशत बढ़कर 21,028 करोड़ रुपये रहा।

भारत-अमेरिका समझौते से सेंसेक्स 485 अंक चढ़ा

- बैंकों, टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं तथा रियल्टी शेयरों में लिवाली से बाजार को मिला समर्थन

मुंबई, एजेंसी

प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में सोमवार को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में तेजी जारी रही। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर उत्साह और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं तथा रियल्टी शेयरों में जोरदार लिवाली से बाजार को समर्थन मिला।

बीएसई सेंसेक्स 485.35 अंक बढ़कर 84,065.75 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान

यह 734.28 अंक चढ़ा था। वहीं, एनएसई निफ्टी 173.60 अंक बढ़कर 25,867.30 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में एसबीआई, टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा स्टील, इटर्नल, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, कोटक महिंद्रा, इंडिगो, ट्रेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एलएंडटी, सन फार्मा और एशियन पेंट्स में तेजी हुई। पावरग्रिड, एनटीपीसी, आईटीसी, आईसीआईसीआई, इन्फोसिस, एचडीएफसी, टेक महिंद्रा, मारुति सुजुकी और एक्सिस बैंक के शेयर नुकसान में रहे। स्मॉलकैप सेलेक्ट सूचकांक 2.31 और मिडकैप 1.27 प्रतिशत चढ़ा। क्षेत्रवार सूचकांकों में पीएसयू बैंक सबसे अधिक 2.83 प्रतिशत चढ़ा।

बिजनेस ब्रीफ

जेटवर्क को छोड़ फॉल्गर डिक्सन में हुए शामिल

नई दिल्ली। जेटवर्क के इलेक्ट्रॉनिक्स कारोबार प्रमुख जोश फॉल्गर ने कंपनी से इस्तीफा दे दिया है और वह प्रतिद्वंद्वी डिक्सन टेक्नोलॉजीज की अनुषंगी कंपनी में शामिल हो गए हैं। कंपनी के प्रस्तावित आईपीओ से पहले एक महीने में कंपनी के यह दूसरे शीर्ष अधिकारी का इस्तीफा है। डिक्सन टेक्नोलॉजीज ने शेयर बाजार को बताया कि फॉल्गर को पैजेट इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड में आईटी हार्डवेयर एवं नए प्रोजेक्ट्स के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है, जो डिक्सन की स्वामित्व वाली/गैर-सूचीबद्ध अनुषंगी कंपनी है।

मारुति ने रेलवे से रिकॉर्ड 5.85 लाख वाहन भेजे

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया ने रेलवे से 2025 में 5.85 लाख से अधिक वाहनों को भेजा। यह 2024 की तुलना में 18 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। मोटर वाहन विनिर्माता कंपनी ने कहा कि आपूर्ति में रेल परिवहन की उसकी हिस्सेदारी तेजी से बढ़ी है जो 2016 में 5.1 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 26 प्रतिशत हो गई है। इससे कार्बन उत्सर्जन, देश के तेल आयात में उल्लेखनीय कमी आई है और सड़क पर लगने वाला जाम भी कम हुआ है।

पर्पल इक्विटी वारंट से जुटाएगी 69 करोड़

नई दिल्ली। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी पर्पल फाइनेंस ने 55 रुपये प्रति इक्विटी वारंट की दर से 1.26 करोड़ इक्विटी वारंट जारी कर 69.30 करोड़ जुटाने की योजना बनाई है। हालांकि यह नियामकीय मंजूरी के अधीन होगा। पर्पल फाइनेंस ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि इस संबंध में फैसला छह फरवरी को हुई निदेशक मंडल की बैठक में लिया गया। मौजूदा एवं नए दोनों निवेशकों की भागीदारी उसके मॉडल, ढांचे और दीर्घकालिक वृद्धि रणनीति में बढ़ते भरोसे को दर्शाती है।

आईओसी और एचपीसीएल ने वेनेजुएला का कच्चा तेल खरीदा

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने संयुक्त रूप से वेनेजुएला से 20 लाख बैरल कच्चे तेल की खरीद की है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में वेनेजुएला के तेल की आपूर्ति दोबारा शुरू होने के बाद भारतीय रिफाइनरी कंपनियों द्वारा किया गया यह दूसरा बड़ा सौदा है।

सूत्रों ने बताया कि दोनों कंपनियों ने अप्रैल के दूसरे पखवाड़े में आपूर्ति के लिए ट्रैफिगुरा से 20 लाख बैरल मेरे कच्चा तेल खरीदा है। इसमें से 15 लाख बैरल तेल ओडिशा में आईओसी की पारादीप तेल रिफाइनरी को और शेष 5,00,000 बैरल तेल आंध्र प्रदेश में एचपीसीएल की विशाखापत्तनम इकाई को दिया जाएगा। वेनेजुएला के कच्चे तेल के लिए यह दूसरा सौदा है। इससे पहले रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अप्रैल में आपूर्ति के लिए विटोल से 20 लाख बैरल तेल खरीदा था। दुनिया के तीसरे सबसे बड़े तेल उपभोक्ता भारत ने अमेरिकी प्रतिबंध दोबारा लागू होने के बाद वेनेजुएला से कच्चे तेल की खरीद रोक दी थी। अब अमेरिका द्वारा विटोल और ट्रैफिगुरा को वेनेजुएला का तेल बेचने का लाइसेंस दिए जाने के बाद आयात फिर से शुरू हो गया है। यह घटनाक्रम वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को बंदी बनाए जाने और वहां के ऊर्जा उद्योग पर अमेरिका के बढ़ते नियंत्रण के बीच हुआ है।

नो-कॉस्ट ईएमआई के पीछे का खेल नहीं समझेंगे तो होगा भारी नुकसान

नो-कॉस्ट ईएमआई भारत के ऑनलाइन और ऑफलाइन रिटेल मार्केट में सबसे लोकप्रिय भुगतान विकल्प बन चुका है। इलेक्ट्रानिक उपकरण से लेकर महंगे घरेलू सामान तक, हर जगह बिना ब्याज की किस्तों का आकर्षक दावा किया जाता है। आम ग्राहक इसे राहत भरा विकल्प मानता है, क्योंकि एकमुश्त बड़ी रकम नहीं चुकानी पड़ती है। लेकिन इस सुविधा के पीछे का गणित उतना सीधा नहीं है, जितना दिखता है। कई बार नो-कॉस्ट ईएमआई के नाम पर मिलने वाली छूट कम हो जाती है, अतिरिक्त शुल्क जुड़ जाते हैं और कुल लागत बढ़ जाती है। सही जानकारी के बिना यह सुविधा फायदे से ज्यादा नुकसान का सौदा बन सकती है।

क्या यह वाकई फ्री होती है

नो-कॉस्ट ईएमआई का मतलब यह नहीं होता कि उस पर कोई ब्याज लगता ही नहीं। टैक्समैनेजर. इन के फाउंडर और सीईओ दीपक जैन के मुताबिक, ईएमआई पर लगने वाला ब्याज अक्सर किसी और तरीके से एडजस्ट किया जाता है। आमतौर पर यह रकम पहले से दिए जाने वाले डिस्काउंट में समाहित होती है या फिर सेलर और प्लेटफॉर्म वहन करते हैं। ग्राहक को अलग से ब्याज चुकाते हुए नहीं दिखता, लेकिन उसकी कीमत प्रोडक्ट की कुल डील में शामिल रहती है।

नो-कॉस्ट मॉडल कैसे करता है काम

ज्यादातर मामलों में बैंक ईएमआई पर सामान्य ब्याज दर लगाते हैं। फर्क बस इतना होता है कि वही ब्याज राशि एक डिस्काउंट के रूप में पहले ही घटा दी जाती है। कागजों पर ईएमआई बिना ब्याज की दिखती है, लेकिन वास्तविकता में ग्राहक उस छूट का लाभ खो देता है, जो फुल पेमेंट पर मिल सकता था। यहीं से नो-कॉस्ट ईएमआई का खेल शुरू होता है।

वो कीमत जो आपको दिखती नहीं

नो-कॉस्ट ईएमआई चुनते ही कई मंच तत्काल छूट, कैशबैक या फेस्टिव ऑफर हटा देते हैं। उदाहरण के तौर पर, 50,000 के प्रोडक्ट पर फुल पेमेंट में 4,000 रुपये की छूट मिल रही है, तो ईएमआई चुनने पर वही छूट घटकर 2,500 रुपये हो सकती है। मासिक किस्तें भले ही आसान लगें, लेकिन कुल मिलाकर आप ज्यादा भुगतान कर रहे होते हैं।

बाद में सामने आने वाले चार्ज

बैंक ईएमआई कन्वर्जन पर प्रोसेसिंग फीस लेते हैं। ईएमआई के ब्याज वाले हिस्से पर जीएसटी भी लगाया जाता है। ये चार्ज अक्सर खरीदारी के समय साफ तौर पर नहीं दिखते और ग्राहक को पहली क्रेडिट कार्ड स्टेटमेंट आने पर उनका पता चलता है।

क्रेडिट प्रोफाइल पर असर

हर ईएमआई लोन होती है। एक साथ कई ईएमआई चल रही हों, तो कुल क्रेडिट एक्सपोजर बढ़ जाता है। इसका असर भविष्य में होम लोन, कार लोन या क्रेडिट लिमिट बढ़वाने के समय दिख सकता है। यही वजह है कि शॉर्ट-टर्म कंज्यूमर क्रेडिट पर जरूरत से ज्यादा निर्भरता को लेकर आरबीआई चेतावनी देता रहता है।

लागत की तुलना करना जरूरी

अगर फुल पेमेंट पर कोई खास डिस्काउंट नहीं मिल रहा, प्रोसेसिंग फीस कम है और ईएमआई से आपका कैश फ्लो बेहतर तरीके से मैनेज हो रहा है, तो नो-कॉस्ट ईएमआई एक व्यवहारिक विकल्प हो सकती है। लेकिन फैसला लेने से पहले कुल लागत की तुलना करना बेहद जरूरी है।

सुविधा है, मुफ्त पैसा नहीं

नो-कॉस्ट ईएमआई कोई धोखा नहीं, लेकिन यह कोई ऑफर भी नहीं है। यह सिर्फ भुगतान को आसान बनाती है, सस्ता नहीं। खरीदारी से पहले शर्तों को ध्यान से पढ़ें, छूट और फीस का हिसाब लगाएं और तभी तय करें कि यह सौदा सच में आपके लिए फायदेमंद है या नहीं।

एमएसई के लिए गारंटीमुक्त ऋण की सीमा 20 लाख तक बढ़ी

- आरबीआई ने बैंकों को आदेश दिया कि ऋण के मामले में कोई गारंटी स्वीकार न करें

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सोमवार को सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र के लिए ऋण संबंधी निर्देशों में संशोधन की घोषणा की। छोटे व्यवसायों के लिए ऋण की पहुंच आसान बनाने के उद्देश्य से सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों (एमएसई) के लिए गारंटीमुक्त ऋण की अनिवार्य सीमा को बढ़ाकर 20 लाख रुपये कर दिया गया है।

संशोधित दिशानिर्देशों में कहा गया कि बैंकों को आदेश दिया जाता है कि वे एमएसई क्षेत्र की इकाइयों को दिए जाने वाले 20 लाख तक के ऋण के मामले में कोई गारंटी स्वीकार न करें। साथ ही, बैंकों को सलाह दी जाती है कि वे प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के तहत वित्तपोषित सभी इकाइयों को भी 20 लाख रुपये तक का बिना गारंटी वाला ऋण प्रदान करें। आरबीआई ने कहा कि बैंक अपनी आंतरिक नीति के अनुसार, एमएसई इकाइयों के पिछले बेहतर प्रदर्शन के आधार पर 25 लाख रुपये तक के ऋण के लिए सुरक्षा गारंटी की आवश्यकता को समाप्त करने का निर्णय ले सकते हैं। इसके अतिरिक्त, बैंक जहां भी लागू हो, क्रेडिट गारंटी योजना (सीजीएमई) के कवर का लाभ भी उठा सकते हैं। संशोधित निर्देशों में स्पष्ट है कि यदि ऋण लेने वाला व्यक्ति बिना गारंटी वाली सीमा तक के ऋण के लिए मर्जी से सोना या चांदी गिरवी रखता है, तो इसे उपरोक्त नियमों का उल्लंघन नहीं माना जाएगा। आरबीआई ने कहा कि इसका उद्देश्य उन सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए ऋण वितरण की अंतिम कड़ी को मजबूत करना है।

श्रम कानून

श्रम मंत्रालय से जारी बयान में नोएडा स्थित वीवी गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान के सर्वेक्षण का दिया हवाला

ज्यादातर श्रमिकों को उम्मीद, नई श्रम संहिताओं से बेहतर होंगी कार्य स्थितियां

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में चार नई श्रम संहिताओं के लागू होने से कार्यबल को मजबूत संरक्षण, नियमों के सरल अनुपालन और कामकाज की बेहतर स्थितियां मिलने की उम्मीद है। सर्वेक्षण के अनुसार, करीब 60 प्रतिशत श्रमिकों का मानना है कि इन नई संहिताओं के लागू होने से उनकी कार्य स्थितियों में समग्र सुधार होगा। श्रम मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान में नोएडा स्थित वी वी गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान (वीवीजीएनएलआई) के सर्वेक्षण के हवाले से यह जानकारी दी गई। यह संस्थान श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के अंतर्गत एक स्वायत्त निकाय है।

केंद्र सरकार ने पिछले वर्ष 21 नवंबर को चार श्रम संहिताओं को अधिसूचित किया था और 31 दिसंबर, 2025 को नियमों के मसौदे पर सुझाव मांगे थे। सरकार का इरादा एक अप्रैल, 2026 से इन चारों संहिताओं को पूरी तरह प्रभावी बनाने का है। मंत्रालय के अनुसार, श्रम संहिताओं का कार्यान्वयनः धारणा आधारित विश्लेषण शीर्षक वाले इस अध्ययन से पता चलता है कि इन सुधारों को लेकर श्रमिकों और नियोक्ताओं के बीच विश्वास और सकारात्मकता बढ़ी है। सर्वेक्षण के मुख्य निष्कर्षों के अनुसार, 63% श्रमिकों को काम के घंटों के बेहतर नियमन और 60% को अवकाश के प्रावधानों में सुधार की उम्मीद है। 66% श्रमिकों का मानना है कि सुरक्षा और परिवहन से जुड़ी अनिवार्यताओं से महिला कर्मचारियों को बेहतर संरक्षण मिलेगा। आय सुरक्षा के मोर्चे पर, 64% श्रमिकों को वेतन में पारदर्शिता और 54% को समय पर भुगतान की उम्मीद है। सामाजिक सुरक्षा के संबंध में, 68% श्रमिकों ने ई-श्रम और कल्याण बोर्ड के माध्यम से सुविधाओं तक आसान पहुंच की सराहना की है।

कार्यबल का लचीलापन कारोबार के लिए महत्वपूर्ण

63% श्रमिकों का मानना है कि नई संहिताओं से अनुबंध, प्रवासी और गिग या अस्थायी श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ उठाना और भी आसान हो जाएगा। 76% नियोक्ताओं ने कार्यबल के लचीलेपन को कारोबार के लिए महत्वपूर्ण माना है। नियोक्ताओं के दृष्टिकोण से, करीब 64% का मानना है कि निश्चित अवधि का रोजगार उनके कारोबारी मॉडल के लिए उपयुक्त है। 64% को उम्मीद है कि वेतन भुगतान के समयबद्ध नियम कार्यस्थल पर अनुशासन को बढ़ावा देंगे। 73% ने लंबी अवधि में नियमों के अनुपालन के सरल होने का अनुमान जताया है, जबकि 62% इस बात पर सहमत हैं कि नई व्यवस्था से श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा का दायरा बढ़ेगा। 73% का मानना है कि नई संहिताओं से नियमों के अनुपालन की जटिलताएं कम होंगी और प्रक्रिया सरल हो जाएगी। यह शोध कुल 6,435 लोगों के नमूने (सैंपल) पर आधारित है, जिसमें 5,720 श्रमिक और 715 नियोक्ता शामिल थे। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि ये निष्कर्ष श्रम संहिताओं के उस उद्देश्य को रेखांकित करते हैं, जिसका लक्ष्य सभी के लिए सामाजिक सुरक्षा, सम्मानजनक कार्य और समावेशी विकास को बढ़ावा देना है।

गुटखा-तंबाकू निर्माताओं को हाईकोर्ट से मिली राहत

- मशीन के वीडियो फुटेज न देने पर जीएसटी विभाग को कार्रवाई न करने के निर्देश
- दो कंपनियों के मामले में आदेश दिए जाने से दूसरे निर्माताओं के लिए खुला रास्ता

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृच विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गुटखा व तंबाकू निर्माताओं द्वारा सीसीटीवी कैमरों की फुटेज न दिए जाने पर भी उनके खिलाफ जीएसटी विभाग को कार्रवाई नहीं करने के निर्देश दिए हैं। यह आदेश दो कंपनियों के न्यायालय में जाने के बाद जारी किया गया है। इस आदेश ने अन्य निर्माताओं के भी कोर्ट जाने और वहां से राहत लेने का रास्ता खोल दिया है।

एक फरवरी से जीएसटी विभाग ने एमआरपी पर 40% टैक्स का निर्णय जारी किया है। इतना ही नहीं राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर भी मशीनों की संख्या, उनकी पाउच पैकिंग की रफ्तार, वजन, उसके मूल्य पर लगाने के आदेश दिए हैं। साथ ही ढाई ग्राम वजन वाले मशीन की 500 पाउच पैकिंग प्रति मिनट की रफ्तार है, तो उस पर एक करोड़ एक लाख प्रति माह उपकर अदा करना होगा। यदि पाउच का वजन ढाई ग्राम से ज्यादा व 10 ग्राम तक है, तो उपकर तीन करोड 64 लाख प्रति माह होगा। वहीं अतिरिक्त एक्साइज ड्यूटी पाउच की एमआरपी और मशीन की पैकिंग करने की रफ्तार पर देनी होगी। दो रुपये के पाउच पर प्रति मिनट 500 पाउच पैक करने वाली मशीन पर 83 लाख अतिरिक्त एक्साइज ड्यूटी देनी होगी।

यदि पैकिंग की रफ्तार 500 पाउच से 1,000 पाउच प्रति मिनट है, तो 1 करोड़ 66 लाख अतिरिक्त एक्साइज ड्यूटी देनी होगी। यदि तंबाकू के पाउच का मूल्य दो रुपये से अधिक है तो खुदरा मूल्य से 38 लाख रुपये देने होंगे। साथ ही हर मशीन पर वीडियो कैमरा लगाने को कहा गया है, जिसके फुटेज अगर अधिकारी मांगते हैं तो उन्हें 48 घंटे के अंदर देने होंगे।

वर्ल्ड ब्रीफ

नेपाल: जेन जी आंदोलन के जांच आयोग का कार्यकाल फिर बढ़ा

काठमांडू। नेपाल सरकार ने पिछले साल जेन जी विरोध प्रदर्शन के दौरान अत्यधिक बल प्रयोग की जांच के लिए गठित आयोग का कार्यकाल सोमवार को 25 दिनों के लिए और बढ़ा दिया। यह तीसरी बार है जब जांच आयोग की समय सीमा बढ़ाई गई है। आयोग के प्रवक्ता एवं सदस्य विज्ञान राज शर्मा ने कहा कि मंत्रिपरिषद की एक बैठक में समय सीमा 11 मार्च तक बढ़ाने का निर्णय लिया गया। आयोग का कार्यकाल बुधवार यानी 11 फरवरी को समाप्त हो रहा था। पूर्व न्यायाधीश गौरी बहादुर कार्की के नेतृत्व में तीन-सदस्यीय जांच आयोग का गठन पिछले साल सितंबर में किया गया था।

ईशनिंदा : पाकिस्तान में पूर्व सैन्य अधिकारी की मौत की सजा रद्द

लाहौर। लाहौर उच्च न्यायालय ने ईशनिंदा के मामले में एक पूर्व सैन्य अधिकारी को निचली अदालत द्वारा सुनाई गई मौत की सजा को रद्द करते हुए सबूतों के अभाव में उन्हें बरी कर दिया है। एक सत्र न्यायालय ने पिछले साल पंजाब सूबे की राजधानी लाहौर से लगभग 250 किलोमीटर दूर रावलपिंडी शहर में पैगंबर के बारे में अपमानजनक टिप्पणी करने के मामले में कर्नल (सेवानिवृत्त) मुहम्मद आरिफ को दोषी करार देते हुए मौत की सजा सुनाई थी। इस मामले में तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान नामक कट्टरपंथी इस्लामी संस्थान के एक कार्यकर्ता ने शिकायत की थी। हाल ही में शहबाज शरीफ सरकार ने इस संगठन को प्रतिबंधित किया है।

टोरंटो में भारतीय कनाडाई व्यक्ति की गोली मारकर हत्या

ओटावा। कनाडा के टोरंटो में एक व्यस्त शॉपिंग सेंटर के पार्किंग स्थल में अज्ञात हमलावरों द्वारा की गई गोलीबारी में 37 वर्षीय एक भारतीय-कनाडाई व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। इस संबंध में रविवार को जारी एक बयान में टोरंटो पुलिस ने मृतक की पहचान ब्रैम्पटन निवासी चंदन कुमार राजा नंदकुमार के रूप में की है। बयान के अनुसार, शनिवार को दोपहर लगभग 3:31 बजे पुलिस को रेक्सडेल बुलेवार्ड और राजमार्ग 27 पर स्थित वुडबाइन शॉपिंग सेंटर के पार्किंग स्थल में गोलीबारी की सूचना मिली।

एप्स्टीन से संबंधों के खुलासे के बाद जॉर्डन में नॉर्वे की राजदूत का इस्तीफा

ओस्लो, एजेंसी

- इस्तीफा देने के बाद भी जूल के खिलाफ जांच कराएगी सरकार

नॉर्वे की जॉर्डन में राजदूत तथा इराक के लिए भी मान्यता प्राप्त मोना जूल ने अमेरिकी यौन अपराधी जेफ्री एप्स्टीन के साथ संपर्कों से जुड़े खुलासों के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया है।

विदेश मंत्री एस्पेन बार्थ आइडे ने जूल के इस्तीफे को सही और आवश्यक बताते हुए कहा कि दोषसिद्ध यौन अपराधी के साथ उनका संपर्क गंभीर निर्णयात्मक चूक को दर्शाता है और इससे इस पद के लिए आवश्यक भरोसे के स्तर को बहाल करना कठिन हो गया था। मंत्रालय के अनुसार, जूल को पिछले सप्ताह उनके कार्य दायित्वों से मुक्त कर दिया गया था, जबकि मंत्रालय उनके एप्स्टीन से संबंधों और संपर्कों की समीक्षा कर रहा था।

मंत्रालय ने कहा कि जूल के इस्तीफे के बाद भी आंतरिक जांच जारी रहेगी, जिसमें सेवा के दौरान और सेवा से बाहर राज्य कर्मचारियों एवं अधिकारियों पर लागू नियमों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। मंत्रालय ने यह भी बताया कि उसने उस अवधि के दौरान अंतरराष्ट्रीय शांति संस्थान को दिए गए अनुदानों और उससे हुए संपर्कों की समीक्षा शुरू की है, जब जूल के पति टेर्जे रोड-लार्सन इस संस्था के प्रमुख थे।

तेल आयात: भारत के लाभ और हानि

कच्चे तेल की वैश्विक आपूर्ति का परिदृश्य एक बड़े बदलाव के दौर से गुजर रहा है। इसमें एक तरफ अमेरिका अपनी तेल उत्पादन क्षमता के कारण दुनिया का नेतृत्व कर रहा है, दूसरी तरफ ओपेक प्लस देशों की बाजार हिस्सेदारी कम हो रही है। भारत के लिए यह स्थिति रणनीतिक बदलावों की है, जिसमें वह रूस पर निर्भरता कम करते हुए अमेरिका और दूसरे देशों से आयात बढ़ाकर अपनी ऊर्जा सुरक्षा के उपाय कर रहा है। तेल आयात का मुद्दा चूंकि सिर्फ अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि भू रणनीतिक मुद्दों से भी जुड़ा हुआ है, इसलिए कई नई तरह की चुनौतियां खड़ी हो रही हैं। पिछले कुछ सालों में अमेरिका रूस और सऊदी अरब को पीछे छोड़कर दुनिया का सबसे बड़ा तेल उत्पादक देश भी बन चुका है। इसी के साथ उसने वैश्विक आपूर्ति की गति को नियंत्रित करना शुरू कर दिया है जो अलग किस्म की चुनौती है।

रूस बनाम अमेरिका

बदलता वैश्विक परिदृश्य

- वर्तमान वैश्विक तेल बाजार में मांग से अधिक आपूर्ति होने की संभावना है। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार 2026 में वैश्विक तेल आपूर्ति मांग से लगभग 3.85 मिलियन बैरल प्रतिदिन अधिक हो सकती है।
- ओपेक प्लस की बाजार हिस्सेदारी 2016 में 53% थी जो 2025 और 2026 में गिरकर 46% होने का अनुमान है। यह रूस और वेनेजुएला जैसे देशों पर प्रतिबंधों और अमेरिका के बढ़ते उत्पादन के कारण है।

भारत के लिए बदलती स्थितियां

- अमेरिका से व्यापार समझौते के बाद भारत ने रूसी तेल के आयात में कटौती शुरू कर 50% तक कम कर दिया है।
- भारत ने पांच वर्षों में अमेरिका से 500 बिलियन डॉलर मूल्य के ऊर्जा व तकनीकी उत्पाद खरीदने की योजना बनाई है।
- भारत अब नाइजीरिया, अंगोला और वेनेजुएला जैसे देशों से भी तेल आयात कर रहा है। इससे तेल आयात बिल बढ़ेगा।

दुनिया पर हावी अमेरिका

- अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा तेल उत्पादक बनकर वैश्विक आपूर्ति की गति को नियंत्रित कर रहा है।
- अमेरिका ने 2024 में 13.2 मिलियन बीपीडी औसत उत्पादन किया, अब 13.6 मिलियन उत्पादन का अनुमान।
- अमेरिका कोटा से बंधा नहीं है, 2015 से 2024 के बीच वैश्विक आपूर्ति में वृद्धि का 90% अकेले पूरा किया है।
- ऊर्जा बाजारों को प्रभावित कर रहा है। भारत पर रूसी तेल खरीदने पर 25% अतिरिक्त टैरिफ उदाहरण।

रूस से आयात न करने का असर

- अनुमान के अनुसार रूस से आयात बंद करने पर भारत का वार्षिक तेल आयात बिल 9 बिलियन से 11 बिलियन डॉलर तक बढ़ सकता है।
- अमेरिका या लैटिन अमेरिका से तेल मंगाना महंगा है। अमेरिकी खाड़ी तट से भारत तक तेल पहुंचने में 54 दिन लगते हैं, रूस से केवल 36 दिन।
- भारतीय रिफाइनरी रूस के मीडियम-सोर तेल को प्रोसेस करने के लिए अनुकूल हैं। अमेरिकी तेल के लिए सेटिंग्स बदलना महंगा पड़ेगा।

रणनीतिक चुनौती

- रूस से तेल बंद करना भारत की स्वतंत्र विदेश नीति के लिए चुनौती माना जा सकता है। अमेरिका के दबाव में आने का संकेत दुनिया में जाने का खतरा।
- रूस भारत का पुराना रक्षा और कूटनीतिक साझेदार है। तेल आयात बंद करने से इन दोनों क्षेत्रों में तनाव पैदा हो सकता है।

वैश्विक प्रभाव

- भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक है, रूसी तेल आयात बंद करने से अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें तेजी से बढ़ सकती हैं।

सेंगर की याचिका पर प्राथमिकता के आधार पर सुनवाई करने का निर्देश

दिल्ली हाईकोर्ट को तीन महीने में अपील का निस्तारण करने को कहा

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली हाईकोर्ट को उन्नाव दुष्कर्म पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत के मामले में भाजपा के निष्कासित नेता कुलदीप सिंह सेंगर की दोषसिद्धि को चुनौती देने वाली याचिका पर निर्धारित तारीख से पहले सुनवाई करने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि इस पर तीन महीने के भीतर फैसला सुनाया जाना चाहिए।

सीजेआई सूर्यकांत तथा न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने हाईकोर्ट के 19 जनवरी के आदेश को चुनौती देने वाली सेंगर की याचिका पर विचार करने से इन्कार कर दिया। पीठ ने कहा कि यदि पीड़ित परिवार की ओर से दायर की गई कोई अपील हो तो उस पर भी सेंगर की याचिका के साथ हाईकोर्ट को सुनवाई करनी चाहिए। पीठ सेंगर की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी गई है, जिसमें 10 साल की सजा को निलंबित करने से इन्कार कर दिया गया था। सीजेआई ने पीड़ित के वकील की ओर से मीडिया में बयान देने पर नाराजगी जताई। कहा, हम किसी अलग-थलग जगह पर नहीं बैठे हैं। हम जानते हैं कि बाहर 'मीडिया ट्रायल' चल रहा है। उन्होंने कहा कि वह अदालत के बाहर किसी भी तरह की समानांतर सुनवाई को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

दिल्ली हाईकोर्ट ने अंतरिम जमानत बढ़ाने की सेंगर की भाई की याचिका पर सीबीआई से जवाब मांगा

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने भाजपा से निष्कासित नेता कुलदीप सेंगर के भाई की उस याचिका पर सोमवार को सीबीआई से जवाब तलब किया, जिसमें उसने उन्नाव बलात्कार पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत मामले में अंतरिम जमानत तीन महीने और बढ़ाने का अनुरोध किया है। जयदीप सेंगर के वकील ने कहा कि अंतरिम जमानत की अवधि 11 फरवरी को समाप्त हो रही है और याचिकाकर्ता मुंह के कैंसर से पीड़ित होने के कारण जमानत बढ़ाने का अनुरोध करता है। जयदीप को एक निचली अदालत ने मामले में 10 साल की सजा सुनाई थी।

वांगचुक की हिरासत की समीक्षा में अभी कोई प्रगति नहीं... केंद्र ने कोर्ट से कहा

नई दिल्ली। केंद्र ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट को अवगत कराया कि सोनम वांगचुक की हालत बिल्कुल ठीक है और हिरासत में रहने के दौरान उन्हें एम्स जोधपुर से सर्वोत्तम उपचार मिल रहा है। केंद्र की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज ने न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति पीबी वराले की पीठ को यह भी बताया कि वांगचुक की हिरासत की समीक्षा के संबंध में अभी कोई प्रगति नहीं हुई है। न्यायमूर्ति वराले ने कहा कि पिछली बार भी यही दलील दी गई थी। उन्होंने कहा, समस्याएं हैं और इससे आप भी इन्कार नहीं कर रहे हैं। डॉक्टर का भी कहना है कि समस्या है और इलाज चल रहा है। इस पर नटराज ने कहा, वह पूरी तरह स्वस्थ हैं, जयपुर इलाज के लिए लद्दाख से बेहतर जगह है। इस पर न्यायमूर्ति वराले ने कहा, आप ऐसा नहीं कह सकते। पीठ ने वांगचुक की पत्नी गीतांजलि आंग्मो की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर बुधवार को सुनवाई करने पर सहमति जताई, जिसमें रासुका 1980 के तहत उनकी हिरासत को अवैध घोषित करने की मांग की गई है। पीठ ने स्पष्ट किया कि आगे कोई स्थगन नहीं दिया जाएगा।

वेस्ट बैंक पर अपना नियंत्रण और मजबूत करेगा इजराइल

यरुशलम। इजराइल की सुरक्षा कैबिनेट ने वेस्ट बैंक पर अपना नियंत्रण मजबूत करने और फलस्तीनी प्राधिकरण की पहले से ही सीमित शक्तियों को कमजोर करने वाले कदमों को मंजूरी दी। दक्षिणपंथी वित्त मंत्री बेजलेल स्मोट्रिच के कार्यालय ने कहा कि ऐसे फैसले लिए गए हैं जिनसे यहूदी बस्तियों के लिए फिलिस्तीनियों को जमीन छोड़ने के लिए मजबूर करना आसान हो जाएगा।

उसने एक बयान में कहा, हम फिलिस्तीनी राष्ट्र के विचार को खत्म करना जारी रखेंगे। निगरानी समूह ''पीस नाउ'' के शोधकर्ता योनातन मिजराची ने कहा कि इस फैसले को लागू करने के लिए ''वेस्ट बैंक'' के लिए इजराइल के शीर्ष कमांडर की मंजूरी की आवश्यकता है। फिलिस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने एक बयान में इस फैसले को खतरनाक और बस्ती विस्तार एवं भूमि अधिग्रहण को वैध बनाने का इजराइल का खुला प्रयास करार दिया। उन्होंने अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से तत्काल हस्तक्षेप करने का आह्वान किया।

भारत ने सेशेल्स को 17.5 करोड़ डॉलर का आर्थिक पैकेज देने की घोषणा की

नई दिल्ली, एजेंसी

- मोदी ने कहा- विश्वास की साझा दृष्टि से जुड़े हैं भारत व सेशेल्स

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेशेल्स के राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी के साथ व्यापक बातचीत की जिसके बाद भारत ने सोमवार को इस द्वीप राष्ट्र को विकास सहायता के रूप में 17.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर देने की घोषणा की। दोनों पक्षों ने सतत विकास, व्यापार, अर्थव्यवस्था और सुरक्षा के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए एक व्यापक दृष्टिपत्र पर भी सहमति व्यक्त की।

हर्मिनी भारत की छह दिवसीय यात्रा पर आए हैं। हिंद महासागर क्षेत्र में सेशेल्स भारत का एक महत्वपूर्ण समुद्री पड़ोसी देश है। मोदी ने अपने मीडिया वक्तव्य में कहा, भारत और सेशेल्स केवल भौगोलिक रूप से ही नहीं बल्कि इतिहास, विश्वास और भविष्य के लिए साझा दृष्टि से भी जुड़े हुए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि विकास साझेदारी भारत-सेशेल्स संबंधों की मजबूत आधारशिला रही है। उन्होंने कहा, हमारे सभी प्रयास सेशेल्स की प्राथमिकताओं और आवश्यकताओं पर आधारित रहे हैं। इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए, आज हम 17.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर का एक विशेष आर्थिक पैकेज घोषित करने जा रहे हैं।

मोदी ने कहा कि यह पैकेज ठोस परियोजनाओं को समर्थन देगा, जो सामाजिक आवास, परिवहन सुविधा, व्यावसायिक प्रशिक्षण, स्वास्थ्य, रक्षा और समुद्री सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में लागू की जाएंगी। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में दोनों देशों के लोगों के बीच परस्पर संबंधों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा, भारत-सेशेल्स संबंधों की सबसे बड़ी ताकत हमारे लोगों के बीच के संबंध हैं।

हांगकांग के पूर्व मीडिया दिग्गज जिमी लाई को 20 वर्ष कारावास

हांगकांग। हांगकांग के लोकतंत्र समर्थक पूर्व मीडिया दिग्गज एवं चीन के मुखर आलोचक जिमी लाई को सोमवार को 20 साल के कारावास की सजा सुनाई गई। लाई को चीन की ओर से लागू राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत दिसंबर में दोषी ठहराया गया था। यह इस कानून के तहत अब तक दी गई सबसे लंबी सजा है। इस कानून ने हांगकांग में असंतोष की आवाजों को लगभग पूरी तरह दबा दिया है।

लाई के खिलाफ मुकदमे को व्यापक पैमाने पर हांगकांग में प्रेस की स्वतंत्रता के पतन के एक संकेत के रूप में देखा गया है। उन पर ''एप्पल डेली'' के वरिष्ठ अधिकारियों और अन्य लोगों के साथ मिलकर, हांगकांग या चीन के खिलाफ प्रतिबंध लगाने या उनके विरुद्ध अन्य शत्रुतापूर्ण गतिविधियों में शामिल होने का विदेशी ताकतों से आग्रह करने का आरोप लगाया गया है। अब बंद हो चुके 'एप्पल डेली' अखबार के संस्थापक लाई (78) को इस मामले में अधिकतम आजीवन कारावास तक की सजा हो सकती थी। लाई को इस मामले में 20 साल की सजा सुनाई गई है। लाई के पास इस फैसले के खिलाफ अपील करने का विकल्प है। उनके सह-आरोपियों को छह साल तीन महीने से लेकर 10 साल कारावास तक की जेल की सजा मिली है।

- प्रेस की स्वतंत्रता का पतन, चीन के मुखर आलोचक रहे हैं लाई

सजा सुनाए जाने के समय लाई मुस्कुराए और समर्थकों की ओर हाथ हिलाकर अभिवादन किया। जब उनसे पूछा गया कि वह इस फैसले को चुनौती देंगे तो उनके वकील ने कहा कि वे कोई टिप्पणी नहीं करना चाहते। लाई के खिलाफ कार्रवाई की कुछ विदेशी सरकारों ने आलोचना की है। लाई को सजा सुनाने से चीन और विदेशी सरकारों के बीच तनाव पैदा हो सकता है। लाई की दोषसिद्धि की अमेरिका और ब्रिटेन ने आलोचना की थी।

वेनेजुएला में जेल से रिहा होते ही मचाडो के करीबी सहयोगी पाब्लो का अपहरण

काराकस। वेनेजुएला में विपक्ष की नेता मारिया कोरिना मचाडो ने कहा है कि उनके सबसे करीबी सहयोगियों में से एक जुआन पाब्लो गुआनिपा का जेल से रिहा होने के कुछ ही घंटों बाद अपहरण कर लिया गया है। सरकार ने राजनीतिक रूप से प्रेरित लंबी हिरासत के बाद रविवार को कई विपक्षी सदस्य रिहा किए थे, जिनमें गुआनिपा भी शामिल थे।

मचाडो ने सोशल मीडिया पर बताया कि गुआनिपा का मध्यरात्रि राजधानी काराकस से अपहरण कर लिया गया। चार वाहनों में आए भारी हथियारबंद पुरुषों ने उन्हें हिंसक तरीके से अगवा कर लिया। विपक्षी नेताओं की रिहाई ऐसे समय में हुई है जब कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज की सरकार पर उन सैकड़ों लोगों को रिहा करने का दबाव बढ़ रहा है जिनकी गिरफ्तारी महीनों या वर्षों पहले उनकी राजनीतिक गतिविधियों से जुड़ी हुई थी।

ईरान में अब सुधारवादी आंदोलन से जुड़ी हस्तियों को हिरासत में लेने का अभियान

दुबई। ईरानी सुरक्षा बलों ने देश में जारी सुधारवादी आंदोलन से जुड़ी प्रमुख हस्तियों को हिरासत में लेने के लिए अभियान शुरू कर किया। सुरक्षा बलों के इस कदम से दमनकारी कार्रवाई और भी तेज हो गई है।

इससे पहले अधिकारियों ने हिंसा के जरिए देशव्यापी प्रदर्शनों को दबा दिया था। सुरक्षा बलों की कार्रवाई में हजारों लोग मारे गए थे और हजारों प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया गया था। नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी को गिरफ्तार कर सात साल से अधिक जेल की एक और सजा सुनाई गई है। ईरान सरकार अशांति के खिलाफ बगावत करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को चुप करा रही है क्योंकि ईरान, अमेरिका के साथ नई परमाणु वार्ता का सामना कर रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप ने कई बार चेतावनी दी है कि अगर समझौता नहीं हुआ तो वह देश पर हमला कर सकते हैं।

नाइजीरिया में ट्रक दुर्घटनाग्रस्त होने से 30 लोगों की जान गई

कानो। उत्तरी नाइजीरिया में एक ट्रक के दुर्घटनाग्रस्त होने से 30 लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए।

कानो के गवर्नर कार्यालय के बयान के अनुसार, लापरवाही से वाहन चला रहे ट्रक चालक ने कानो के गेजावा स्थानीय सरकारी क्षेत्र के क्वानार बार्डे कस्बे में एक राजमार्ग पर ट्रक ने नियंत्रण खो दिया जिससे 30 लोगों की मौत हो गई। ट्रक रविवार तड़के कानो के गुजुंगु कस्बे की ओर कुछ यात्रियों को ले जा रहा था तभी दुर्घटनाग्रस्त हो गया। गवर्नर के प्रवक्ता के अनुसार गंभीर घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

थाईलैंड : अनुतिन चर्नविराकुल ने किया चुनाव जीतने का एलान

बैंकॉक। थाईलैंड के कार्यवाहक प्रधानमंत्री और भुमजैथाई पार्टी के नेता अनुतिन चर्नविराकुल ने कहा है कि उनकी पार्टी ने संसदीय चुनाव जीत लिए हैं।

चर्नविराकुल ने एक संवाददाता सम्मेलन में यह घोषणा करते हुए कहा कि यह पूरे देश की जीत है। चुनाव आयोग की ओर से 87 प्रतिशत बैलेट गिने जाने तक भुमजैथाई पार्टी ने बहुमत हासिल कर लिया। पीपुल्स पार्टी दूसरे और फ्यू थाई पार्टी तीसरे स्थान पर रही। इससे पूर्व, पीपल्स पार्टी के नेता नत्ताफोंग रुंगपान्यावुत ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा था कि उनकी पार्टी नतीजों को स्वीकार करती है।

बच्चों के यौन शोषण पर घिरा मेटा, अमेरिका में शुरू हुई सुनवाई

सांता फे, एजेंसी

- बच्चों के यौन शोषण के खतरों के बारे में भ्रामक जानकारी देने का है आरोप

मेटा के खिलाफ, सोशल मीडिया पर बच्चों के यौन शोषण के खतरों और अपने प्लेटफॉर्म की सुरक्षा को लेकर भ्रामक जानकारी देने के आरोपों से जुड़े मुकदमे की सुनवाई न्यू मैक्सिको में सोमवार से शुरू हो गई। यह बच्चों को होने वाले नुकसान को लेकर मेटा समेत प्रमुख सोशल मीडिया कंपनियों के खिलाफ दायर मुकदमों की श्रृंखला में पहली स्वतंत्र सुनवाई है।

सुनवाई के दौरान ऑनलाइन मौजूद आपत्तिजनक सामग्री और उसके प्रभावों पर विशेष ध्यान दिए जाने की संभावना है। न्यू मैक्सिको के अटॉर्नी जनरल राउल टोरेज़ ने वर्ष 2023 में मेटा के खिलाफ मुकदमा दायर किया था। मुकदमे में कहा गया है कि मेटा जानबूझकर बच्चों को यौन शोषण और मानसिक स्वास्थ्य को होने वाले नुकसान के दोहरे खतरों के सामने उजागर करता है और इसका उद्देश्य मुनाफा कमाना है। मेटा ने सभी आरोपों से इन्कार करते हुए कहा है कि अभियोजन पक्ष चुनिंदा सबूतों के जरिए सनसनीखेज दलीलें पेश कर रहा है। मेटा ने जांच को संदिग्ध बताते हुए आरोप लगाया कि फर्जी खातों में बच्चों की तस्वीरों का इस्तेमाल कर और जांच से जुड़ा डेटा नष्ट किया गया।

मेटा ने यह भी कहा कि वह लंबे समय से बच्चों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और उसने कई सुरक्षा फीचर विकसित किए हैं। यह स्पष्ट नहीं है कि मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग इस मुकदमे में गवाही देंगे या नहीं।

यौन अपराधियों के अनुकूल माहौल बनाने का है आरोप

अभियोजन पक्ष का कहना है कि जांच के दौरान अधिकारियों ने सोशल मीडिया पर बच्चों के रूप में फर्जी खाते बनाकर यह दर्ज किया कि किस तरह यौन प्रस्ताव भेजे गए और उन पर मेटा ने कैसी प्रतिक्रिया दी। मेटा फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप का स्वामी है। अभियोजकों का आरोप है कि मेटा के एल्गोरिद्म और अकाउंट फीचर युवाओं को सोशल मीडिया की ओर आकर्षित करते हैं और बच्चों का यौन शोषण करने वाले अपराधियों के लिए अनुकूल माहौल बनाते हैं।

आज का भविष्यफल

-पं. मनोज कुमार द्विवेदी

आज की ग्रह स्थिति : 10 फरवरी, मंगलवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-फाल्गुन, पक्ष-कृष्ण पक्ष, अष्टमी 07.27 तत्पश्चात नवमी।

आज का पंचांग

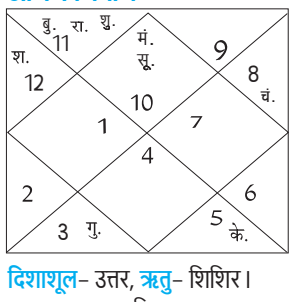

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुम्भ।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- विशाखा 07.55 तत्पश्चात अनुराधा।

मेष - आज आप धर्म-कर्म में अत्यधिक व्यस्त रहने वाले हैं। किन्तु कई बातों को लेकर क्रुद्ध हो सकते हैं। अपना मन शान्त रखें तथा अच्छी संगत में रहें। अचल संपत्ति के विवाद शांत होंगे। कमर में दर्द की शिकायत हो सकती है।

वृष - आज आय की दृष्टि से दिन बहुत ही उत्तम है। विरोधियों के ऊपर आपका प्रभाव बढ़ेगा। जल का सेवन पर्याप्त मात्रा में करें। सेहत की समस्या दूर होगी। व्यवसाय में बड़े अनुबंध मिलने की संभावना बन रही है। विद्यार्थियों को पढ़ाई में मन लगाना चाहिए।

मिथुन - आज बच्चों के ऊपर आप क्रोधित हो सकते हैं। आज प्रेमीजन से बहसबाजी हो सकती है। लेन-देन के मामलों में सावधानी रखें। शेयर मार्केट में कार्य कर रहे लोगों को लाभ मिलेगा। मन आज थोड़ा व्यथित रहेगा।

कर्क - आज कार्यक्षेत्र में लोगों से बहुत अधिक अपेक्षा न करें। अपनी इच्छानुसार कार्य होने से मन संतुष्ट रहेगा। परिजनों के लिए कुछ उपहार खरीद सकते हैं। जीवनसाथी से झगड़ा हो सकता है। पेटदर्द की शिकायत हो सकती है।

सिंह - आज मन में कुछ नया और प्रयोगवादी करने की इच्छा होगी। रुके हुये बहुत से काम आसानी से हो जायेंगे। पिता के साथ आवश्यक विषयों पर चर्चा कर सकते हैं। व्यापार में कुछ नया करने का विचार जन्म ले सकता है। अधिकारी आपके ऊपर कुछ अधिक निर्भर रहेंगे।

कन्या - आज आप अपने जीवनसाथी से मन की बातें शेयर कर सकते हैं। कारोबार को लेकर आप थोड़े तनाव में हो सकते हैं। नींद में बाधा उत्पन्न हो सकती है। योग और प्राणायाम को अपनी जीवनशैली का अंग बनायें। निजी जीवन में परेशानियों का अनुभव करेंगे।

तुला - आज आपका मानसिक तनाव पहले से काफी कम होगा। रोजगार के नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। सभी कार्य समय पर हो जायेंगे। विद्यार्थियों को परीक्षा में उत्तम परिणाम मिलेंगे। शाम के समय आपको कुछ शुभ समाचार मिल सकते हैं।

वृश्चिक - आज अपनी जीवनशैली में परिवर्तन न करें। दिन का शुरुआती भाग आपके लिए अत्यन्त सुखद रहेगा। भावनाओं में बहकर कोई निर्णय न लें। जीवनसाथी को लेकर थोड़ी चिंता रहेगी। दांपत्य सुख में कमी आ सकती है। खर्चों पर नियंत्रण रखें।

धनु - आज कारोबारियों की आय में वृद्धि होगी। योजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली परेशानी दूर होगी। आप जितनी मेहनत करेंगे उसका परिणाम आपको तुरंत प्राप्त होगा। नए भावनात्मक रिश्तों की शुरुआत हो सकती है। आपको मित्रों से भरपूर सहयोग मिलेगा।

मकर - आज आपको अपने आत्मसम्मान की चिंता रहेगी। संतान के व्यवहार से आप संतुष्ट रहेंगे। रुका हुआ धन अवश्य वापस मिल सकता है। युवा अपने करियर को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय ले सकते हैं। आज आप अपने काम का पूरी तरह से आनंद नहीं ले पायेंगे।

कुंभ - आज कार्यक्षेत्र में कुछ अनियमितता हो सकती है। पेट में गैस की समस्या हो सकती है। मसालेदार व तामसिक भोजन का सेवन न करें। प्रत्येक विषय पर आपको राय देने से बचना चाहिए। घर में आज अचानक मेहमान आ सकते हैं। जल्दबाजी में आपके काम बिगड़ सकते हैं।

मीन - आज स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें। आज सुबह आप किसी महत्वपूर्ण कार्य से यात्रा कर सकते हैं। लेकिन आज आपको यात्रा करने से बचना चाहिए। थकान और बुखार जैसी परेशानी हो सकती है। दोस्तों का व्यवहार आपको व्यथित कर सकता है।

सुडोकू-57

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	8				9		2	
2		7			3			
	5		1			7		4
		4			7		5	
	3						8	
	1		6			2		
5					1		3	
			2			5		
1			8				6	

सुडोकू - 56 का हल

2	5	6	3	1	9	8	4	7
4	9	8	7	5	2	6	3	1
7	3	1	4	6	8	5	9	2
3	2	7	5	9	4	1	6	8
1	8	4	6	3	7	9	2	5
5	6	9	8	2	1	4	7	5
9	1	5	2	7	6	3	8	4
6	4	2	1	8	3	7	5	9
8	7	3	9	4	5	2	1	6

अगर हम अपनी ताकत पर टिके रहते हैं और अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो हम किसी पर भी दबाव डाल सकते हैं। बेशक हम जानते हैं कि इंग्लैंड के खिलाफ यह मुश्किल होगा। वे एक विश्व स्तरीय टीम हैं।
–रिची बेरिंगटन, स्कॉटलैंड के कप्तान

स्टेडियम

बरेली, मंगलवार, 10 फरवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

आज के मैच

टीम	समय
नामीबिया–नीदरलैंड्स	पूर्वाह्न 11 बजे
न्यूजीलैंड–यूएई	दोपहर 3 बजे
पाकिस्तान–अमेरिका	शाम 7 बजे

हाईलाइट

अभ्यास सत्र के दौरान नीदरलैंड्स के माइकल लेविट। एजेंसी

नीदरलैंड्स का मैच नामीबिया से आज

नई दिल्ली/कोलंबो। पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 मंगलवार को दो ग्रुप ए लीग मैचों के साथ जारी रहेगा। नीदरलैंड्स का मुकाबला सुबह नई दिल्ली में नामीबिया से होगा, जिसके बाद पाकिस्तान का मुकाबला शाम को कोलंबो में यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका से होगा। नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में, नीदरलैंड्स टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज करना चाहेगा, जब वे नामीबिया से भिड़ेंगे। मैच सुबह 11:00 बजे शुरू होगा।

कर्नाटक रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल में

मुंबई। भारतीय बल्लेबाज लोकेश राहुल के 24वें प्रथम श्रेणी शतक की बदौलत कर्नाटक ने सोमवार को यहां 42 बार के चैंपियन मुंबई को चार विकेट से हराकर रणजी ट्रॉफी के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। राहुल ने 182 गेंद में 14 चौकों और एक छक्के से 130 रन की पारी खेली जिससे कर्नाटक ने 325 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए छह विकेट पर 325 रन बनाकर जीत दर्ज की। बेंगलुरु में अगले हफ्ते होने वाले सेमीफाइनल में कर्नाटक की भिड़ंत उत्तराखंड से होगी।

मनु को 25 मीटर पिस्टल में रजत पदक

नई दिल्ली। ओलंपिक की दोहरी कांस्य पदक विजेता मनु भाकर सोमवार को यहां स्वर्ण पदक जीतने के बेहद करीब पहुंचकर रोमांचक शूट ऑफ में पिछड़ गईं जिससे उन्हें एशियाई चैंपियनशिप की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक से संतोष करना पड़ा जबकि उनकी साथी भारतीय निशानेबाज ईशा सिंह को कांस्य पदक मिला। महाद्वीपीय प्रतियोगिता के मौजूदा सत्र के सबसे करीब मुकाबले में से एक में स्वर्ण पदक विजेता एनगुयेन थुय ट्रेंग और मनु दोनों ने फाइनल में समान 35 का स्कोर किया।

सुधीर ने किकबॉक्सिंग कप में जीता रजत

नई दिल्ली। भारतीय किकबॉक्सिंग के उभरते सितारे सुधीर सक्सेना ने एक बार फिर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का मान बढ़ाते हुए 5वीं इंडिया ओपन इंटरनेशनल किकबॉक्सिंग कप में रजत पदक अपने नाम किया है। इस प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन 4 से 8 फरवरी, 2026 तक नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम (के.डी. जाधव इंडोर हॉल) में वाको इंडिया किकबॉक्सिंग फेडरेशन द्वारा किया गया।

दक्षिण अफ्रीका ने एकतरफा मुकाबले में कनाडा को 57 रनों से परास्त किया

टी-20 विश्व कप : कप्तान एडेन मार्करम ने खेली आक्रामक अर्धशतकीय पारी

अहमदाबाद, एजेंसी

कप्तान एडेम मार्करम के शानदार अर्धशतक की मदद से दक्षिण अफ्रीका ने टी20 विश्व कप ग्रुप डी के अपने पहले मैच में सोमवार को कनाडा को 57 रन से हराया।

पहले बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर दक्षिण अफ्रीका ने चार विकेट पर 214 रन बनाए। मार्करम ने 32 गेंद में दस चौकों और एक छक्के की मदद से 59 रन बनाए। जवाब में कनाडा की टीम आठ विकेट पर 156 रन ही बना सकी। नवनीत धालीवाल ने 64 रन बनाए। कनाडा की शुरुआत काफी खराब रही और पहली ही गेंद पर कप्तान दिलप्रीत बाजवा आउट हो गए।

लुंगी एनगिडि की गेंद पर विकेटकीपर क्विंटोन डिकॉक ने उनका कैच लपका। एनगिडि ने 31 रन देकर चार विकेट लिए। तीसरे ओवर में एनगिडि ने युवराज शर्मा और किर्टोन को आउट कर दिया। इस समय कनाडा का स्कोर तीन ओवर में तीन विकेट पर 26 रन था। धालीवाल और हर्ष ठाकेर (29 गेंद में 33) ने पांचवें विकेट के लिये 69 रन जोड़े लेकिन मार्को यानसेन ने 18वें ओवर में लगातार दो विकेट लेकर टीम को जीत तक पहुंचाया। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका की पारी में माक्ररम ने दूसरे ओवर में डिलोन हेलाइगर को तीन चौके लगाए। क्विंटोन डि कॉक ने 22 गेंद में 25 रन बनाये और साद बिन जफर को लगातार दो चौके जड़े। दोनों ने पहले विकेट के लिये 6.5 ओवर में 70 रन की साझेदारी की और सभी गेंदबाजों को नसीहत दी। दक्षिण अफ्रीका को पहला झटका डिकॉक के रूप में लगा जो कनाडा के कप्तान और दाहिने हाथ के तेज गेंदबाज दिलप्रीत बाजवा का शिकार हुए। मार्करम ने बाजवा को चौका लगाकर सिर्फ 28 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। वहीं रियान रिकेलटन ने 21 गेंद में तीन चौकों और एक छक्के के साथ 31 रन बनाए। मार्करम को बायें हाथ के स्पिनर अंश पटेल ने लांग आन पर हेलाइगर के हाथों लपकवाया। इसके बाद रिकेलटन भी पटेल की गेंद पर हर्ष ठाकेर को सीधा कैच देकर लौटे। डेवाल्ड ब्रेविस चार गेंद तक ही टिक सके और इसी ओवर में मिड आफ पर निकोलस किर्टोन को कैच देकर पवेलियन लौट गए। आखिर में अनुभवी डेविड मिलर ने 23 गेंद में नाबाद 39 और ट्रिस्टन स्टब्स ने 19 गेंद में 34 रन बनाकर दक्षिण अफ्रीका को बड़ा स्कोर दिया। दोनों ने 37 गेंद में 75 रन की अटूट साझेदारी की। कनाडा के अंश पटेल ने तीन विकेट चटकाए।

जीत के बाद कनाडा के कलीम सना से हाथ मिलाते दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्करम (दाएं से दूसरे)। एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका

213/4 (20 ओवर)

मार्करम का हेलिंगर बो अंश	59
क्विंटोन डिकॉक बो बाजवा	25
रियान रिकेलटन का हर्ष बो अंश	33
डेवाल्ड ब्रेविस का किर्टोन बो अंश	06
डेविड मिलर नाबाद	39
ट्रिस्टन स्टब्स नाबाद	34

गेंदबाजी : कलीम 4–0–38–0, हेलिंगर 1–0–13–0, साद 3–0–38–0, बाजवा 4–0–40–1, जसकरण 4–0–49–0, अंश 4–0–31–3

कनाडा

156/8 (20 ओवर)

दिलप्रीत का डिकॉक बो एनगिडि	00
युवराज का डिकॉक बो एनगिडि	12
नवनीत का स्टब्स बो बॉश	64
निकोलस का रबाडा बो एनगिडि	04
श्रेयस मोवा बो रबाडा	09
हर्ष ठाकेर का रबाडा बो एनगिडि	33
साद बिन का बॉश बो यानसेन	11
जसकरण का स्टब्स बो यानसेन	00
डिलोन हेलाइगर नाबाद	04
कलीम सना नाबाद	05

गेंदबाजी : एनगिडि 4–0–31–4, यानसेन 4–0–30–2, रबाडा 4–0–40–1, बॉश 4–0–27–1, महाराज 4–0–28–0

अर्धशतकीय पारी के दौरान शॉट लगाते स्कॉटलैंड के बल्लेबाज जॉर्ज मुन्से।

स्कॉटलैंड ने इटली को 73 रनों से रौंदा

कोलकाता, एजेंसी

सलामी बल्लेबाज जॉर्ज मुन्से के आक्रामक अर्धशतक और माइकल लीस्क के ऑलराउंड खेल से स्कॉटलैंड ने आईसीसी टी20 विश्व कप के ग्रुप सी मैच में सोमवार को यहां इटली को 73 रन से रौंदकर पहली जीत दर्ज की।

स्कॉटलैंड के 208 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए इटली की टीम ऑफ स्पिनर लीस्क (17 रन पर चार विकेट) के करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी के सामने बेन मानेंती (52) के अर्धशतक और हैरी मानेंती (37) के साथ उनकी चौथे विकेट की 73 रन की साझेदारी के बावजूद 16.4 ओवर में 134 रन पर सिमट गई।

स्कॉटलैंड ने इससे पहले बाएं हाथ के बल्लेबाज मुन्से की 54 गेंद में दो छक्कों और 14 चौकों से 84 रन की पारी और माइकल जोन्स (37) के साथ पहले विकेट की उनकी 126 रन की साझेदारी से चार विकेट पर 207 रन बनाए और मौजूदा टूर्नामेंट में 200 रन के आंकड़े को पार करने वाली पहली टीम बनी। ब्रैंडन मैकमुलेन (नाबाद 41, 18 गेंद, चार छक्के) और लीस्क ने अंत में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। लीस्क ने अंतिम ओवर में थॉमस ड्रेका पर दो छक्के और दो चौके से 22 रन जुटाए।

इटली को मैच की शुरुआत में ही झटका लगा जब चौथे ओवर में कप्तान वेन मेडसन के बाएं कंधे में चोट लगी और उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा। वह मैच में आगे हिस्सा नहीं ले पाए।

पाकिस्तान सरकार ने भारत से मैच बहिष्कार का फैसला वापिस लिया

इस्लामाबाद/ढाका, एजेंसी

भारत और पाकिस्तान के बीच टी20 विश्व कप का मैच निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार होगा चूंकि पाकिस्तान सरकार ने बांग्लादेश और श्रीलंका के समझाने के बाद इस मैच के बहिष्कार का फैसला वापिस ले लिया है और इसके साथ ही टूर्नामेंट में जारी गतिरोध भी खत्म हो गया है। भारत और पाकिस्तान के बीच मैच कोलंबो में 15 फरवरी को होना है।

पाकिस्तान सरकार ने एक विज्ञप्ति में कहा बहुपक्षीय बातचीत के नतीजों और दोस्त देशों के अनुरोध के बाद पाकिस्तान सरकार पाकिस्तान की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम को निर्देश देती है कि वह 15 फरवरी 2026 को आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप का अपना निर्धारित मैच खेलने मैदान पर उतरे। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम ने इससे पहले जारी एक बयान में पाकिस्तान से क्रिकेट के हित में यह मैच खेलने का अनुरोध किया था। इसके बाद ही स्पष्ट हो गया था कि पाकिस्तान यह मैच खेलेगा। पाकिस्तान सरकार के बयान में कहा गया यह फैसला क्रिकेट की भावना की रक्षा और सभी प्रतिभागी देशों में इस वैश्विक खेल की निरंतरता का समर्थन करने के मकसद से लिया गया है।

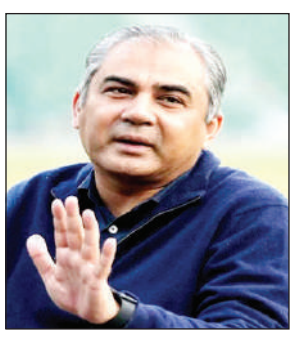

पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ को श्रीलंका से राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके का भी फोन आया था जिन्होंने उनसे बहिष्कार का फैसला वापिस लेने का अनुरोध किया था। इसमें कहा गया श्रीलंका के राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री से मौजूदा गतिरोध को सौहार्दपूर्ण ढंग से हल करने के लिए गंभीरता से विचार करने का अनुरोध किया था। सरकार का बयान आने से पहले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख मोहसिन नकवी ने शरीफ को आईसीसी से रविवार को हुई उनकी और इस्लाम की बातचीत का ब्यौरा दिया। नकवी ने इससे पहले कहा था कि अंतिम फैसला आने में एक दिन लगेगा।

- टी-20 विश्व कप में 15 फरवरी को होगा मुकाबला

उन्होंने कहा था बांग्लादेश सही था लिहाजा हमे उसका साथ देना ही था। भारत में सुरक्षा कारणों से खेलने से इनकार के बाद बांग्लादेश को विश्व कप से बाहर कर दिया गया था। बीसीबी प्रमुख इस्लाम ने ढाका में जारी बयान में पाकिस्तान को धन्यवाद दिया लेकिन यह भी कहा कि भारत के खिलाफ इस मैच को खेलना क्रिकेट के हित में है। उन्होंने एक बयान में कहा इस समय में बांग्लादेश के साथ खड़े होने के लिये हम पाकिस्तान के शुक्रगुजार हैं। यह भाईचारा बना रहे। उन्होंने कहा पाकिस्तान की कल संक्षिप्त यात्रा और हमारी बातचीत के बाद मैं पाकिस्तान से अनुरोध करूंगा कि समूचे क्रिकेट इकोसिस्टम के फायदे के लिये वह 15 फरवरी को भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप का मैच खेले। इधर नकवी ने इन अटकलों को भी खारिज किया था कि आईसीसी से कार्रवाई की चेतावनी मिलने के कारण पीसीबी दबाव में है। उन्होंने कहा आपको पता है कि हम इन धमकियों से डरने वालों में से नहीं है। सभी हमारे फील्ड मार्शल (असीम मुनीर) को जानते हैं। हम किसी प्रतिबंध से नहीं डरते।

बांग्लादेश को एक मेजबानी दी जाएगी

दुबई। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा कि बांग्लादेश को 2028 से 2031 के बीच में एक आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी दी जाएगी। भारत में खेलने से इनकार पर बांग्लादेश पर कोई दंड नहीं लगाया जाएगा।

सूत्र ने कहा कि आईसीसी उपाध्यक्ष इमरान ख्वाजा के साथ रविवार को हुई बातचीत में नकवी ने कई मुद्दे उठाए। इसमें भारत पाक क्रिकेट की बहाली और बांग्लादेश समेत त्रिकोणीय सीरीज का आयोजन शामिल है ताकि विश्व कप से बाहर होने से बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को हुए नुकसान की भरपाई हो सके। भारत-पाक द्विपक्षीय क्रिकेट आईसीसी के दायरे में नहीं है जबकि त्रिकोणीय सीरीज की मांग खारिज कर दी गई है। भारत ने एक दशक से अधिक समय से कोई त्रिकोणीय सीरीज नहीं खेली है। आईसीसी अगले अंडर 19 विश्व कप की मेजबानी बांग्लादेश को दे सकती है। सूत्र के मुताबिक नकवी ने ख्वाजा से सवाल किया कि अगर पाकिस्तान टीम ने एशिया कप ट्रॉफी किसी भारतीय बोर्ड अधिकारी से स्वीकार करने से इंकार कर दिया होता तो क्या आईसीसी ने चुप्पी साधी होती। यह ट्रॉफी फिलहाल दुबई स्थित एशियाई क्रिकेट परिषद मुख्यालय के एक बंद कमरे में है।

गेंदबाजों के कमाल से जिम्बाब्वे ने ओमान को आठ विकेट से हराया

कोलंबो, एजेंसी

ब्लेसिंग मुजरबानी की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद ब्रायन बेनेट की 36 गेंद में नाबाद 48 रन की पारी से जिम्बाब्वे ने आईसीसी टी20 विश्व कप ग्रुप बी मैच में सोमवार को यहां 45 गेंद शेष रहते ओमान को आठ विकेट से शिकस्त दी। ओमान को 103 रन पर आउट करने के बाद जिम्बाब्वे ने 13.3 ओवर में दो विकेट गंवाकर 106 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की।

मुजरबानी ने चार ओवर में 16 रन देकर तीन विकेट लेते हुए ओमान के शीर्ष क्रम को झकझोरा। उन्हें रिचर्ड नगारवा का (चार ओवर में 17 रन पर तीन विकेट) का अच्छा साथ मिला। एक अन्य तेज गेंदबाज ब्रैंड इवांस ने 3.5 ओवर में 18 रन पर तीन विकेट लेते हुए जिम्बाब्वे के निचले क्रम को आउट किया।

ओमान ने 27 रन पर पांच विकेट गंवा दिये थे और टीम पर काफी कम स्कोर पर आउट होने का खतरा मंडरा रहा था। विनायक शुक्ला (21 गेंद में 28 रन), सूफियान महमूद (39 गेंद में 25) और नदीम खान (18 गेंद में 20) की उपयोगी पारियों से टीम ने 100 रन के आंकड़े को पार किया। इन तीनों के अलावा कोई अन्य बल्लेबाज दोहरे अंक में रन बनाने में नाकाम रहा। विनायक और सूफियान ने छठे विकेट के लिए 42 रन की साझेदारी कर ओमान को जल्दी आउट होने बचाया तो वहीं नदीम ने आखिरी ओवरों में कुछ बड़े शॉट के साथ टीम के स्कोर को 100 रन के पार पहुंचाने में अहम योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए जिम्बाब्वे ने तेज शुरुआत की। सलामी बल्लेबाज तादिवांशे मारुमनी ने 11 गेंदों में 21 रन की तेज पारी खेली, लेकिन महमूद की गेंद पर वसीम अली ने शानदार कैच लेकर उन्हें पवेलियन भेज दिया। महमूद ने उसी ओवर में डियोन मायर्स को खाता खोले बिना आउट कर दिया। इसके बाद बेनेट और अनुभवी विकेटकीपर ब्रेंडन टेलर ने तीसरे विकेट के लिए 68 रन की साझेदारी कर जिम्बाब्वे को 13.3 ओवर में ही जीत दिला दी। बेनेट पिछले कुछ समय से शानदार लय में है। उन्होंने इससे पहले घरेलू सरजमीं पर तीन अर्धशतक लगाकर जिम्बाब्वे को इस विश्व कप में जगह दिलाई थी।

तीसरा विकेट लेने के बाद जश्न मनाते जिम्बाब्वे के ब्लेसिंग मुजरबानी। एजेंसी

केंद्रीय अनुबंध में बी श्रेणी में खिसके कोहली और रोहित

नई दिल्ली, एजेंसी

सीनियर सुपरस्टार विराट कोहली और रोहित शर्मा को बीसीसीआई के ताजा सालाना केंद्रीय अनुबंध में अपेक्षा के अनुरूप बी श्रेणी में रखा गया है जबकि बोर्ड ने सात करोड़ की रिटेनरशिप वाली ए प्लस श्रेणी खत्म कर दी है। बीसीसीआई ने सोमवार को 30 पुरुष और 21 महिला क्रिकेटरों को ए, बी और सी श्रेणी के सालाना अनुबंध देने की घोषणा की। नये केंद्रीय अनुबंध संबंधित सत्र में खेले गए मैचों और प्रदर्शन के आधार पर दिये गए हैं। दो प्रारूप में कप्तान शुभमन गिल, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और टेस्ट हरफनमौला रविंद्र जडेजा को ए श्रेणी में रखा गया है। कोहली और रोहित टेस्ट और टी20 से विदा लेने के बाद एक ही प्रारूप में खेलते

हैं और इसलिये शीर्ष श्रेणी में नहीं रह सकते। समझा जाता है कि पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के सुझाव पर प्रशासकों की समिति ने ए प्लस ग्रेड की शुरूआत की थी। यह तीनों प्रारूपों में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले क्रिकेटरों के लिये था और इतने वर्ष में सिर्फ कोहली, रोहित, जडेजा और बुमराह ही इस श्रेणी में रहे हैं। अब इनमें से तीन एक या दो प्रारूपों से विदा ले चुके हैं लिहाजा बोर्ड सिर्फ बुमराह को ए प्लस श्रेणी में नहीं रखना चाहता। गिल का सभी प्रारूपों में खेलना तय नहीं है और टी20 विश्व कप की टीम में उन्हें जगह नहीं मिली है। पिछले चक्र में 34 खिलाड़ियों को अनुबंध दिये गए थे लेकिन इस बार सूची में 30 ही नाम हैं। अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी, विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन, तेज गेंदबाज मुकेश कुमार और मुंबई के बल्लेबाज सरफराज खान के नाम इसमें नहीं है। कारण यही है कि इस चक्र में उन्होंने किसी भी प्रारूप में एक भी अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। शमी के बाहर होने के मायने हैं कि भारतीय टीम में उनके लिये वापसी के रास्ते बंद हो चुके हैं। महिला क्रिकेट में विश्व कप विजेता कप्तान हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना, जेमिमा रौड्रिग्स और दीप्ति शर्मा को ए श्रेणी में रखा गया है। जेमिमा पिछले चक्र में ग्रेड बी में थी। स्नेह राणा को भी ग्रेड सी से बी में भेजा गया है।

टीम इंडिया सालाना केंद्रीय अनुबंध

(सीनियर पुरुष)

ग्रेड ए : शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह, रविंद्र जडेजा ग्रेड बी : वॉशिंगटन सुंदर, रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल, मोहम्मद सिराज, हार्दिक पंड्या, ऋषभ पंत, कुलदीप यादव, यशस्वी जायसवाल, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर ग्रेड सी : अक्षर पटेल, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, शिवम दुबे, अर्शदीप सिंह, संजू सैमसन, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, ध्रुव जुरेल, हर्षित राणा, वरूण चक्रवर्ती, नीतिश कुमार रेड्डी, अभिषेक शर्मा, साइ सुदर्शन, रवि बिश्नोई, रूतुराज गायकवाड़

(सीनियर महिला):

ग्रेड ए : हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना, जेमिमा रौड्रिग्स और दीप्ति शर्मा ग्रेड बी : रेणुका ठाकुर, शेफाली वर्मा, रिचा घोष, स्नेह राणा ग्रेड सी : राधा यादव, अमनजोत कौर, प्रतिका रावल, क्रांति गौड़, उमा छेत्री, अरूंधति रेड्डी, श्रीचरणी, यास्तिका भाटिया, हरलीन देयोल, काशवी गौतम, जी कमलिनी।

डेविस कप | नीदरलैंड्स के खिलाफ जीत दिलाने वाले स्टार खिलाड़ी ने कहा–ये तो बस शुरुआत है

मैंने कुछ अलग तरह की टेनिस खेली : दक्षिणेश्वर

बेंगलुरु, एजेंसी

भारत के नए डेविस कप हीरो दक्षिणेश्वर सुरेश का कहना है कि देश के लिए उनका शानदार प्रदर्शन 'बस शुरुआत है' क्योंकि वह एक अमेरिकी विश्वविद्यालय में अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद एटीपी टेनिस टूर पर पूरी तरह से प्रतियोगिता में उतरने की तैयारी कर रहे हैं।

वेक फॉरेस्ट यूनिवर्सिटी में कम्युनिकेशन स्टडीज की पढ़ाई कर रहे 25 साल के दक्षिणेश्वर इस साल मई में अपनी डिग्री पूरी करेंगे। सितंबर 2025 में पदार्पण करने के बाद सिर्फ दो मुकाबलों में दक्षिणेश्वर ने अपने सभी चार मैच जीते हैं। इनमें से तीन जीत उन्हें पिछले सप्ताहांत बेंगलुरु में नीदरलैंड के खिलाफ मिलीं।

दक्षिणेश्वर ने कहा अभी बहुत लंबा रास्ता तय करना है। यह

तो बस शुरुआत है। दक्षिणेश्वर ने इसके साथ 2004 में जापान के खिलाफ एक ही मुकाबले में तीन मैच जीतने के लिएंडर पेस की उपलब्धि की बराबरी की। दक्षिणेश्वर के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने नीदरलैंड्स को 3-2 से हराकर डेविस कप क्वालीफायर के दूसरे दौर में जगह बनाई जहां वे सितंबर में कोरिया से भिड़ेंगे। उन्होंने कहा मैं अपनी पढ़ाई पूरी करने के लिए अमेरिका जाऊंगा, फिर मई में वापस आकर अपना कार्यक्रम तय करूंगा। एक बार जब यह तय हो जाएगा तो मैं टूर में शामिल हो जाऊंगा और अगले डेविस कप मुकाबले की तैयारी करूंगा। दक्षिणेश्वर के शानदार रिकॉर्ड पर कप्तान रोहित राजपाल ने कहा बहुत कम खिलाड़ी ऐसे होते हैं जो डेविस कप मुकाबले में 4-0 का रिकॉर्ड बनाते हैं, विशेषकर अच्छे विरोधियों के खिलाफ। वह लगातार अच्छी सर्विस करते हैं और अच्छे फोरहैंड लगाते हैं। मुझे उम्मीद है कि वह अपने टेनिस का आनंद लेते रहेंगे और अच्छा प्रदर्शन करते रहेंगे। भारत का प्रतिनिधित्व करने से उनके खेल का एक अलग पहलू सामने आया है। उन्होंने कहा जब आप अपने देश के लिए खेलते हैं तो यह एक अलग एहसास होता है। आप सिर्फ अपने लिए नहीं खेल रहे होते, आप पूरे देश के लिए खेल रहे होते हैं।

शेर की तरह लड़े नागल : कप्तान

कप्तान रोहित राजपाल ने चोटिल सुमित नागल की भी तारीफ की जो पूरी तरह फिट नहीं होने के बावजूद टीम की अगुआई कर रहे थे। सुमित 50 प्रतिशत भी फिट नहीं थे। उनके कूल्हे में ग्रेड टू की चोट थी और हम फिजियो के साथ दिन-रात काम कर रहे थे। उन्होंने एक शेर की तरह लड़ाई लड़ी और टीम की वैसे ही अगुआई की जैसे भारत के नंबर वन खिलाड़ी को करनी चाहिए। राजपाल ने सहयोगी स्टाफ, विशेषकर फिजियो के योगदान की खास तौर पर तारीफ की और कहा कि इस मुकाबले ने भारत की बढ़ती ताकत को दिखाया है। चोट के कारण तीन हफ्ते बाहर रहे नागल अपने दोनों एकल मैच हार गए थे। यह एक मुश्किल हफ्ता था लेकिन अपनी लड़ाई से उन्हें हौसला मिला।